हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 मार्च, 1984

खंड 1, अंक 10

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भुक्रवार, 23 मार्च, 1984

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एव उतर	(10)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(10)26
भाहीद–ए–आजम सरदार भगत सिंह तथा उनके सहयोगियों को श्रद्वांजलि	(10)30
विभिन्न विशयों का उठाया जाना–	(10)37
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(10)40
मुख्य मंत्री द्वारा वर्श 1984–84 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरराम्भ)	(10)45

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 23 मार्च, 1984

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ. में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तांराकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगें।

Trees felled in the State

***527 Smt. Chandravati:** Will the minister of State for Revenue be pleased to State—

(a) the district wise number of tress felled during the years 1981-82 and 1982-83 together with the year wise income derived there from, separately; and

(b) whether any of the trees, out of those referred to in Part (a) above, were not fit for felling?

Minister of State for Revenue (Sh. Lachhman Dass Arora):

(a) the information is laid on the Table of the house in Annexure "A".

(b) No, Sir

Annexure "A"

Name of District	No. of trees felled		Income (In Rs.)	
	1981-82	1982-83	1981-82	1982-83
Ambala	98803	84458	6288513	8337074
Karnal	23980	23537	3132067	3530985
Kurukshetra	88279	94433	6480122	6347668
Sonepat	19541	32710	1468518	3191972
Rohtak	29293	20152	4137093	4172397
Gorgaon	27806	6152	2725297	2998240
Mohindergarh	10734	14373	923772	1444302
Faridabad	15221	2295	331411	734540
Jind	33309	19827	3299561	2795396
Bhiwani	25923	16695	1180870	1174880
Hissar	16898	21480	2986999	2452385
Sirsa	23302	20843	2774665	2430540
Total	413089	356955	34875757	39610379

श्रीमती चन्द्रावतीः मंत्री जी बताएगें कि क्या तथ्य है कि पेड़ ज्यादा काटे गए और गिनती मे कम दिखए गए और जो आमदनी दिखाई गई है वह भी कम दिखाई गई हैं।

श्री लछमन दास अरोड़ाः यह बिल्कूल गलत है। जितने भी पेड़ काटे गए है उतने ही दिखाए गए है ओर उनके हिसाब से ही कीमत वसूल की गई है।

चौधरी रो ान लाल आर्यः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला और कुरूक्षेत्र जिले मे सबसे ज्यादा दरखत काटे गए है। क्या यह सही है कि उजैनी के जंगल से दस लाख दरखत काटे गए है और उन काटे हुए दरखतो का पैसा सरकार के खजाने मे जमा न करा कर कोई अधिकारी की खा गए? अगर ऐसा हुआ है तो क्या इस बारे मे इन्कवायरी कराएगें?

श्री लछमन दास अरोड़ाः जहां पर ज्यादा फारैस्ट हैं, और पहले के लगे हुए मैच्योर्ड दरखत हैं, वही काटे गए हैं। ज्यो–ज्यों दरखत मैच्योर होते जाते है, त्यो त्यों कटते रहते हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, सवाल का जवाब नही आया हैं। माननीय मैम्बर ने कहा है कि उजैनी के जगल के जो पेड़ कटे हैं, उनका पैसा खजाने मे जमा नही किया गया है और कोई अधिकारी उस पैसे का खा गया हैं। क्या उस बारे मे भी सरकार इन्कवायरी कराएगी?

श्री लछमन दास अरोड़ा: अगर किसी माननीय सदस्य के पास काई ऐसी इन्फर्मे ान है तो वह हमे लिखकर दे दें।

चौधरी रो ान लाल आर्य: यह बात अखबारों मे भी छपी हैं। यह मेरे अपनें हल्के की बात है। मै कटाई को रोकने के लिए भी गया था लेकिन सरकार ने उस पर कोई एक ान नही लिया।

श्री अध्यक्ष: अगर आपके नालेज मे कोई स्पैसिफिक इन्सटान्स है तो आप लिखित रूप मे दे दें, ये इन्कवायरी करवा लेगें।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, अजबी बात हैं। आन दि फलोर आफ दि हाउस ये उल्टे हम से इन्फर्मे ान मांगते हैं। माननीय मैम्बर ने सप्लीमैंटरी पूछा हैं और कहा है कि उजैनी के जगंल का काटा गया है और पैसा सरकार के खजाने मे जमा नही हुआ लेकिन सरकार उसका जवाब नही दे रही।

श्री अध्यक्ष: मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया हैं। आप किसी दूसरे तरीके से, जो आपके पास स्पैसिफिक इन्फर्मे ान हो उस तरीके से पूछे, जिस बारे मे आप डैफिनिट हों।

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, अगर कही भी ऐसी कोई बात हुई है, किसी जंगल का काटा गया हैं और पैसा खजाने मे जमा नही किया गया है तो वे लिख कर दें,

हम इन्कवायरी करेगें और जो व्यक्ति दोशी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त एक ान लेगें।

चौधरी साहब सिह सैनीः स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र जिले मे सन 1981–82 मे 88279 दरख्त और 1982–83 मे 94433 दरख्त काटे गए। क्या कारण है कि 1981–82 मे दरख्त कम काटे है लेकिन आमदनी ज्यादा दिखाई हैं और 1982–83 मे ज्यादा काटे है लेकिन आमदनी कम दिखाई हैं जब कि लकडी़ का भाव बढ़ गया था? स्पीकर साहब, रोड्ज पर से दरखतो का सफाया कर दिया जाता है। मै जानना चाहता हूं कि इनमे कितनी कितनी उम्र के दरख्त काटे गए हैं। मैच्योर्ड कितने काटे गए औरर इम्मैयचोर्ड कितने काटे गए?

श्री लछमन दास अरोड़ाः सड़को पर से जो दरख्त काटे गए हैं, वे कीकर वगैरह के पुरान दरख्त थें, वे काटे है और अब भी काट रहे हैं। हम पुराने दरख्तो को काट कर उनकी जगह नई प्लानटे ान करना चाहते है। कोई भी नया दरख्त इस कटाई मे नही आया है।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, 1981–82 मे कुरूक्षेत्र जिले मे 88279 दरख्त काटे गये और 6480122 रूपये की इन्कम हुई जब कि सन् 1982–83 मे 94433 दरख्त काटे गये और 6347668 रूपये की आमदनी हुई। जिस साल अधिक दरख्त काटे गये उस साल आमदनी कम हुई और जिस साल कम काटे गये

उस साल ज्यादा आमदनी हुई ; इसका क्या कारण हैं? 1982–83 मे तो लकडी़ के भाव भी बढ गये होगें, फिर भी कम आमदनी क्यों हुई?

श्री लछमन दास अरोड़ाः सन् 1982–83 मे दरख्त ज्यादा मोटे नही थे इसलिए कम आमदन हुई। सन् 1981–82 मे दरख्त मोटे थे इसलिए आमदन बढ गई थी।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, साहब सिंह सैनी ने फरमाया कि पिदले एक डेढ साल से सड़को से तकरीबन पेड़ो का सफाया किया जा रहा हैं। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिस दरख्त का काटा जाता है, उसकी मैच्योरिटी ऐज क्या है? क्या कोई कमैटी मुकरर्र की हुई है या कोई क्राइटेरिया बनाया हुआ है कि यह दरख्त मैच्योर हो गया हैं, इसे काट लेना चाहिए? क्या इस बारे मे आपके पास कोई रिकार्ड है या फोरैस्ट मंत्री, चेयरमैन, ओर अधिकारी के हुक्म से पेड़ काट दिये जाते है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः मै माननीय सदस्य को बाताना चाहता हूं कि वन विभाग मे एक अलग से विग कायम किया हुआ है जो दरख्त कटवाने का काम करता है। उनके पास पुराना रिकार्ड होता है। वे नम्बरवाईज यानी जिन दरख्तो का लगे हुए दस, बारह या पनद्रह साल हो गये है उन्हे ही कटवाते है।

श्री लछमन सिहंः स्पीकर साहब, मंत्री महादय ने अभी बताया कि लोगिंग विग अलग से है जो दरख्त कटवाता है।

लेकिन इन की वैल्यूए ान को बहुत ज्यादा चर्चा हैं। कहते है कि दरख्त बहुत काटे गये है लकिन उनकी वैल्यू कम वसूल हुई। क्या मिनिस्टर साहब को नालेज मै है कि सन 1981–82 मे फोरैस्ट प्रोडयूस् की कीमते थी, वे अब सन 1982–83 और सन् 1983–84 मे तीन–चार गुणा बढ गई हैं? इन कारे मे सब को पता है और आपने अखबारों मे पढा होगा। हिमाचल प्रदे ा मे भी इसका बड़ा चर्चा है जो खड़े दरख्त है उनका आक ान करने का क्या क्राइटेरिया हैं? स्टैन्डिग ट्री का तो पता लग जाता हैं कि इसकी क्या कीमत है। जिन स्टेन्डिग ट्रीज को काटने जा रहे हैं उनकी व्लैयूऐ ान और सैल का जो डिफरैन्स है उसका आप कैसे अन्दाजा लगाते हैं? आपने बेचने का क्राइटेरिया किस प्रकार से फिक्स किया हुआ हैं? आप कैसे हिसाब लगाते हैं कि ये दरख्त एक लाख के है और ये दो लाखस है? क्या अटकलप्चू लगाकर नम्बर दा मे बेचते चले जा रहे है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः कीमत का क्राइटेरिया हैं। सन् 1981–82 मे या उससे पहले जो सफेदा पेपर मिलों मे जाता था वह 100 रूपये का पांच क्विंटल सप्लाई होता था लेकिन आज उसका भाव 230 रूपये क्विंटल हैं। उनके साथ हमारा बाकायदा एग्रीमेंट होता हैं। इनके इलावा कीकर या जो दूसरे दरख्त हैं उन्हे कटाई के बाद फोरैस्ट विभाग अपने स्टोर्ज मे इक्ट्ठा कर लेता हैं। ये स्टोरप दस पन्द्रह किलामीटर के फासले पर बनाये जाते हैं। इसके बाद जो लेाग लकड़ी का कारोबार करते हैं उन्हे

इतलाह दे दी जाती है। यह इतलाह पब्लिक रिले ान विभाग के जरिए से दी जाती है। जब वे लोग इक्ट्ठे होते है तो ओपन आक ान होती हैं। जो ज्यादा बोली देता हैं उसे लकडी़ दे दी जाती हैं।

श्री लछमन सिंहः ठीक है, आम आक ान करते होगे लेकिन वैल्यूए ान कैसे करते हैं? फोरेस्ट बोर्ड गवर्नमैंट का आदरा हैं। फर्ज करो गवर्नमैंट का माल फोरैस्ट बोर्ड ने खरीद लिया। बोर्ड के कर्मचारी उसकी असली कीमत कैसे जज करते है? ये आक ान तो करते ही नही है। इसका क्या क्राइटेरिया है? पांच सौ रूपये की चीज है या सात सौ रूपये की चीज है, यह कैसे असैस करते है?

श्री अध्यक्षः मिनिस्टर साहब ने कलियर कह दिया कि आक ान होती हैं।

श्री लछमन सिंहः ओपन आक ान स्टैन्डिग ट्री की नही होती। स्टैन्डिग ट्री की वैलयूए ान कैसे करते है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः माननीय सदस्य ने पूछा है कि पहले खड़े दरख्त आक ान किये जाते थें जिनको ठेकेदार नही खरीद सकतें। तीन साल पहले हमने आक ान सिस्टम बन्द कर दिया है। अब हमारा डिपार्टमैंट ही पेड़ो का काटता है और काटने के बाद ओपन आक ान करता हैं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, नहरों पर जो वृक्ष लगे हुए है, अगर गावं वाल उनकी एक टहनी भी काट लेते हैं तो फौरेस्ट गार्ड सौ सौ और डेढ डेढ सौ रूपये जुर्माने के नोटिस दे देते हैं। क्या सरकार कोई तरीका निकालेगी कि झूठे नोटिस न दिये जायें?

श्री लछमन दास अरोड़ाः झूठे नोटिस देने वाल बात गलत हैं। अगर महकमा इस तरह की डायरै ान न दे तो गांव के लोग दरख्त काटने लग जायेगें और तबाही हो जायेगी।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, सरकार ने इन्फर्मे ान दी है कि फलां फलां साल मे इतनें – इतने दरख्त काटे है। मै यह जानना चाहता हूं कि अग तक इमच्योर्ड टौटल कितने दरख्त काटे हैं और उनसे कितनी आमदनी हुई है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः मैने पहले भी जवाब दिया है कि जो भी दरख्त काटे है, वे मैच्योर्ड ही काटे है। लोगिंग विग के पास ईयरवाईज टौटल मैच्योर्ड वृक्षो की लिस्ट होती है।

हीरा नन्द आर्य : मै जानना चाहता हूं कि प्राईवैट लोगो ने इम्मैच्योर्ड दरख्त कितने काटे है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः इम्मैच्योर्ड कोई दरख्त नही काटा है। जिन लोगो के लिलाफ ऐसी ि ाकायत आती हें हम उनक खिलाफ एक ान लेते हैं।

श्री मंगल सैनः सर, मेरा भी एक सप्लीमैंटरी हैं।

श्री अध्यक्षः क्या हर क्वै चन पर आपको सप्लीमैंटरी करने की इजाजत देनी जरूरी हैं?

श्री मंगल सैनः अगर आपके मन में यही बात हैं तो मैं नही खडा हूंगा।

श्री अध्यक्षः दूसरे मैम्बर्ज को सैटिसफाई करना भी मेरा फर्ज है।

डा. औम प्रका ाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि इ नकी जो लकड़ी कटती हैं, उसके लिये उन्होने हर 10—15 मील के फासले पर स्टोर बनाये हुए हैं। क्या यह बात इनकी जानकारी में है कि इनके कई स्टोर्ज के अन्दर काफी पुरानी लकड़ी पड़ी हुई हैं। अगर यह बात सही है तो क्या आप बतायेगें कि कितने अर्से से यह कटी हुई लकड़ी पड़ी हैं? इस साल की हैं, 5 साल पुरानी हैं या 10 साल पुरानी हैं? गांव जयपूर, सभापुर खर्दी के नजदीक जंगलात के स्टोर में जो लकडी़ पडी़ हुई हैं वह कितने अर्से से कटी पड़ी हुई है और क्या वजह है उस लकड़ी को आज तक भी डिस्पोज नही किया गया?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, इस सप्लीमैंटरी का मेन सवाल से कोई ताल्लूक नही हैं।

डा. ओम प्रका ा: स्पीकर साहब, मै इनका बता रहा हूं कि वहां पर कई सालों की पुरानी लकड़ी पड़ी हुई हैं, उसको डिस्पोज आफ क्यो नही किया गया है?

श्री लछमन दास अरोड़ा: आप लिख कर दे दें, पता करवा लेगें।

श्री नेकी राम: स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने रोड्ज के साथ साथ और नहरो के साथ जो पेड़ लगाये हुए हैं, कई जगहो पर उनकी छाया आधा आधा किले खेत को नुकसान पहुंचाती हैं। क्या उनको कटवाया जायेगा ताकि किसान को नुक्सान न पहुंचें? (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सिर्फ यही बात नही है। इस बारे मे एक दूसरी बात यह भी है कि एक तो छाया से नुक्सान होता ही हैं दूसरे चिड़िया और दूसरे पक्षी जो दरख्तों पर रहते हैं, जमींदार की फसल को नुकसान पहुंचाते हैं।

श्री लछमन दास अरोड़ा: जहां तक इस सवाल का सम्बन्ध है कि नहरों और सडको के किनारे पर पेड़ लगाये जाते हैं ओर उनकी छाया से नुकसान होता हैं, हम तकरीबन इस हद तक ही पेड़ लगाते है जिस हद तक किसान को नुकसान न हों। अगर कही पर थोड़े से ज्यादा छाया दार पेड़ लगें हुए है, और उनसे नुकसान हो रहा हो तो हम उनको कम कर दैगें।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने हाउस को मिसलीड किया है कि इममैच्योर्ड पेड़ नही काटे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि इममैच्योर्ड पेड़ भी काटे गये हैं।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, आप तो बड़े पुराने मैम्बर है। आप जानते हैं कि अगर कोई कबात समझते है कि इन्होने मिसलीड करने वाली कही है तो उसके लिये प्रोसीजर बना हुआ है। उसको फालो किजिये।

श्रीमती चंन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, सांजरवास के नजदी से जो नहर जाती हें, वहां पर पेड़ कटे है। दादरी और दिल्ली वाली सड़कों पर छुछकवास ओर इमलोटा के बीच पहले काला तीती पाया जाता था, वहां पर पेड़ काट दिये जाते हैं। मै चाहती हूं कि इस बात की इन्कवायरी करवायी जाये। इस बात का जवाब भी दिया जाये कि आज पेड़ काटने वालो के खिलाफ एक ान क्यो नही लिया गया हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः मैने पहले भी कहा है कि आनरेबल मैम्बर साहेबान के नोटिस मे अगर ऐसी कोई बात है तो लिखकर दे दे, हम सारी बात की फौरन इन्कवायरी कर लेगे।

आवाजेः स्पलीमैंटरी सर।

श्री अध्यक्षः पहले एक बात का फैसला कर लें कि एक क्वै चन के लिये कितना टाईम रखना है।

आवाजे: 10 मिनट, सर।

श्री अध्यक्ष: इस सवाल पर तो पहले ही 15 मिनट हो चुके हैं। आप बैठ जाइए।

Outstanding arrears of Electricity Charges

***535. @ Prof. Sampat Singh, Shri Mangal Sein:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any arrears on account of electricity charges are outstanding at present against any industrial consumers in the State, if so, the total amount thereof;

(b) the names and address of the industrial consumers, out of those referred to in part (a) against whom arrears of more than rupees one lakh are outstanding; and

(c) the amount of the arrears referred to in part(a) above, if any, outstanding for more than one year, two years and three years separately?

Irrigation and Power Minister(Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

(a) Yes,

Rs. 18.60 crores ending January, 1984 out of which Rs. 6-08 crores pertains to two Public-Undertakings.

(b) A statement is laid on the Table of the House.

(c) The amount of arrears outstanding for than one year, two years and three years, is Rs. 0.45 Crores, 1.10 crores and 9.62 Crores, respectively.

STATEMENT

List of Names and Addesses of Industrial consumers against whom arrears of more than Rs. One Lac is outstanding.

Sr. No.	Name & Address
	M/s
1	Bar Malt Pvt. Ltd. Gurgaon.
2	Prem Enterprises, Rewari
3	Shgal Paper Mill, Dharuher.
4	Dlamia Cement Factory, Ch. Dadri
5	Bhiwani Textile Mill, Bhiwani
6	Mehta Clectro Stee, Bhiwani
7	Century Tubes Ltd., Bhiwani
8	C.L. Monga & Sons, Panipat
9	Goel Engg. Works, Panipat
10	Raj Woolen Mills, Panipat
11	Amba Woolen Mills, Panipat.

12	D.D. Singla, Panipat
13	Deepak Singla Panipat
14	Steel Sales Panipat
15	Swastika Spinning Mills, Panipat
16	Swastika Woolen Mills, Panipat
17	Co-Operative Sugar Mills, Panipat
18	National Fertiliser Ltd., Panipat
19	Dabriwala Steel Eng.. Co, Sector 24, Faridabad.
20	Oswal Steels, Sector 24, Faridabad
21	Hindustan Wire Sector 24, Faridabad
22	Dina Nath Ball Mukan, NIT, Faridabad.
23	Usha Spinning and Weaving Mill, M/R Faridabad
24	Lagwanti Chemicals M/R, Faridabad
25	P.C. Maheswari Sector 6, Faridabad.
26	Northan India, M/R, Faridabad
27	S.G. Steel, Sector 4, Faridabad.
28	Radhika Rubber, Sector 06, Faridabad
29	Hyderabad Asbestos, Sector 25, Bhallabgarh.
30	B.D. Ghai & Sons, Sector 06 Faridabad

31	Nepco India Mathura Road, Faridabad
32	Sarswati Sugar Mill, Yamuna Nagar.
33	Ballarpur Paper Mill, Yamunanagar.
34	Aggarwal Agricultru Industry, Jagadhri.
35	Kumar Steel, Jagadhari
36	R.D. Alloys, Jagadhri
37	Mansa Singh, Ambala
38	Suraj Steel, sonepat.
39	Co-Operativ Sugar Mill, Sonepat
40	ECE Sonepat
41	Rubber Reclain Ind. Bahalgarh.
42	Haryana Electro Steel, Sonepat
43	Haryana Steel Alloy, Murthal
44	Suraj Mall Cotton Ginning Factory, Ellenabad.
45	Godera Cotton Factory, Mandi Dabwali
46	Amar Flour Mill, Sirsa
47	Sirsa Industries, Sirsa
48	B.G.Finance Ltd., Sirsa
49	Haryana Concast, Hissar

50	Indian Steel Alloy, Hissar
51	Lift. Irrigation
52	HSMITC

प्रो. सम्पत सिंहः मंत्री जी ने अभी यह बताया है कि बिजली के बिलों का एरियर 18 करोड़ 60 लाख रूपये का बकाया हैं। पिछले साल इसी हाउस में इन्ही दिनों में यह जवाब दिया गया था कि 12 करोड़ 2 लाख रूपया बकाया है। इसका मतलब यह हुआ कि एक साल मे 6 करोड़ से जयादा एरियर बढ गया है जिसकी अभी पेमैंट होनी है। इन बिलों की वसूली न होने के क्या कारण हैं? इसके अलावा 25 लाख रूपये से ज्यादा के बिल जिनकी तरफ बकाया है, उन कंज्यूमर्ज के नाम क्या क्या है और कितने लोगों के आज तक बिजली के बिल राईट आफ कियू जा चूके है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः इन्होने यह पूछा है कि इतना एरियर क्यों बढ गया है, इसका क्या कारण है? मै आपके जरियें इनको बताना चाहता हूं कि यह जो 18.6 करोड़ रूपये के एरियर्ज बकाया हें, यह 52 इन्टरप्राईजिज के हैं। इस एरियर मे मेरा ख्याल यह है कि गवर्नमैंट और पब्लिक सैक्टर अन्डरटेकिंग्ज के अगेन्स्ट 13.98 यानी 14 करोड़ रूपये के एरियर्ज है। इसके इलावा जिन केसिज मे हाई कोटग या सुप्रीम कोर्ट ने स्टे आर्डर दिये हुए है, उनमे तकरीबन 7.56 करोड़ रूपये के एरियर इनवालवड है। जहा तक इस बात का ताल्लूक हैं कि

पिछले साल से यह अमाउन्ट क्यो ज्यादा बढ गयी हें, इस का कारण यह है कि इस मे ज्यादतर एरियर्ज पब्लिक सैक्टर अन्डरटेकिंग्ज के है। ये अन्डरटेकिंग्ज है एम.आइ.टी.सी. कानकास्ट, नै ानल फर्टीलाईजर, लिफट इरीगे ान और डालकिया सीमेंट फैक्ट्रीज। एम.आइ.टी.सी., लिफट इरीगे ान के बिलो की पेमैंट के लिए बजट मे प्रोवीजन नही था। इसलिये वे पेमैंट नही कर सके। इसलिए यह एरियर बढे है, इसलिये नही बढ़ है कि प्राईवेट लोगों ने बिल अदा नही किये हैं। पब्लिक सैक्टर अन्डरटेकिंगज ने पिछले साल बिलो की पेमैंट नही की है। जहां तक राईट आफ करने का सवाल हैं, मेरा ख्याल है कि हमने किसी का बिल राईट आफ नही किया है।

श्री मंगल सैनः आपकी बहुत मेहरबानी जो आपने मुझे सप्लीमैंटरी पूछने का मौका दिया।(व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपने तो ऐसे बात कह दी जैसे कि मैने कोई अहसान किया हो। मेरे पास कई अपोजी ान के मैम्बर्ज आये थें। वे कहने लगे कि मेरा ध्यान ज्यादातर मंगल सैन की तरफ ही रहता हैं।

श्री मंगल सैनः अगर मेरे किसी दोस्त ने कहा है तो मै उनकी बात को मान लूंगा। क्या यह बात ट्रैजरी बैचिज वालो ने कही हे?

श्री अध्यक्षः नही, यह तो अपोजी ान वालों ने ही कही हैं कि मेरा ध्यान ज्यादतर डा. मंगल सैन की तरफ रहता है।

श्री मंगल सैनः आपने इनकी यह बात मान ली हैं, अगर इनकी सारी बाते मान ने तो क्या ही अच्छा हो।

श्री अध्यक्षः आपकी सेहत पर बड़ा भारी असर पड़ता है।

श्री मंगल सैनः मेरी सेहत पर कोई असर नही पड़ता।

श्री अध्यक्षः मगर आप अपसैट तो दिखाई दे रहे थे क्योंकि मैने पहले क्वै चन पर आपको सप्लीमैंटरी अलाऊ नही किया था।

श्री मंगल सैनः मै तो बिल्कूल अपसैट नही हूं। मै तो बिल्कूल ठीक– ठाक हूं।

श्री अध्यक्षः वह तो मेरी आंखों ने देख लिया है कि आप अपसैट नजर आ रहे हो।... . . .. खैर, आप सवाल पूछिये।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने एक लम्बी लिस्ट दी है और बहाना यह ढूंढा है कि ऐसी कम्पनियां है जिन के बिलों की पेमैंट करने के लिए बजट प्रोविजन नही था। अध्यक्ष महोदय, यह कनकास्ट लगातार आठ साल से घाटे मे चल रही है और इन्होने बिजली का बिल अदा नही किया है। इस लिस्ट मे बिरला कन्सर्न भी और दूसरे कनसर्न भी है जिन्होने

बिजली के बिल अदा नही किए है। मै उनके नाम गिनाए देता हूं। ये है हैदराबाद ऐसबैस्टोज, सैक्टर–25 बल्लभगढ, ई.सी.ई. सोनीपत, सरस्वती भूगर मिल, यमूनानगर, बलारपुर पेपर मिल, यमूनानगर और भिवानी टैक्सटाईल मिल, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि ये बिल कब पैडिन्ग है ओर सरकार ने उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की है ओर कब तक यह रूपया वसूल हो जाएगा? क्या उनसे ब्याज भी वसूल किया जाएगा या माफ कर देगें? क्या मंत्री महोदय यह भी बताने की कृपा करेगें कि जो गवर्नमैंट की कार्पोरे ान डिफाल्टिड है, क्या उनका सरकार वाइंड अप करेगी?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, डा. साहब ने कनकास्ट का जिक्र किया हैं मै हाउस को बताना चाहता हूं कि कनकास्ट 1976 से पहले डिफाल्ट हुआ था। उसके बाद यह फैसला हुआ कि यह कम्पनी एरियर्ज का एक लाख रूपय महीना की किस्त और रेगुलर बिल अदा किया करेगी लेकिन बाद मे कनकास्ट का मीटर स्लो पाया गया। यह मीटर तीन साल पहले स्ला पाया गया था जिस की वजह से डिस्प्यूट खड़ा हो गया अब यह केस आर्बिट्रेटर के पास पैंडिंग है। अब ये एरियर्ज का 1¼ भाग और रनिंग बिल दे रहे है। इस प्रकार का फैसला हुआ है। जहां तक प्राईवट इण्डस्ट्रीयलिस्ट के अगैन्सट एरियर की बात हे।, वह इस तरह है। हैदराबाद ऐसबैस्टाज के अगेन्सट 2.17 लाख रूपया है। बलारपुर पेपर मिल के अगैन्सट 6.61 लाख रूपया हे।

इ.सी.ई. सोनीपत के अगैन्सट 1.30 लाख बकाया हे। इन्होने कोर्ट से स्टे ले लिया हे।

चौधरी फूल चन्दः मिनिस्टर महोदय ने बताया है कि बिजली के बिल अदा न करने मे काफी पब्लिक कन्सर्न और प्राइवेट कन्सर्न इन्वाल्वड है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि डमैस्टिक बिल अदा न करने पर डमैस्टिक कनैक ान काट दिया जाता हे। इसी प्रकार अगर कोई किसान ट्यूबवैल का बिल अदा न करे तो उसका भी कनैक ान काट दिया जाता है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि ऐसे अग तक कितने कनैक ान काटे गए है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जनरल कंज्यूमर्ज जिनके कनैक ान ऐनर्जी के बिल न देने पर डिसकनैक्ट किए गए उनकी तरफ इक्कीस लाख रूपए के एरियर्ज थे। इण्डस्ट्रीज के दस हजार कनैक ंज थे जो डिफाल्टिड थें। इनमे से 2038 कनैक ान डिसकनैक्ट किए गए है। इन मे से 1.20 करोड़ रूपया इंवाल्वड है। एग्रीकल्चर के तीन हजार कनैक ान डिसकैनैक्ट किये थे। इन मे 12.60 लाख रूपया इन्वाल्वड है। अध्यक्ष महोदय, डिसकुनैक ान का जो प्रोसिजर दूसरे कंन्जयूमर के लिए फालों यिका जाता है, वही प्रोसीजर एग्रीकल्चर पर ऐप्लीकेबल है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, डालमिया सीमेन्ट फैक्टरी के अगैन्सट एक करोड़ अठारह लाख रूपया, हरियाणा कंकास्ट के अगेस्ट 2.08 करोड़ रूपया, भिवानी मिल के अगैन्सट 53 लाख रूपया, पी.सी. महे वरी, बल्लभगढ के अगैन्सट 17.47 लाख रूपया और नौरदर्न इंडिया के अगैन्सट 48.78 लाख रूपया बकाया है। अध्यक्ष महोदय, ये काफी पुराने केसिज है। क्या मंत्री महोदय, बताने की कृपा करेगे कि इनके अगैन्सट क्या ऐक ान लिया जा रहा हे।?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, डालमिया सीमैंन्ट फैक्टरी दिसम्बर 1976 मे डिफाल्ट हुई थी और इसका कनैक ान डिसक्नैक्ट कर दिया गया था। उस समय यह प्राइवेट कम्पनी थी। उसके बाद 23.06.1981 को सैन्टर्ल गवर्नमैंट ने इसके टेकओवर कर लिया। जब सैन्टर्ल गवर्नमैंट ने टेकओवर किया तो उसको फिर कनैक ान दे दिया गया इसका केस पैन्डिंग है और रिकवरी की कार्यवाही की जा रही हे। इसी तरह भिवानी टैक्सटाईल मिल की तरफ 63.30 लाख रूपया बकाया था। इन्होने सब–जज, भिवानी को कोर्ट से एरियर्ज की रिकवरी के अगेन्सट स्टे आर्डर ले लिया था। लेकिन बाद मे सब–जज प भिवानी ने बिजली बोर्ड के अगेन्स्ट डिसिजन दे दिया था। बिजली बोर्ड ने इस जजमैंट के अगैन्स्ट डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट मे अपील दायरप कर दी हैं।

प्रो. सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले सप्लीमैंटरी पूछी थी कि पच्चीस लाख रूपए से ज्यादा जिन कंसर्न्ज के अगेन्स्ट बकाया हैं। वे कौन कौन सी कंसर्न्ज इनस सवाल का जवाब मुझे नही मिला हैं। अब मै दूसरा सप्लीमैंटरी पूछना चाहता हूं। क्या मंत्री महोदय, बताने की कृपा करेगे कि जब से यह मिल लगी है, तब से आज तक एक पैसा भी बिजली का बिल अदा नही किया है? क्या मंत्री महोदय कोई ऐसा बिल पास करने पर विचार करेगें कि अगर कोई कम्पनी बिजली का बिल अदा नही करती तो उसकी प्रोपर्टी या दूसरी असैट्स को अपने कब्जे मे लिया जा सके?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, कानून यह है कि एज एरियर्ज आफ लैंड रैवेन्यू के तौर पर रिकवरी हो सकती है। जहां तक सहगल पेपर मिल का ताल्लूक है, उसका कनैक ान आलरैडी डिसकनैक्ट कर चुके है। उनके अगैस्ट 38.34 लाख रूपया बकाया है इन्होने आज कुछ नही दिया। इसके अगेन्सट रिकवरी प्रोसीडिंगल चालू है। जिन फैक्टरी के अगेन्स्ट 25 लाख रूपया से ज्यादा बकाया है मै उनके नाम बता देता हूं। डालमिया मिल 118.64 लाख, सहगल पेपर मिल 38.34 लाख, भिवानी टैक्सटाईल मिल 63.30 लाख, ने ानल फर्टिलाईज 450.56 लाख, डबरीवाला स्टील इंजीनियरिंग कम्पनी 58.93 लाख, ऊशा वीविंग एण्ड स्पिनिम मिल 16.05 लाख, नोरदर्न इंडिया, फरीदाबाद 52.60 लाख, पी.सी. महे वरी 34.18 लाख, एस.जी. स्टील सैक्टर

–4 फरीदाबाद, 15.62 लाख, हरियाणा इलैक्ट्रिक्ल स्टील सोनीपत 17.18 लाख, हरियाणा कनकास्ट 158.04 लाख, लिफट इरिगें ान 428 लाख, और एम.आई.टी.सी.241 लाख।

Plantation of trees.

***571. Dr. Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state the district wise number of trees planted durin the year 1983-84 by the Forest Board/Forest Department?

Minister of State for Revenue(Sh. Lachhman Dass Arora): The information is laid on the Table of the House in Annexurs "A".

ANNEXURE 'A'

The District wise number of trees planted during the year 1983-84 by the Forest board/Forest department upto 29.02.1984 is given as under:-

Sr. No.	Name of District	Planting done by the Forest Development Board	Planting done by the Forest department under Social Forestry Project	Total Planting (In lacs)

1	2	3	4	5
1	Ambala	122.79	29.00	151.79
2	Kurukshtera	72.09	21.71	93.80
3	Karnal	61.00	20.79	81.79
4	Sonepat	36.03	11.54	47.57
5	Sirsa	38.78	14.37	53.15
6	Hissar	71.33	9.80	81.13
7	Bhiwani	66.06	5.80	71.86
8	Jind	20.15	24.04	44.19
9	Gorgaon	60.74	16.09	76.83
10	Faridabad	47.10	13.60	60.70
11	Mohindergarh	57.66	25.00	82.66
12	Rohtak	80.00	10.964	90.964
	Total	7.33.73	202.704	936.434

10.00 बजे

डा. भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मै मंत्री साह से पूछना चाहता हूं कि जो आकड़े उन्होने बताये हैं, क्या उनका टारगैट पहले से ही फिक्स किया गया था। अगर किया गया था तो जिला वाइज कितना खर्चा हुआ? मेरा दूसरा प्वायंट यह है कि कुछ प्लांटे ान तो बोर्ड ने की है और कुछ फारैस्ट डिपार्टमैंट ने

की हे। मै जानना चाहता हूं कि बोर्ड ने अगल अलग और विभाग ने कितनी कितनी प्लांटे ान की है? साथ मे यह भी बताने का कश्ट करे कि बोर्ड मे और विभाग में स्टाफ की क्या रे ाो है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः जहां तक प्लोटेशन का सवाल है, यह काम बोर्ड के पास ज्यादा होता है। विभाग के पास तो भाोसल फारैस्ट्री का काम होता हैं। सो ाल फारैस्ट्री मे प्लांटे ान का काम कम होता हे। और बौर्ड के पास ज्यादा होता हैं। इसी तरह से बोर्ड मे स्टाफ ज्यादा है और फारैस्ट्री विभाग मे कम होता हैं।

चौधरी साहब सिंह सैनीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से हाउस मे बताना चाहता हूं कि पिछले वर्श जो प्लांटे ान हुई है उस पर 2 करोड़ रूपये से ज्याद रूपया खर्च किया गया है। बजट मे इसका प्रोवीजन नही था। इसी तरह से एक करोड़ रूपये के करीब मसटर रोल तैयार करके खर्च किया गया । क्या यह सच है? इसके साथ ही साथ यह भी पूछना चाहता हूं कि एक प्लांट के लगाने पर कितना खर्चा आता हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः जहां तक मसटर रोल तैयार करके फालतू खर्च करने का सम्बन्ध हैं, ऐसी कोई बात नही है। जो इन्होने पूछा कि एक प्लांट के ऊपरर कितनी कास्ट आती है, वह मै बता देता हूं कि एक प्लांट पर तकरीबन एक रूपया कास्ट आती हैं।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः क्या मंत्री महोदय बताएगें कि डिसट्रिक्टवाईज एलोके ान आफ प्लांटस का क्या क्राइटेरिया है? सरकार ने अम्बाला मे 151.79 लाख ओर कुरूक्षेत्र मे 93.80 लाख प्लांटस लगाये है लेकिन जीन्द मे केवल 44.19 लाख के करीब प्लांटस लगाये गये है। जींद मे अम्बाला और कुरूक्षेत्र की निसबज सबसे कम प्लांटस लगाये है, इसके क्या कारण है?

दूसरी बात यह है कि जीन्द मे जितने पौधे लगाये थे, क्या उनकी सरकार या बोर्ड द्वारा देखभाल की गयी थी? मै मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि क्या फलदार वृक्ष और आरैनामैन्ट्ल प्लांट लगाने का प्र न भी सरकार के विचाराधीन हैं?

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, आप कृपा अपने कवै चन को भाार्ट ही रखें ताकि एक–एक सप्लीमैन्ट्री की सही सूचना मिल सके।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, मै अपने फाजल दोस्त को यह बताना चाहता हूं कि अम्बाला और कुरूक्षेत्र मे प्लांटे ान इसलिये ज्यादा हुई क्योकि वहां पर पानी ज्यादा मात्रा में उपल्बध है ओर वहा पर पंचायतों की जमीन भी काफी अवेलेबल हैं। जहां तक जीन्द मे कम प्लांटे ान करने का सवाल हें, वहां पानी की कमी हे। ओर जमीन भी हमारे हिसाब से कम अवेलेबल होती है। जहां तक फलदार वृक्षो को लगाने का सवाल

हैं, यह क्लाईमेंट के हिसाब से लगाये जाते है। हमने एक स्कीम चालू कर रखी है, जल्दी ही इस बारे मे कार्यवाही कर रहे हैं।

सेठ राम दास धमीजाः सब से पहले तो स्पीकर साहब, मे अपने मंत्री महोदय को इस बात की मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि प्लाटे ान के सिलसिले मे उन्होने अम्बाला का खास ध्यान रखा हैं। अम्बाला जिला इस बारे मे टाप पर रहा है। मै उनसे यह जानना चाहता हूं कि उनको अपनी इस अचीवमैन्ट मे कितने परसैन्ट कामयाबी मिली है और कितने परसैन्ट नाकाम्याबी मिली हैं?

श्री भले रामः स्पीकर साहब, फारैस्ट विभाग वाले नहरों और सड़कों के किनारे सफेदे के वृक्ष लगाते है। पिछले दिनों एक स्कीम भी चलाई थी कि किसानो की जमीन पर भी सरकार की तरफ से सफेदों के पेड़ लगाये जाऐगे। क्या स्कीम अब भी चल रही हैं या बन्द कर दी हैं। अगर चल रही हें तो उसका क्या क्रायटेरिया हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जहां तक पोलिसी ाक सवाल है, जिन किसानो के पास 5 या 5 एकड़ से कम जमीन हैं डी.सीज. उनकी लिस्टे बनाकर फारैस्ट विभाग को भेज देते हैं। फारेस्ट विभाग का क्राइटेरिया यह है कि एक जमींदार को 400 पोधे फ्री मिलते है और इससे फालतू पोधे अगर

कोई जमींदार लेना चाहे तो वह चार आनक पर पोधा के हिसाब से पेमैंट करके नर्सरी से ले सकता हैं।

श्रीमती बसन्ती देवीः स्पीकर साहब, बालन्द गावं के पास एक बांध है, उसके चारेां तरफ सफेदो के वृक्ष किसी कारणव ा किर गये या खराब हो गये लेकिन सरकार की तरफ से गांव के गरीब लोगो पर जुर्माना लगाया गया है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि जुर्माना लगाने के क्या कारण है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः बहन जी इस तरह की सूचना हमारे पास नही है। हो सकता हें कि सूचना मिली हो कि कुद दरख्त काटे गये हैं। आप लिखकर दे दें मैं इसकी जांच करवा लूंगा।

चौधरी फूल चन्दः मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इन्होने जो आकड़े दिये है, क्या इन आकडो़ मे व द्रख्त भी भाामिल है जो किसानो ने खुद लगाये हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, 60 परसैन्ट किसानों के खुद के है और 40 परसैन्ट बोर्ड या विभाग ने लगाये हैं।

श्री राम विलास भार्माः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बोर्ड और विभाग ने आपस मे मिल कर जो पोधे लगाये हैं, क्या इन से डुपलीकेट काम तो नही हो गया है यानी रजिस्टर मे डबल ऐन्ट्री ता नही हो रही हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, ऐसी बात नही है। बोर्ड का फंक ान अलग है, और हमारा अलग है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेंवालः स्पीकर साहब, फारेस्ट विभाग नहरो और सड़को के किनारें किनारें जो पेड़ लगाता हें, इससे किसानो की लगभग आधा एकड़ जमीन बरबाद हो जाती है। इस बरबादी के लिये क्या सरकार किसी किस्म का बोन्स किसानो को देने का विचार रखती हैं? उन पेड़ो से इन्कम सरकार को होती हैं, क्या उस इन्कम को सरकार किसानों मे बांटने का विचार रखती हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, ऐसी कोई स्कीम सरकार के विचारधीन नही है। अगर मैम्बर साहेबान अपनी राय लिखकर दे तो हम उस विचार कर सकते है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जितना बजट 1983–84 मे फारैस्ट विभाग या बोर्ड को दिया गया उसकी डिसिट्रक्टवाईज ऐलोके ान कर दी गयी थी। 1983–84 के दोरान डिस्ट्रिक्ट फारेस्ट अफसर कुरूक्षेत्र ने 7 आर के एम प्लानेटस का टार्गेट रखा था। क्या मंत्री महोदय बतायगे कि क्या कुरूक्षेत्र के डी.एफ.औ. ने बजट की ऐलोके ान से ज्यादा 20 लाख रूपया खर्च किया हैं? इस बारे मे विभाग की के एक कंजरवेटर ने लिखा है कि बहुत बड़ी एररैगुलैरिटिज हुई हैं। इस इररेगुलैरिटी के बाद भी 8 लाख रूपया और दे दिया गया। अगर कोई फारैस्ट आफिसर

या कोइ दूसरा अफसर सरकार के खिलाफ कार्यवाही करेगी? क्या इस तरह की इररेगुलेरीटीज होने पर सरकार ने पहले कभी किसी अफसर के खिलाफ कोई कार्यवाही की हैं।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, ऐसी बात मेरे नालेज मे नही है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै सरकार के बारे मे कुछ नही कहता, मै तो एक वि ोश अफसर के बारे मे कह रहा हूं कि उसने बीस लाख रूपये ज्यादा खर्च कर दिये।

मुख्यमंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, हमारा सारी स्टेट का प्लान होता है कि सारे साल मे इतने पेड़ लगाने है। जिलावाईज टारगेट फिक्स किया जाता हैं। यह काम फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड भी करता है और डिपाटमैंट भी करता है। अगर किसी जिले मे किसी वजह से पेड़ कम लग जाऐ और उसकी वजह से जो पैसा बच जाता हैं , उसे एक जिले से दूसरे जिले मे ट्रांसफर करने मे कोई आपत्ति नही है। इसलिये इसमे क्र ान की कोई बात नही है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै सबमिट करना चाहता हूं कि पिछले साल भी फारेस्ट के बारे सवाल आया था जोकि लकडी़ बेचने के बारे में था। मै सरकार के खिलाफ कोई एलीगे ान नही लगाना चाहता। आप फिगर देखे कि कुरूक्षेत्र जिले को छोड कर बाकी तमाम जिलों मे बजट बढा हैं। कुरूक्षेत्र

जिले मे लकड़ी ज्यादा कटी औरप बिकी कम है। बाकी जिलों मे ऐसा नही हुआ?

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठें।

श्रीमती भाारदा रानीः मै मंत्री जी से जानना चाहती है कि फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड और डिपार्टमैंट दोनो पेड़ लगाते भी हैं और उनकी सुरक्षा भी करते हैं। देखने मे आया हैं कि कई बार दीमक अच्छे अच्छे पेडो़ का बहुत ज्यादा नुकसान कर देती हैं और डिपार्टमैंट की ओर से उनको सेव करने के लिए कुछ नही किया जाता। दूसरा सवाल मेरा यह है कि किसी पेड़ को काटने से पहले उस जगह के आस पास दूसरा पेड़ लगाने का प्रावधान किया जाना चाहिए।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जहां तक किसी पेड़ को काटने से पहले उसकी जगह दूसरा पेड़ लगाने का सवाल है, यह कैसे हो सकता है? जब तक एक पेड़ काट कर जगह साफ नही ही जाएगी तो दूसरा पेड़ कैसे लग सकता हैं।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 1961 से 1963 तक प्लेन जगह पर पौधे लगाए जाते थे लेकिन अब नई स्कीम के तहत पौधे लगाए जाते है। इससे कितनी आमदन बढी है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जो प्लेन जगह पर सफेदे वगैरह लगाए जाते थे वे ज्यादा कामयाब नही थें क्योकि

वे पल नही पाते थें। अब जो नई स्कीम के तहत लगाये जाते है इससे सफेदे का दरख्त तकरीबन दुगना मोटा हो जाता हैं।

श्री भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी, ने पालिसी बता दी कि जिलावाइज एलोके ान की जाती है और टारगेट फिक्स किये जाते है। उससे पहले मंत्री जी ने कहा था कि न तो उनको टारगेटस के बारे मे इस सकय पता है और न ही फंडज की ऐलोके ान का पता है कि जिलावाई कितनी कितनी है। उन्होने यह भी नही बताया कि कितना स्टाफ डिपार्टमैंट से बोर्ड को ट्रांसफर हुआ है। क्या मुख्य मंत्री जी, इस बारे मे बातऐगें।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, बोर्ड ने और डिपार्टमैंट ने जो जिलावाइज पेड़ लगाए उसके बारे मे मै बताता हू। अम्बाला जिला मे 122.79 लाख पेड़ बोर्ड ने लगाए और 29 लाख डिपार्टमैंट ने लगाए। टोटल 1 करोड़ 51 हजार 836 लगाए। कुरूक्षेत्र मे 72.09 लाख पेड़ बोर्ड ने लगाए और 21.71 लाख पेड़ डिपार्टमैंट ने लगाए। कुल 93 लाख 80 हजार पेड़ लगें। करनाल मे बोर्ड न 61 लाख पेड़ लगाए और डिपार्टमैंट ने 20.79 लाख पेड़ लगाए। यह सारी लिस्ट हमने जवाब के साथ लगा रखी है। इस प्रकार से टोटल जो पेड़ लगे वे 936.434 लाख लगे।

चौधरी साहब सिंह सैनी: अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहा था कि बजट से फालतू तीन करोड़ रूपया खर्च किया गया

है। बोर्ड के अकाउंटस असैम्बली के परव्यू मे नही हे और उसका ए.जी. भी आडिट नही कर सकता। तो यह जो तीन करोड़ ज्यादा खच्र हुआ हैं, यह बहुत बडी़ रकम मिसयूज हुई हैं यानी प्लांटे ान मे भी और पेड़ काटने मे भी। तो क्या इसकी जांच करवाएंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा कि तीन करोड़ रूपये का घपला हो गया। किसी बात को कहने से पहले कुछ तथ्य पास होने चाहिए . . . .

चौधरी रो ान लाल आर्यः स्पीकर साहब, 1981–82 के मुकाबिले मे 1982–83 मे 86154 पेड़ फालतू काटे गये लेकिन आमदनी 1981–82 के मुकाबिले 1,32,454 रूपये कम हुई। क्या यह घपला नही है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पेड़ जो कटत है वे सारे के सारे बिकते नही है। पेड़ बिकने का हिसाब दूसरा है और काटने का हिसाब दूसरा हैं। यदि इनके नोटिस मे कोई बात हो तो हमे लिख कर भेजे, हम बाकायदा इन्कवायरी करवायेगे और जिसका कसूर होगा उसको सजा देगें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैम्बर्ज इस बारे मे अभी सैटिसफाइड नही है, इसमे बहुत घपला है इसलिये इस सवाल पर आप आधे घंटे की चर्चा अलाउ कर दें।

श्री अध्यक्षः इसके लिये अगर प्रोपर नोटिस मेरे पास आएगा तो मै कंसिडर कर लूगा।

Funds of Forstr

***591 Chaudhri Balbir Singh Grewal:** Will the minister of State for Revenue be pleased to state—

(a) whether any found, out of the funds, if any, provided under the N.R.E.P. during the years 1981-82, 1982-83 and 1983-84 were earmarked for forestry; and

(b) if so, percentage of such funds vis-a-vis the total provision under N.R.E.P. together district wise and year wise details of the manner fo unilization thereof?

Ministter of State for Revenue (Shri Lachhman Dass Arora:

(a) Yes.

(b) A statement is laid on the Table of the House in Annexure 'A'.

ANNEXURE-A

At lease 10% of the budget provision fo NREP is required to be spent of Social Forestr. In addition thereto funds were also provided for taking up NREP type works in drought/flood affected areas of the state out of advance Plan Assistance received form Govt. of India. Yearwise provisionis as under:

Sr. No.	Year	Funds avialable with state			Funds allocated for forestry (Rs. In lacs)	%age of allocation for forestry
		NREP (Rs. in Lacs)	Advance Plan Assistance (Rs. in lacs)	Total (Rs. In lacs)		
1	1981-82	320	180	500	85.	17%
2	1982-83	320	76.38	396.38	55.02	14%
3	1983-84	340	80.00	420	57.08	14%

The District- wise and year-wise details of the manner of utilisation therof on Social Forestry is given as under:-

Sr. No.	Name of District	1981-82		1982-83		1983-84	
		Allotted Expenditure (Rs. in Lacs)		Allotted Expenditure (Rs. in Lacs)		Allotted Expenditure upto2/84 (Rs. in Lacs)	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Jind	5.00	5.00	11.06	11.06	2.42	1.04
2	Ambala	10.1	10.1	2.61	2.61	5.54	1.71

		8	8				
3	Karnal	8.98	8.98	4.00	4.00	4.19	1.75
4	Sonepat	4.49	4.49	1.50	1.50	2.13	
5	Kurukshtera	8.35	8.35	11.74	11.74	19.84	3.69
6	Faridabad	5.63	5.63	5.84	5.84	2.83	2.54
7	Bhiwani	3.65	3.65	1.10	1.10	1.94	1.16
8	Hissar	7.59	7.59	4.33	4.33	4.32	3.56
9	Mohindergarh	4.5	4.50	0.06	0.06	1.61	1.41
10	Rohtak	11.11	11.11	8.40	8.40	5.03	1.52
11	Gorgaon	12.37	12.37	2.88	2.88	4.85	2.06
12	Sirsa	3.15	3.15	1.50	1.36	2.38	1.92
Total		85.00	85.00	55.02	54.88	57.08	22.36

II. Details of work done under N.R.E.P. District-wise/year-wise is as under:-

Name of Distict	Physical Achievement for the year 1981-82	
1. Jind	1. Raising of Plants	10.74 Lacs

2. Ambala	1. Raising of Plants	19.00 Lacs
	2. Maintenance of plants	14.20 Lacs
	3. Maintenance of plantation reised during 1981-82	183 RKM
	4. Inprovement & repair of rodas	
3. Karnal	1. Raising of Plants	500 RKM
	2. Maintenance of plantation 1980-81	500 RKM
4. Sonepat	1. Raising of Plants	15.00 Lacs
	2. Maintenance of plantation	800 RKM
	3. Maintenance of plantation	40.00 Lacs
5. Kurukshetra	1. Raising of Plants	2.14 Lacs
	2. Maintenance of previous year plantation	10.45 Lacs (80 RKM + 40 Hect.)
	3. Inprovement & repair of rodas	27.50 KM (Plantation 2.67 Lacs)
6. Faridabad	1. Afforestaion	140 Hect.
	2. Shelter Belts	120 RKM

	3. Farm Forestry	10 Hect
	4. Liner Strips	100 Hect
	5. Raising of Planst	9.97 Lacs
7. Bhiwani	1. Raising of plants	7.80 Lacs
8. Hissar	1. Afforestaion	55 Hect
	2. Shelter Belts	210 RKM
	3. Sand dune fixation	71 Hect
	4. Granuals	9 M.T
9. Mohindergarh	1. Maintenance of Works done iunder various plans scheme	
10. Rohtak	1. Raising of Shelter Belts	411 RKM
	2. Rsising of plants	2.00 Lacs
	3. Cleaning & Thinning	1647 RKM
	4. Advance Earth Works	174 KM
11. Gorgaon	1. Afforestaion	442 Hect
	2. Shelter Belts	330 RKM
	3. Raising of Plants	32.12 Lacs
	4. Maintenance of previous year works	

12. Sirsa	1. Raising of plants	12.60 Lacs

Physical Achievements for the year 1982-83

1. Jind	1. Afforestaion	285 Hect.
	2. Shelter Belts	543 RKM
	3. Raising of Plants	4.56 Lacs
2. Ambala	1. Raising of Plants	2.03 Lacs
	2. Maintenance of plants	15.00 Lacs
	3. Afforestation	117 RKM
	4. Aldrin	97 Liters
	5. Purchase of pumping set	1 No.
3. Karnal	1. Raising of Plants	4.00 Lacs
4. Sonepat	1. Raising of Plants	3.00 Lacs
5. Kurukshetra	1. Raising of Plants	30.00 Lacs
	2. Advance earth works	3500 RKM
6. Faridabad	1. Afforestaion	115 Hect.
	2. Shelter Belts	610 RKM

	3. Raising of Planst	4.40 Lacs
7. Bhiwani	1. Shelter Belts	33 RKM
	2. Raising of Planst	1.00 Lacs
	3. Maintenance of plants	
8. Hissar	1. Shelter Belts	421 RKM
	2. Raising of Planst	12.00 Lacs
9. Mohindergarh	1. Purchase of polythene bags	
10. Rohtak	1. Shelter Belts	900 RKM
	2. Raising of Planst	6.00 Lacs
11. Gorgaon	1. Shelter Belts	350 RKM
	2. Afforestaion	50 Hect
12. Sirsa	1. Purchase of polythene bags	
	2. Maintenance fo Plantation of prevous year 1981-82	

Physical Achievements for the year 1983-84

1. Jind	1. Shelter Belts	150 RKM

2. Ambala	1. Afforestation	270 RKM
	2. Maintenance of plants raised during 1982-83	2.50 Lacs
	3. Plantation	34 Hect
3. Karnal	1. Afforestation of plants	500 RKM
4. Sonepat	1. Plantation	100 RKM
	2. Raising of Plants	0.60 Lacs
	3. Construction of seeds store	2. No.
5. Kurukshetra	1. Afforestation of plants	1250 RKM
	2. Raising of Plants	15.00 Lacs
6. Faridabad	1. Raising of Plants	3.98 Lacs
	2. Afforestation of plants	32 Hect
7. Bhiwani	1. Sand dune fixation	48 Hect
8. Hissar	1. Afforestation	100 Hect
	2. Shelter Belts	310 RKM
9. Mohindergarh	1. Shelter Belts	75 RKM
	2. Pond diggin	3 No.

	3. Raising of Planst	0.625 Lacs
10. Rohtak	1. Shelter Belts	166 RKM
	2. Replacement done in shelter belts	381 RKM
11. Gorgaon	1. Shelter Belts	249 RKM
12. Sirsa	1. Afforestation	26 Hect
	2. Shelter Belts	70 RKM

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, नै ानल रूरल इम्पलायमैंट प्रोग्राम के तहत हरियाणा प्रान्त के सभी जिलों का सो ाल फारेस्टरी के लिए1983–84 मे 57 लाख 8 हजार रूपए अलाट हुए थे। लेकिन मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया हैं असमे यह बताया गया है कि 57 लाख 8 हजार रूपए मे से केवल 22 लाख 36 हजार रूपए खर्च हुए है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो पैसा सो ाल फारेस्टरी के लिए अलाट हुआ था, इन्होने उसमे से इनता कम पैसा क्यों खर्च किया है, इसका क्या कारण है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, एन.आर.ई.पी. के तहत सो ाल फारेस्टरी के लिए जो 1983–84 मे पैसा अलाट हुआ, वह 57 लाख 8 हजार रूपए हुआ था। यदि माननीय सदस्च

जिलावाईज पूछना चाहते हैं तो मै इनको जिलावाईज फिगर बता देता हूं।(ाोर)

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मैने तो यह पूछना है कि 1983–84 मे एन.आर.ई.पी. के तहत 57 लाख 8 हजार रूपए अलाट हुए थे उसमे से 22 लाख 36 हजार रूपए की क्यों खर्च हुए हैं इससे ज्यादा खर्च किस कारण नही किया गया? ये इतने कम पैसे खर्च क्यों हुए हैं इसका क्या कारण है? इसके अलावा सोनीपत जिले के लिए जो पैसा अलाट हुआ था उसमे से एक भी पैसा खर्च नही किया गया जबकि कुरूक्षेत्र जिले मे 3.69 लाख रूपए सो ाल फारेस्टरी पर खर्च किए गए है इसका क्या कारण हैं?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, मै जिलावाइज फिगर्ज माननीय सदस्य को बता देता हूं। जो 1983–84 मे जिलावाइज पैसा अलाट किया गया है वह इस प्रकार हैं। जीन्द 2 लाख 42 हजार, अम्बाला 5.54 लाख, करनाल 4.19 लाख, सोनीपत 2.13 लाख, कुरूक्षे़त्र 19.84 लाख, फरीदाबाद 2.83 लाख, भिवानी 1.94 लाख, हिसार 4.32 लाख, महेन्द्रगढ 1.61 लाख, रोहतक 5.03 लाख, गुड़गाव 4.85 लाख और सिरसा 2.38 लाख रूपए।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मैने तो यह पूछा है कि एन.आर...ई.पी. के तहत सो ाल फारेस्टरी के लिए

57 लाख 8 हजार रूपए अलाट किए गए थें लेनि इसमे से 22 लाख 36 हजार रूपए खर्च किए गए है इतना कम पैसा खर्च क्यो हुआ है, इसका क्या कारण है? यह घपला नही तो और क्या है? यह सारा फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड ही घपला हैं।(ाोर)

श्री अध्यक्ष : आपने पिछले सवाल मे यह पूछा था कि तीन करोड़ रूपया ज्यादा खर्च क्यो हुआ है औपर अब कह रहे है कि इतना पैसा कम क्यों खर्च हुआ हैं।(ाोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, सभी जिलों को फारेस्टरी के लिए जितना पैसा अलाट किया था उसमे से किसी भी जिले मे पूरा पैसा खर्च नही हुआ है। मंत्री जी ने सदन के पटल पर विवरण रखा है, उस पर सीरियल नम्बर 10 रोहतक जिला हैं। उसके बारे मे मंत्री जी ने बताया है कि रोहतक जिले के लिए 1983–84 मे 5.30 लाख रूपए अलाट किए थे लेकिन उसमे से केवल 1.52 लाख रूपए खर्च हुए हैं। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इतना कम पैसा खर्च करने मे कोई राजनीतिक द्वेश तो नही है? क्या इतना कम पैसा किसी राजनैकित द्वेश के कारण खर्च किया गया है?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जब भी रोहतक के बारे मे कोई बात आती है तो डा. साहब को बहम हो जाता है। रोहतक मे साथ कोई राजनैतिक द्वेश नही हैं। जिस तरीके से डिपार्टमैंट पैसा खर्च करता है, उसी तरीके से पैसा खर्च होता है।

इसकी भी कोई वजह होगी जिसके कारण वहा पर कम खर्च हुआ हैं। किसी ने वह पैसा जेब मे जा डाला नही हैं। जो पैसा वाकी रहता हे। हो सकता है वह फरवरी और मार्च के महीनो मे खर्च हो गया हो, क्योंकि जो खर्चे की फिगर्ज दी गई है, ये फरवरी महीने तक की दी गई हैं। जो पैसा खर्च नही हुआ है उसको ठीक ढंग से ही खर्च किया जाएगा, बाहर कही नही फैंका जाएगां। (ाोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, डा. साहब ने यह कहा हैं कि रोहतक में फारैस्टरी के लिए जो पैसा अलाअ हुआ हैं, वह कम अलाट क्यो हुआ हैं। मै इनको बताना चाहता हूं कि हिसार मे रोहतक से भी कम पैसा अलाट हुआ हैं। हिसार की फारैस्टरी के लिए 4.32 लाख रूपए अलाट हुए हैं। जब कि रोहतक की फारेस्टरी के लिए 5.03 लाख रूपए अलाट हुए हैं जो खर्चा किया गया हैं यह फरवरी मास तक का हुआ हैं। इस फरवरी और मार्च महीनो का खर्च भाामिल नही हैं। कुछ बिल बाकी रहते है, इसलिए हो सकता है कुछ बिलो का पैसा आद न किया गया हों। जितना पैसा फरवरी मास तक खर्च किया गया है वह बताया गया हैं। यह भी हो सकता है कि उसके बाद पैसा खर्च कर दिया गया हेा और उसके बिल अदा ना किए गए हो।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी आपसे यही सबमि ान है कि यह बड़ा अहम सवाल हैं इसलिए आप इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान अलाऊ करें।

श्री अध्यक्षः डा. साहब आप लिख करके दे दे, मै उस पर विचार कर लूंगा।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, वर्श 1983–84 के लिए सोनीमत मे फारेस्टरी के लिए 2.13 लाख रूपये अलाट किए गए थें लेकिन उसमे से एक भी पैसा खर्च नही किया गया। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सोनीपत मे यह पैसा खर्च न करने का क्या कारण हैं।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, जिस समय नर्सरी लगाने का काम भुरू होता हैं, उस वक्त पैसा खर्च किया जाता हैं लेकिन बिल उसके बाद ही आते हैं। बिल आने के बाद ही पेमेंट होती हे।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया है कि सो ाल फारेस्टरी के लिए 1983–84 मे 57 लाख 8 हजार रूपए अलाट हुए थे और उसमे से 22 लाख 36 हजार रूपए खर्च किए गए है। इसके अलावा इन्होने यह भी बाताया कि यह खर्चा फरवरी मास तक का हैं। जो पैसा फरवरी और मार्च के महीनों में खर्च हुआ हें, वह इसमे भाामिल नही है। उन महीनों के बिल अभी बाकी रहते हैं। मै मंत्री जी से यह

जानना चाहता हूं कि यह पैसा इसलिए तो कम खर्च नही किया गया कि फरवरी और मार्च के महीनो मे बोगस बिल बना कर पैसा खर्च किया हुआ दिखाया जा सके?

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, नर्सरी का काम भाुरू कर दिया जाता हैं। ज्यो ज्यों काम पूरा होता जाता हे। उसके बिल आते रहते है और पेमेंट होती रहती हैं।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, यह पूछ रहे है कि लास्ट मे बोगस बिल बना कर पैसा खर्च किया गया तो नही दिखा दिया जाएगा?

श्री लछमन दास अरोड़ाः ऐसा नही हैं

चौधरी रो ान लाल आर्यः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा एक और बात इनके ध्यान मे लाना चाहता हूं। जो विवरण सदन मे पटल पर रखा गया है मुख्य मंत्री जी, इसको ध्यान से पढे। इसके अन्दर लिखा गया है कि जो पैसा सो ाल फारेस्टरी के लिए 1981–82 मे अलाट किया गया था, वह बहुत पैसा खर्च किया गया हैं। लेकिन 1983–84 मै जो पैसा इस काम के लिए अलाट किया गया था, वह बहुत कम पैसा खर्च हुआ हैं। जहां तक मै समझता हूं यह पैसा इसलिए कम खर्च हुआ हैं क्योकि फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड के गठन के बाद ही पैसा अलाट किया गया हैं। जो पैसा इस काम के लिए अलाट किया गया हैं, वह सारे का सारा फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड को ट्रासफर कर दिया जाएगा जो ए.

जी. मे परव्यू से बाहर है क्योकि ए.जी. उसका आडिट नही कर सकेगा। कही फारेस्ट डिपार्टमैंट के कर्मचारियों ने काम करना तो बन्द नही कर दिया है जिसके कारण यह पैसा कम खर्च हुआ हो?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, माननीइय सदस्यो को इस बात की खु ाी होनी चाहिए कि हरियाण प्रदे ा एक छोटा सा प्रदे ा होते हुए भी पेड़ लगाने मे सारे हिन्दूस्तान मे फर्स्ट है। जिस समय हरियाणा मे वर्ल्ड बैंक की टीम आई थी, उसने यह रिर्पोट दी हैं कि पेड़ लगाने मे हरियाणा हिन्दूस्तान के दूसरे प्रदे ाो से आगे हैं।

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबानप, अब सवालो का समय समाप्त होता हैं।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Construction of Dighal –Ismalia Road

***670. Chaudhri Om Parkash:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Dighal-Ismalia road in district Rohtak; and

(b) if so, the time by which the construction of the road referred to in part (a) above is likey to be started and completed?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी नही।

(ख) इस सड़क के पूर्ण करने का प्र न ही नही उठता।

Applications received fot plots.

***621. Sh. Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any advertisements were given during the years 1981, 1982 and 1983 by Haryana Urban Development Authority for the allotement of residential plots at panchkula and Gurgaon; if so, the total number of application received in response thereto together with the total amount of earnest money, if any, received with the applications and the names of the banks in which the said amount was deposited;

(b) whether allotment of plots, as referred to in part(a) above has been made;

(c) whether the amount of earnest money, if any received has been refunded to any of the application who could not be allotted any plot;

(d) if so, total amount refunded togetherwith thei time by which the amount fo earnest money, if any, remaining un-refunded is likely to be repaid;

(e) whether the amount referred to in part (a) above, if any received was given on loan by Haryana Urban Development Authority; if so, the rate of interst thereof; and.

(f) whether there is any proposal under consideration of the Government to allow interest to the said application on the ereest money tendered by them; if so the, details therof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) पंचकूला तथा गुड़गावं मे रिहाय ाी प्लाटों के नियतन के लिये मास अक्तूबर/नवम्बर, 1981 मे आवेदन पत्र मांगे गए थे तथा कुल 30.16 अग्रिम धन रा ि ा प्राप्ति हुई थी जिसका विवरण निम्न प्रकार हैं:–

सम्पदा का नाम	सैक्टर	जितने आवेदन पत्र प्राप्त हुए	जितनी अग्रिम धन रा ि ा प्राप्ति हुई	जिन बैकों का धन रा ि ा एकत्रित करने के लिए प्राधिकृत किया गया
पंचकूला	11 व 12ए	106926	20.51 करोड़	1. स्टेट बैक आफ इण्डिया
				2. स्टेट बैंक आफ

				पटियाला
				3. पंजाब नै ानल बैंक
गुड़गाव	12ए व 6	32775	9.65 करोड़	1. स्टेट बैक आफ इण्डिया
				2. स्टेट बैंक आफ पटियाला
				3. पंजाब नै ानल बैंक

(ख) पंचकूला के प्लाटों का नियतन कर दिया गया हैं। गुड़गावां के प्लाटो का नियतन माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्टे दिए जाने के कारण नही किया गया है।

(ग) हां।

(घ) पंचकूला से संबन्धित 06.03.84 तक 7.40 करोड़ रूपये की अग्रीम धन रा ि ा वापिस की जा चुकी है तथा भोश रा ि ा 23.05.1984 तक वापिस कर देने की संभावना है।

गुड़गाव के सम्बन्ध मे 29.02.1984 तक 04.04 करोड़ रूपये की अग्रीम धन रा ि ा वापिस की जा चुकी है तथा भोश रा ि ा प्लाटों के नियतन के उपरान्त वापिस कर दी जाएगी।

(ड़) 20.00 करोड़ रूपये की धन रा ि ा हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड की ऋण के रूप मे विधुतीकरण के कार्यो के विरूद्व समायोजन हेतू दी गई थी। यह धन रा ि ा इस भातै पर दी गई थी कि हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड का पारसपरिक समिति द्वारा उपयोग न की गई धन रा ि ा पर बैंक के फिक्सड डिपाजिट दर से ½ % अधिक ब्याज देना पडेगा।

(च) नही।

Recruitment of Rorest Guards in Kurukshetra Forest Division

***657. Chaudhri Sahib Singh Saini:**Will the Minister of State for Revenue be pleased to state whether it is a fact that recruitment of Forest Guar4ds in Kurukshetra Forest Division is not being made through the Empliyment Exchanges at persent; if so, the reasons therefore?

Minister of State for Revenue (Shri Lachhman Dass Arora): No, Sir.

Water Supply Scheme Sonepat

***661 Sh. Devi Dass:** Will the Chief Minister be pleased to state the number of villages in the Sonepat Constituency so far linked with the water supply schemes together the scheme during the year 1984&84?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): पांच गांव। पांच अतिरिपक्त गांव, जिनके नाम निम्नलिखित है, को वर्श 1984–85 मे जल वितरण सुविधा प्रदान किए जाने की संभावना है:–

1. चाटिया ओलिया

2. बरवासनी

3. हुला हेड़ी

4. किला रोहद

5. मोहाना

25 Beds Hospitals at Narnaund

***665. Sh. Verender Singh:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a 25 beds Hospital at Narnaund, Tehsil Hansi, District Hissar; and

(b) if so, the time by which the aforesaid hospital is likely to be constructed?

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) हां।

(ख) जैसे ही जमीन मिल जायेगी तथा पर्याप्त धन रा ि । इसके निर्माण के लिए उपलब्या हो जाऐगी।

Degree Collage at Assandh

***679. Sh. Manphool Singh:** Will the Minister of state for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a degree collage at Assandh, if so, the time by which it is likely to be opened?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) नही।

(ख) प्र न उत्पन्न नही होता।

Loan for handlooms from Financial corporation Haryana in Ambala City

***699. Master Shiv Parshad:** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) Whether any persons were advanced loan for handlooms in Ambala Ciry by the Haryana Financial Corporation during 1976-77; if so, the names thereof; and

(b) if reply to part (a) be in the affirmative whether the said amount has been repaid by the persons referred to above, if not, the reasons therefore together with the action, if any, taken against them?

उद्योग मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियां):

(क) जी हां। केवल एक इकाई का ऋण दिया गया, जिस का नाम कबीर हथकरघा उद्योग है।

(ख) वर्श 1977 से कथित इकाई ऋण की आदयगी न करने मे चूक कर रही है। अतः निगम ने अपने बकाया की वसूली के लिये हरियाणा पब्लिक मनीज(रिकवरी आफ डियूज) एक्ट 1979 के अधीन भू–राजस्व बकाया के तौर पर वसूली करने हेतू वसूली प्रमाण पत्र जारी किया है।

Cases fo Suicides in the State

***712. Chaudhri Kundan Lal:** Will the Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of suicide registered in the State during the years 1982 and 1983 separately and the number of males and females amongst them; and

(b) The number fo cases, out of those referred to above, as ere the outcome of dowey disputes?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) वर्श 1982 व 1983 मे आत्महत्याओं की संख्या निम्न प्रकार है:–

वर्श	कुल	पुरूशो द्वारा	स्त्रियो द्वारा
1982	461	246	215
1983	594	300	294

(ख) इस अवधि मे आत्महत्याओं के कारण 66 केसों मे (18 केस 1982 व 48 केस 1983) औरतों की मौतें हुई, जिनमे दहेत विवाद के आरोप थे।

भाहीद–ए–आजम सरदार भगत सिंह तथा उनके सहयोगियों को श्रद्वांजलि

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आज 23 मार्च का दिन है। आज के दिन भाहीद–ए–आजम भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को भारत की आजादी के लिए अंग्रेजो के खिलाफ बगावत करने पर अग्रेजो ने इनको सूली पर लटका दिया था और सतलूज के किनार पर इनका दाह संस्कार कर दिया था। मैं इस संबंध मे आज की लिस्ट आफ बिजनैस मे प्रस्ताव ढूढता रहा कि भाायद इन महापुरूशो का श्रंद्वाजलि देने का प्रस्ताव मुख्य मंत्री जी, लाए होगें। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि इन महापुरूशो के प्रति श्रद्वांजलि देना भूल गए जिन्होने अपना बलिदान देकर हम सबको स्वाधीनता का सांस लेने का मौका दिया। स्पीकर साहब, अब भी मोका हाथ से नही गया है। मुख्य मंत्री जी, प्रस्ताव रख दें, उसका हम समर्थन करेगें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, डा. साहब ने बीच मे ही बात कह दी कि मै इन महापूरूशो का श्रद्वांजलि देने का प्रस्ताव नही लाया। आपने क्वै ाचन आवर खत्म कर दिया लेकिन मै सून नही पाया। स्पीकर साहब, मै यह प्रस्ताव

लाने ही वाला था कि ये बोल पड़े। यह प्रस्ताव एजेडे पर आना कोई जरूरी नही हैं।

श्री मंगल सैनः यह एजेडे का मामला हैं।

चौधरी भजन लालः आप भी तो बिजनैस एडवाईजरी कमेअी के मैम्बर थे। क्या आपने उसमे कोई जिक्र किया था कि यह एजेडे की बात है औरप ऐजेन्डे मे आनी चाहिए। जो बात आप कह रहे है इसका तो सारे दे ा को पता हैं।

श्री मंगल सैनः मैं तो उस मीडिंग से वाक आउट कर गया था।

श्री अध्यक्षः आप इस मामले को कंट्रोवि र्यल क्यो बनाते हो?

चौधरी भजन लालः इसमे झगड़े का कोई बात नही है। इस बारे मे सारे दे ा को ही पता हैं। हम इस प्रस्ताव से पूरी तरह सहमत है। अध्यक्ष महोदय, असली बात यह है कि ये इसे राजनैतिक रंग देना चाहते है और कोई बात नही हैं।

श्री मंगल सैनः इसमे राजनीतिक रंग देने वाली क्या बात हैं। आप भूल गए होगें। आपकी भूल का सुधारा गया हैं।

चौधरी भजन लालः आप तो ऐसे कह रहे है जैसे आपको ही ज्यादा हमदर्दी है, औरो को नही है।डा. साहब आप तो वैसे भी बहुत पुराने मैम्बर हैं। हमदर्दी तो सभी को है।

श्री मंगल सैनः ठीक है हमदर्दी सब को है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इन महान पुरूशों की याद में सदन के सामने प्रस्ताव रखता हूं जिन्होन दे ा की आजादी के लिए फासी का फन्दा हंसते–हंसते चुमा था, आज हम यह संकल्प करें कि जिस प्रकार से अनेक दे ाभक्तो ने इस दे ा की आजादी के लिए कुर्बानी की थी, उनका सच्ची श्रंद्वाजलि भेंट करे। मै सारे सदन से प्रार्थना करूंगा कि हम उनकी याद मे दो मिनट का मौन धारण करे।

कुछ आवाजेः हम इस पर बोलना चाहते है।

श्रीमती चन्द्रावती(बाढड़ा): स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव डा. मंगल सैन जी के सुझाव पर मुख्य मंत्री जी, ने रखा हैं, मै उसका समर्थन करने के लिए खडी़ हुई हूं। इस समय हाउस मे भाहीदे आजम भगत सिंह के प्रति श्रंद्वाजलि देने के प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। मै हाउस का ज्यादा समय न लेते हुए अपनी और अपने दल की ओर से अपनी श्रंद्वाजलि भेंट करती हूं। मै यह समझती हूं कि आज जो वातावरण हैं, उसको देखते हुए उन जैसे महान पुरूशों की आज ज्यादा जरूरत है। हमे आज उनके नक ो कदम पर चलने की कोि ा ा करनी चाहिए। स्पीकर साहब, इतनी बात कहते हुए मै अपना स्थान लेती हूं।

श्री वीरेन्द्र सिह(नारनोद): स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव सदन के सामने आया हैं, मै उसका समर्थन करने के लिए खड़ा

हुआ हूं। इस समय हम उन भाहीदों को श्रंद्वाजलि देने पर चर्चा कर रहे है। जिन्होन इस दे ा के लिए अपना बलिदान दिया है। स्पीकर साहब, बड़े दुख की बात है कि आज ऐसे महान पुरूशों को श्रद्वांजलि देना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई हैं। सच्ची श्रद्वांजलि तो यही होगी कि हम इन महानपुरूशों से, जिन्होने इस दे ा की आजादी के लिए कुर्बानी की और अपना सब कुछ लुटाय, असके जीवन से कुछ सबक सीखें और अपनेा इन्ट्रस्पैक ान करे कि हम किधर जा रहे हैं। सच्ची श्रद्वांजलि यही हो सकती है कि हम उनके दिखाए हुए रास्ते पर चले। अन्त मे मै अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से इन महान पुरूशों का श्रद्वांजलि भेंट करपते हुए और इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री मंगल सैन(रोहतक): अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव सदन मे मुख्य मंत्री जी ने रखा हैं। मै उनके समर्थन मे खड़ा हुआ हूं। आज के दिन भारत की स्वाधीनता के लिए जूझने वाले उन सत् पुरूशों को अग्रेंजो के क्रूर भाासको ने फांसी पर लटाक दिया था क्योंकि ये महान पुरूश अपने दे ा की जनता को गुलामी से मुक्त कराना चाहते थे। वे नही चाहते थे कि कि फिरंगी यहां पर रहे। वे चाहते थे कि दे ा की जनता को अपने भाग्य का निर्णय करने दिया जाए। उनको कालेनियल भाासक कबूल नही था। इसलिए उनको फासी पर लटाक दिया। उन महान भाहीदों का अग्रेजो ने चुपचाप सतलूज के किनारे दाह सस्ंकार कर दिया। हर

दे ावासी को दे ा के लिए मरने वाल परवानो से प्रेरणा मिलती है। यह बात ठीक है कि आज के माहौल मे यह एक औपचारिकता नजर आती हैं। हमारे दे ा के जो रीति–रिवाज और त्योहारर हैं वह परम्परागत बातों को याद दिलाते है और हमे महान पुरूशों के उच्च आद ार्ो पर चलने की प्रेरणा देते है। इसलिए समाज मे यह प्रथा बनी हूंई है कि ऐसे मोकों पर उन्हे याद किया जाए। इसी याद मे 15 अगस्त को प्रधान मंत्री लाल कसल पर अपना अभिभाशण देती है और 26 जनवरी को राश्ट्रपति महोदय सलामी देते हैं। उन्होने इनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए दे ा को परतन्त्रता की जंजीरो से मुक्त रखे। स्पीकर साहब, आज अपने दे ा मे फिर से आसमान पर काले बादल मण्डरा रहे है। उनकी आत्माए स्वर्ग मे बैठी हुंई हमे निहार नही होगी कि उनके पिछे की पीढी उनके नक ो कदम पर चल कर क्या कर रही है। स्पीकर साहब, आज संकल्प करने का अवसर है। कि दे ा पूरी ताकत के साथ सामना करना चाहिए। दे ा की प्रभूसत्ता के लिए और दे ा की अखंडता के लिए जिन महानपुरूशो ने अपना बलिदान दिया हैं, उनके बलिदान को हम जाया न होने दे। अन्त मे मै सदन का ज्यादा समय न लेते हुए अपनी तरफ से ओर अपने दल की तरफ से इन महानपुरूशों के प्रति श्रंद्वांजलि अर्पित करता हूं।

हीरा नन्द आर्य (लोहारू): अध्यक्ष महोदय,

श्रद्वा के सुमन चढाऊ भातवार कर अभिन्नदन,

तेरे पावों का रजकरण–माथें का चन्दन।

अध्यक्ष महोदय, आज हम उनक महान पुरूशो को श्रद्वांजली केवल जुबान से और बातो से ही अर्पित करते है। ऐसा करके हम उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड कर रहे हैं। जिस प्रकार का आज का वातावरण बना हुआ है ओर जिस भावना के साथ विपरित बात चल रही है। स्पीकर साहब, मै समझता हूं कि आज चाहे पंजाब को, चाहे हरियाणा हो, दे ा को कोई भी हिस्सा हासे, अगर कोई व्यक्ति हिन्दू के नाम पर सिख की बात कहे औा सिख के नाम पर हिन्दू या मुसिलम की बात कहे तो वह व्यक्ति न सिंख है और न ही वह हिन्दू है। यदि सिख के नाम पर हिन्दू या हिन्दू के नाम पर सिख काम करते हैं और जिनके अन्दर दे ा भक्ति का नाम नही है तो ऐसे लोग हिन्दूस्तान की औलाद नही है बल्कि दे ाद्रोही है। यदि कोई व्यक्ति हिन्दू के नाम पर सिख को मारता है तो वह हिन्दू की औलाद नही और यदि कोई सिख के नाम पर हिन्दू को मारता है तो वह सिख की औलाद नही है। आईए आज हम प्रण करे कि जिस रास्ते पर भाहीद भक्त सिंह जैसे महापुरूश गए थे, उनके रास्ते पर चल कर उनका अनुसरण करें और जो गलत वातावरण फैला हुआ हैं। उसे ठीक करे। हम उनके रास्ते पर चल कर दे ा को बताए कि जिस आजादी के लिए उन्होने कुर्बानिया दी थी वह जात–पात या मजहब के नाम पर नही दी थी। जिस रास्ते पर चल कर उन्होने आपना बलिदान

किया था, उसको मै एक फूल की भावना के रूप मे व्यक्त करना चाहूंगा। स्पीकर साहब, कवि कहता हैः—

'' चाह नही, मै सुरबाला के गहने मे गुंथा जाऊ,

चाह नही, प्रेमी बाला में बिंध प्यारी को ललचाऊ,

चाह नही, सम्राटो के, भाव पर हे हरि डाला जाऊ,

चाह नही, देवों के सिर चढ़, भाग्य पर अपने इठलाऊ,

मुझे तोड़ लेना माली, उस पथ पर तू देना फेंक।

मातृ—भूमि पर भी ा चढाने, जिस पथ पर जाए वीर अनेक।''

अध्यक्ष महोदय, यह हंसने की बात नही हैं। ये हंस रहे हैं, हंसी उड़ाना उन महान पुरूशों का बहुत बड़ा तिरस्कार हैं। इससे बड़ी तिरस्कार की भावना और कोई हो नही सकती। अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है, इसका मै पुनः समर्थन करता हूं और इस महान आत्मा के प्रति अपना सिर झुकाता हूं।

श्री ओम प्रका ा महाजनः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै आदरणीय मुख्य मंत्री जी, का धन्यावाद करता हूं जिन्होने भाहीदे आजम सरदार भगज सिंह निमित सदन में श्रंद्वांजलि अर्पित

करने का प्रस्ताव रखा है। मेरी आपसे गुजारि ा हैं आप मुझे एक कविता के रूप मे उनको श्रद्वांजलि देने की इजाजत दें।

तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित,

चाहता हूं दे ा की धरती तुझे कुछ और भी दूं।

मां तुम्हारा ऋण बहुत हैं मै अंकिचन,

किन्तु इनता कर रहा फिर भी निवेदन,

थाल मे लाऊं सजा कर भाल जब मैं,

स्वीकार कर लेना दया कर यह सर्मपण,

गान अर्पित प्राण अर्पित, आयू का क्षण क्षण समर्पित,

चाहता हूं दे ा की धरती तुझे कुछ और भी दूं।

मांज दो तलवार अब लाओ न देरी,

बांध दो कस कर कमर पर ढाल मेरी,

भाल पर मल चरण की धूल थोंडी़,

भी ा पर आ ी ा की छाया घनेरी,

स्वपन अर्पित, प्र न अर्पित, नीड़ का तृण–तृण समर्पित।

चाहता हूं दे ा की धरती तुझे कुछ और भी दूं,

तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित।।

(तालियां)

अध्यक्ष महोदय, आज जिस महापुरूश को श्रद्वांजलि देने के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी, ने प्रस्ताव रखा है, इनके निमित मै अपना सिर झुकाता हूं। अध्यक्ष महोदय, इस महापुरूश के निमित, एक प्रार्थना सदन के अन्दर आपके माध्यम से जरूरप करना चाहता हूं। इस महापुरूश को सच्ची श्रंद्वाजलि तभी जाएगी, अगर सारे सदस्य गण जो सदन में बैठे हुए हैं, सही बात करें। सदन का एक एक सदस्य अढाई अढाई लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता हैं। जब एक सदस्य सदन मे बोल रहा हो तो वह एक व्यक्ति नही बल्कि अढाई लाख जनता बोल रही है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि उस महापुरूश को सच्ची श्रद्वाजलि तभी समझी जाएगी अगर सभी प्रोग्राम जो सदन मे पे ा किया जाता है, उसका हैल्दी क्रिटिसीजम हो। लोगों की आत्मपा तड़फती है जब बेकार की बाते सदन मे कही जाती हैं। हमारा मन दुखी होता हैं, जब हम किसी बहुत बढिया राजय की कल्पना करते हैं, तो हमी ओखों के सामने राम–राज्य घूम जाता हैं। परन्तु मर्यादा पुरूशोतम भगवान राम के राज्य मे भी किसी धोबी द्वारा राम की आलोचना हुई थी। आप कितना भी अच्छा काम करो, आलोचना तो होती ही है और आलोचना से सरकार को अपनी कमियों का पता चलता है। आलेाचना करना विरोधियों का हक भसी है, लेकिन विरोधियो का भी फर्ज बनता है कि जो भी क्रिटिसीजम करें, वह हैल्दी

क्रिटिसीजम हो ताकि उससे दे ा तथा प्रदे ा का हित हों। इनता कह कर मै उस राश्ट्र पुरूश को भात भात प्रणाम करता हूं, धन्यावाद।

श्रीमती करतार देंवी(कलानौर): माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के सामने सरदार भगत सिंह के भाहीदी दिवस पर श्रद्वांजलि देने का जो मुख्य मंत्री जी, जी ने प्रस्ताव रखा है, मै इसका समर्थन करती हूं। हमारा दे ा बहुत महान है। बहुत महान है इसकी परम्पराए जिनमे एक परम्परा यह भी है कि हम अपने नेताऔं की, अपने गुरूओ को भाहिदी दिनों के द्वारा याद करे। जब हम उनको याद करते हैं तो उनके जीनव की सदकृतिया एक कएक करके हमारे सामने आती है। आज के इस विस्फोटक वातावरण मे हिन्दू सिक्खों के नाम पर छोटे छोटे राजनीतिक उदे यो की पूर्ति के लिए हम अपने भाई का गला काटने के लिए उतारू हो गये है ओर यह भूल गये हैं कि जिन भाहीदों ने समान को जगाने के लिए कुर्बानिया और बलिदान दिए है। अपना सर्वस्व अपने देश की एकता और आजादी के लिए अपने सुनहरे स्वपन न्यौच्छावर कर दियें हैं, हम उनको भूल गये हैं। जब वे कुर्बानियां दे रहे थें तो उन्होने सोचा था कि जब हमारा दे ा आजाद होगा तो इसमे ऐसे समाज की स्थापना करेगें जिस मे किसी जरह के भाोशण को कोई स्थान नही होगा। स्पीकर साहब, आज के दिन हम उन भाहीदों को याद करैं। उनके प्रति सच्ची श्रद्वांजलि तभी दे सकते है अगर हम अपने कर्तव्य निि चत करे और यह समझे कि

उन लोगों ने एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी हमारे कन्धों पर सौंपी है और यह जिम्मेदारी यह आ ाा रख कर सौपी है कि जो हमारे उन नेताओं ने गुरूओं ने सुनहरी स्वपन लिये थें और जिन स्वपनों को पूरा करने के लिए बलिदान दिये थें, उनकों हम पूरा करें। उन स्वपना को पूरा करने के का दायित्व हमारा हे। आज के दिन उनके प्रमि सच्ची श्रंद्वाजलि यही होगी कि समाज मैं सद्भावना बनाये रखने के लिए हमे चाहे कितने ही स्वार्थो रखने के लिए हम3 चाहे कितने ही स्वार्थो की बलि देनी पडें, हम देगे और जन साधारण तक उनका सन्दे ा पहुंचायेगे कि मानव मे कोई भेद नही हैं। सबमें एकता रखने की बात है। हमने एक ऐसा सुन्दर समाज बनाने के लिए समाज में ऐसी व्यवस्था करनी है जिस मे हर आदमी के लिए एाक जैसे अवसर उपलब्श हो और आगे बढे। जाति पाति, धर्म का सवाल कही आता ही नही है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्वांजलि होगी कि हम उपने आपको उतरदायी समझें। अगर हमारे जीवन में इस बात के लिए कोई स्थान नही है कि हम उनके आद ार्ो को पूरा करने के लिए काम करें तो यह सब ढकोसला है। राजनिति हमारे लिए एक मि ान रहे, न कि अपने उदे यो की पूति के लिए एक धन्धा मात्र बनकर रह जायें। जिन महापुरूशेा के जीवन की ऐसी तस्वीर हो, जो जाति धर्म और राजनिति के ऊठकर हमारपे समाने आद ा रखे और दे ा के समाजवादी सपनो को पूरा करने के लिए बलिदान दिए हों, उनके लिए हम जितना भी बलिदान करें, थोड़ा हैं। हम उनके पदचिन्हों पर चलने का प्रयत्न करे, यही हमारी सच्ची श्रद्वांजलि हेागी।

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, हम आज के दिन उस दे ाभक्त को श्रद्वांजलि भेट करने जा रहे है जिसने दे ा की आजादी के लिए भरी जवानी मे खु ी खु ी फांसी के फंदे को चूमा था। स्पीकर साहब, वे फांसी से बच सकते थे लेकिन उनमें आजादी की भावना इतनी गहरी घर कर चुकी थी कि उन्होने फासी को गले लगाया। अग्रंजी सम्राज्य ने ने जिस दे ा को गुलामी की जंजीरो से जकड़ा हुआ था, उस दे ा को वे आजाद करवाना चाहते थे, किसी मजहब के लिए नही, किसी खास फिरके के लिए नही, किसी खास रिलिजन के लिए नही बल्कि सारे हिन्दूस्तान के लिए। सभी जानते हैं इस दे ा मे 200 किस्म के मजहब हैं औरप 4000 किस्म की बोलियो बोली जाती हैं। हम सब की तरफ से सबसे सच्ची श्रद्वांजलि यही होगी कि हम सब सच्चे हिन्दूसनी बनकर दिखाये। हमारा एक दे ा हैं, हम अपने दे ा की आजादी के लिए अपने खून का आखिरी कतरा न्यौछावर करने के लिए हर वक्त तैयार हैं। मै ज्यादा न कहता हुआ यही कहूंगा कि हिन्दूस्तान हमारा प्यारा दे ा है। इसमे सिवाये इन्सानियत के, दूसरा कोई मजहब नही है। एक भाायर ने कहा हैं:–

मजहब नही सिखाता आपस मे बैर रखना,

हिन्दी हम वतन के हिन्दूस्तान हमारा।

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, मै आपके रास्ते मे आना नही चाहता था, आप बोल लेते लेकिन आम तौर पर यही होता हें

कि जो ग्रुप के लीडर्ज हैं वही बोलते हैं और उन्ही को बोलना चाहिए। बोलना तो सारे ही चाहते हैं, लेकिन इसमे समया की बात आ जाती है। काफी समय हो गया है और हमार पास टाईम कम है।

आनरेबल मैंम्बर्ज जो प्रस्ताव लीडरप आफ दी हाउस ने रखा है और जिस पर जौ मैम्बर साहिबान बोले हैं, मेरे सैटीमैंटस भी उनके साथ ही है। आज खास कर ऐसा मौका है, ऐसा वातावरण आज के दिन बना हुआ है जिसकी खास अहमीयत है। जब हम गुरूओं के, भगवान के भक्तों के, महान नेताऔ के भाहीदी दिन मनाते हैं तो उसका खास मकसद यही होता है कि जो उन्होने किया हे, हम भी उनके नक ो कदम पर चलने की चेश्टा करें। कहां जानते थे भाहीदे आजम की उनकी कुर्बानी के बाद दे ा का यह हाल होगा। उन्होने कुर्बानी दी, यह न सोचते हुए कि वे कुर्बानी किसी सिख के लिए दे रहे है, किसी हिन्दू के लिए दे रहे हैं, किसी मुस्लमान के लिए दे रहे है या किसी ईसाई के लिए दे रहे है। उन्होने तो कुर्बानी भारत दे ा के लिए दी थी। आज जब हम उन्हे श्रद्वांजलि दे रहे है तो सबसे बड़ी बात जो हमे याद रखनी चाहिए, वह यह है कि उन्होने हमें दे ा की आजादी की लहर मे आगें किया। आज भारत के एक एक बच्चे का फर्ज बनता हैं कि उस आजादी को कायम रखने के लिए, दे ा की अखंडता को कायम रखने के लिए दे ा का मजबूत बनाने के लिए उस लहर के मुताबिक हम चलते रहें। आज का जो वातावरण

है, जिससे नफरत पैदा हो रही है, इसको दूर करने के लिए एक एक व्यक्ति का फर्ज बनता हैं कि उन द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलें। इन भाब्दों के साथ आपके साथ सहमति प्रकट करते हुए मे रिक्वैस्ट करता हूं कि दो मिन्ट के लिए खड़े होकर मौन धारण करे।

(इस समय भाहीदों के सम्मान मे सदन ने खड़े होकर 2 मिनट का मैान धारण किया।)

विभिन्न विशयो का उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरे पास जगाधरी के लोगों और वकील साहेबान का रात को टेलीफोन आया था.....

.

श्री अध्यक्ष्स : इस बारे मे मेरे पास काल अटैन्न ान मौ ान आया है और उसे मै कंसिडर कर रहा हूं।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, टोके के बारे मे भी मेरी एक काल अटैन्न ान मो ान थी, उसका क्या हुआ?

श्री अध्यक्ष : वह भी कंसिडर कर रहा हूं।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरा एक लोकायुक्त बिल भी है। उसे मैने 6 तारीख को भेजा था और 21 तारीख को मेरे पास इसका जवाब आया है कि उसमे कुछ फार्मेलिटिस की कमी रह गई है। इसके बारे मे जनाब मेरी अर्ज यह है कि यह तो

सैक्रेटरी का फर्ज बनता है कि बिल की ड्राफ्टिंग मे जो थोडी़ बहुत कमी रह गई है, उसे उसी वक्त प्वांयट आउट कर दे ताकि हम उसे उसी समय ठीक कर दें।

श्री अध्यक्षः वह हमने एल.आर. को भेजा था। एल.आर. उसमे कुछ कमिया बताई हैं। ज्यों ही चिटठी आई उसी वक्त हमने आपको उन कमियों को दूर करने के लिए पत्र भेज दिया था।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या उस बिल को इसी सै ान मे कंसिडर किया जाएगा? (विघ्न) कल मैने आपकों एक चिट्ठी भी भेजी हैं। उपयूक्त अथोरिटी से अगर कोई फोर्मल सैन्क ान वगैरा लेनी हो तो वह सैक्रेटरी भी ले सकता हैं। उसमे मेरी जरूरत नही हैं। मैने कानून कायदे देखकर आपको लिख्ाा हे। इसलिए मै इस बात का आ वासन चाहती हूं कि क्या उसे इसी सै ान मे कंसिडर करेगे?

श्री अध्यक्षः मै अभी थोडी़ देर मै चैम्बर मे जाउंगा। वहा आप आ जांए। सैक्रेटरी साहब को भी बुला लेगें और इस संबंध मे बातचीत कर लेगें।

श्रीमती चन्द्रावतीः ठीक है जी।

चौधरी ओम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र मे एक ही छोटा सक कस्बा है, बेरी। इसकी 20 हजार की आबादी हैं। इसमे बहुत घटिया किस्म का पानी स्प्लाई किया जाता है। वह

पानी खारा और कड़वा होता है। मै उसका नमूना भी लाया हूं। यह प ाुओं के पीने के काबिल भी नही है।

श्री अध्यक्षः मैने इस बारे मे विद इन 24 आवर्ज गवर्नमैंट के कमैंटस मांगे हे।

डा. भीम सिह दहियाः स्पीकर साहब, लोकायुक्त बिल की एडमि ान जो रिजैक्ट की गई हैं, मै उसके बारे मे कहना चाहता हूं। जो रिजैक् ान लैटर आया है इसमे लिखा है कि यह मनी बिल है और इसके लिए गवर्नर साहब की रिक्मैन्डै ान चाहिए मैने इस सम्बन्ध मे कौल एंड भाकधरे की पुस्तक प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर आफ पर्लियामैंट भी पढी है और अपने रूल्ज भी पढे हैं।

श्री अध्यक्षः आप चैम्बरप मे आ जाना। इसको री–कंसिडर कर लेगे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैने पिछले महीने 6 तारिख को एग्रीकल्चर लेबर के बारे मे नान औफि ियल–डे पर एक बिल मूव करने के लिए टेबल किया था। मै सैक्रेटरी साहब से बार–बार पूछता रहा कि मेरे बिल का क्या बना? ये फरमाते रहे कि अन्डर कंसिड्रै ान है। अब 21 तारीख को मुझे चिट्ठी मिली है कि साहब आपका मामला जो हैं वह चूंकि गवर्नमैंट की पालिसी से कंसिसटैंट नही है इसलिए हम इसे इडमिट करने मे मजबूर है। स्पीकर साहब, यह तो बहन जी वाली बात हो गई। अगर बात सैक्रिटैरिएट हमे फोर्टनाईट के अन्दर अन्दर कह दे कि साहब ऐसी

बात है तो हम अपनी और से कुद बात कह सकते हे। लेकिन अगर मंथ के फैग ऐण्ड मे और सै ान के मिडल मे यह बात आए तो हम अपने आप को बडा़ हैंडीकैप्ट समझते हैं।

श्री अध्यक्ष : डा. साहब मेरी और आपकी बात चैम्बर मे हो गई थी। भाायद दो सैक ान्ज उसमे नही थें।

श्री मंगल सैनः वह अलग बात हैं। आपने जो फरमाया था वह मैने समझ लिया था। मै तो अर्ज कर रहा हूं कि उसका जवाब मुझे 21 तारीख को मिला है। इसमे लिखा है कि चूंकि आलरेडी बिल है, इस लिए इस बिल को लाने की जरूरत नही है।

श्री अध्यक्ष : यह देखने के लिए कि कोई चीज ठीक है या नही हैं, लीगली क्म्पलीट हैं या नही हे, हमारे सैक्रेटरीएट का फंक ान है कि लीगल ऐक्सपर्टस की राय ले। हमारे लीगर ऐक्सपर्टस एल.आर. है। उनके पास इसे भेज दिया गया था। ज्योंप ही हमारे पास जवाब आया, हमने आपको इन्फार्म किया कि इसमे यह डैफि ाएन्सी हैं।

श्री मंगल सेनः मै मानता हूं कि ऐक्सपर्टस से पूछना होता है और पूछकर आपनपे ठीक ही किया लेकिन दुख की बात है कि department was sleeping over the matter for a full month. आपको उनको खीचना होगा। गवर्नमैंट ता इवेड करेगी, वह दाये बाये जाएगी ताकि कोई इनकंविनियंट बात हाऊस मे न हो।

श्री अध्यक्ष : डिपार्टमैंट न तो सोया रहा ओर न ही इसमे कोई इनऐफि ाएन्सी जाहिर की है। इन्होने ता अपना फर्ज पूरा किया है और तीन दफा लैटर लिखे हे।

श्री मंगल सैनः अगर प्रौम्पटली ऐक्ट किया होता ता हमे एतराज न होता। They have not proptly acted, Sir. So, I want to draw your kind attention towards this matter. डिले करने से तो सारा परपज डिफीत हो जाता हैं।

श्री अध्यक्षः ठीक है, अब आप बैठें।

चौधरी रो ान लाल आर्यः स्पीकर साहब, एक बहुत गम्भीर सम्सरूा की ओर मै सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। धीरेन्द्र ब्रह्मचारी गुड़गाव में कोई नगर बसाने जा रहे हैं और उसमे वे ट्रांसमीटर भी लगा रहे हैं।

श्री अध्यक्षः क्या आपने इसका नोअिस दिया हैं?

चौधरी रो ान लाल आर्यः यह बात अखबार मे आज ही आई हैं।

श्री अध्यक्षः आप इसका नोटिस दे सकते थे।(विघ्न) आप लिखकर भेज दीजिए।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, फरीदाबाद जिला में बडी़ इल्लीगल बात हो रही हैं। वहां पर किसी बड़े आदमी को

सांझेदारी से हरियाणा को 25–30 लाख रूपये का रोज नुकसान हो रहा है।

श्री अध्यक्षः वह मै कंसिडझर कर रहा हूं।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैने एक काल एटैन्‍ ान मो ान दिया था। कि हरियाणा मे करोड़ो रूपयो ककी क्स्टोडियन जमीन को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त लोग नाजायज ढंग से खरीदते है और बाद मे उसे ज्यादा दाम पर बेचते है। इस तरह करोड़ो रूपये कमा रहे है।

श्री अध्यक्षः वह मैने डिस्अलाऊ कर दिया है तथा आपको इनफर्मे ान जा चुकी हैं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण––

मुख्यमंत्री द्वारा

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, चूंकि सभी स्दस्य बौल रहे है। इसलिए मै भी दो मिनट लेना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब मै कल हाउस मे नही था, एक दो कही गई और मैने आज एक दो पेपर्ज मे भी पढा है। उन बातों को मै हाउस की कार्यवाही से भी निकलवाना चाहता हूं। कल कम्बोज जी ने बोलते हूए कहां और एक दो पेपर्ज मे भी छपा है कि भजन लाल के रि तेदारो ने जमीन हडप कर ली। मैने पिछले सै ान मे इसी जगह से खड़ै होकर कहा था कि अगर मेरे भाई या किसी

रि तेदार के नाम, एक इंच भी जमीन बता दे तो मै हाउस से इसतीफा देने के लिए तैयार हूं।(विघ्न) दूसरी बात का अध्यक्ष महोदय, इन्होन जिक्र किया कि कोई ि ावनारायण बि नाई जो अबूब ाहर का रहने वाला हैं, उसने काफी जमीन ली और बेची है। मैने कल रात और आज सुबह सारी बातो का पता करवाया कि यह क्या मामला है? स्पीकर साहब, अगर दस पीढी दूर का भी मेरा कोई रि तेदार इस मामले मे भाामिल हो, तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। फिर भी मैने असलियत का पता करवाया। कोई जने वर गांव हे। वहा उन्होने जमीन ली है। मै आज सारा रिकार्ड ले कर आया हूं। ि ाव नारायण बि नोई जने वरप गांव मे ली थी। जमीन का मुख्तयार हैं। दो आदमी श्री जोगेंन्द्र सिंह और हरनाम सिंह, जो पाकिस्तान से उजड़ कर हिन्दूस्तान आए थे, उनका मुख्तयार नामा लिया हुआ हे। इन दोनों को कुल 12 स्टैन्डर्ड एकड़प जमीन हैं। वह जमीन इन लोगों का क्लेम के बदले मे मिली हैै यानि वे उस जमीन के अलाटी है। उन का मुख्तयारनामा इसने लिया हुआ हे। अगर कोई व्यक्ति किसी का क्लेम ले ले तो मै क्या कर सकता हूं? अगर भजन लाल का रि तेदार भी ले ले तो उसक मे क्या कोई पाप कर दिया है? अभी तक कोई जमीन नही ली है और न की कोई लेने का सवाल हैं। यह एक बेसलैस और बेबुनियाद बात है। स्पीकर साहब, हाउस मे लिखा हुआ है कि अगर कोई बोले तो सच बोले वरना न बोले। इन्होने बहुत गलत बात कहने की कोि ा ा की हैं। आप जानते है कि जो लोग पाकिस्तान छोड़ कर आए थे, जो पुरूशार्थी थें,

डनहे सब से पहले यह जमीन अलाट की गई हैं। यह गवर्नमैंट आफ इन्डिया का एक्ट है, हरियाणा का नही हैं, उसके तहत जमीने अलाट की गई है। जिन लोगों के पास क्लेम है उन्ही का ही अलाट की गई है। अगर उस ने जमीन ले ली है तो इसमे क्या गुनाह है? इन्होने मेरे भाई का नाम लेकर हाउस मे कह दिया कि मेरे भाई के नाम जमीन है। अगर मेरे भाई के नाम जमीन इस गांव मे हो तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

प्रो. सम्पत सिंहः अभी मुख्य मंत्री जी, ने कहा कि अगर मेरे भाई के नाम जमीन हो तो मै इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। मैने दो लाईना मे कहा है कि उन लोगो का राजनैतिक सरक्षण प्राप्त हे। इन के अपने खुद के मोहम्मदपुर रोई गांव में, कुछ लोगों ने फर्जी तौर पर जमीन अलाट करवा ली है और उसी ि ाव नारायण बि नाई ने खरीदी हैं। इस ढंग से उस ने करोड़ो रूपया कमाया है। दस हजार एकड़ जमीन खरीदी है।

चौधरी भजन लालः 12 स्टैन्डर्ड एकड़ जमीन का मुख्तयार नामा है और आप कह रहे है कि करोड़ो रूपया कमाया है। क्या सारे दे ा की जमीन ले ली? अगर उसने मुख्तयारनामा ले लिया तो क्या गुनाह कर दिया? यह बेबुनियाद बात है।

श्री अध्यक्षः मिस्टर सम्पत सिंह, बाकी मैम्बरान के विशय मे मैं क्या कह सकता हूं। लेकिन आप तो प्रोफैसर है और इन्टैलीजैन्ट भी है। मै आप को क्या बताऊ? जब एक बात के

मुताल्लिक मुख्यमंत्री की तरफ से स्टेटमैंट आ गई, फिर आप बार–बार उसी बात को क्यो उठा रहे हैं? कभी आप डाक्टर साहब से, कभी श्री वीरेन्द्र सिंह जी से म वरा कर के बात को बार बार उठा रहे है। अगर सी.एम. साहब की बात गलत हैं तो आप सब–स्टान्टिव मो ान ला सकते है। इस तरह आप बार बार खड़ा होना गलत हें।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरी काल अटैन ान मो ान हैं। मैने यह कहा है कि कुछ लोगो को राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है जिस के कारण वे लाखों रूपया कमा रहे हे। दूसरे, मैने इनके गावं की जो जमीन हैं, उसका भी जिक्र किया है।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। मै इस बात को ठीक नही समझता। अब आप बैठिए। जब मैने रूलिंग दे दी तो भी आप बार–बार चैलेन्ज क्यों करते हो? आपको समझ होनी चाहिए। आप बिना किसी तौर तरीकें के बार–बार बात कर रहे हो। यह ठीक नही हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आप नाराज न हों। थोड़ी सी लिबर्टी मिलनी चाहिए क्योंकि एक ता वे जवान है और दूसरे प्रोफैसर भी है।

श्री अध्यक्षः चौधरी वीरेन्द्र सिंह, कम से कम आपके मुख से ऐसी बात नही आनी चाहिए

श्री वीरेन्द्र सिंहः इतनी तो लिबर्टी वैसे ही दे देनी चाहिए। एक तो वे प्रोफेसर और प्रोफैसर आइडियलिस्ट भी होते हैं, देसरे जवान भी है, इसलिए इन्हे इतना तो कंसै ान मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः अनपढ को कंसै ान मिलना चाहिए। लेकिन यह तो पढे लिखे हैं और प्रोफेसर भी हैं। इनके बारे मे मै ये भाब्द नही कहना चाहता था लेकिन आप मुझे मजबूर कर रहे है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आप ने उन का मो ान डिस अलाऊ कर दिया है। वह सब स्टांटिव मौ ान था। इस पर मुख्य मंत्री जी ने एक स्पीच दे दी। अपनी स्पीच के दोरान मुख्य मंत्री जी, ने कुछ बाते एक्सपंज करने के बारे मे भी कहा। इस प्वायंट पर एक्सप्लेने ान देने के लिए वे चाहे कल खड़े होते चाहे आज खड़े होते लेकिन बाकायदा तोर पर एक्सप्लेने ान देने के लिए टाइम लेते। मैम्बर साहब का जो काल अटैं ान नोटिस था। उसी सब्जैक्ट पर मुख्य मंत्री जी, ने सफाई दे दी ओर जिस मैम्बर ने काल अटैन्ा ान नोटिस मूव किया था उसे बोलने का मौका नही मिल रहा। ऐसी हालत मे वह क्या करे? ये एग्जोनरैट इसलिए हो रहे है क्योकि मैम्बर को कहने का मौका नही मिलता। आपने इस काल अटैन्ा ान नोटिस का डिसअलाउ भी कर दिया।

श्री अध्यक्षः जिस वक्त मिन्स्टर कम्बोज बोल रहे थे उस वक्त मिस्टर रो ान लाल आर्य चेयरमैन थें। आप लोगों की बाते चैम्बर मे मै सुन रहा था कि हम मौा नही देते। आज मौका मिल रहा हैं, बहुत बढिया हाउस चल रहा हैं। मै ये सारी बाते आप लोागें की सुन रहा था। जिस ढंग से करेक्टर असैसिने ान की बात कम्बोज साहब कर रहे थें, वह ठीक नही था। उस वक्त सी.एम. साहब ने मुझे कहा कि आप देख लीजिए कि ये क्या क्या बाते कह रहे है? सी.एम. साहब कहने लगे जब मैने पिछली दफा हाउस मे खडे होकर कहा था ओर आज भी मै उसी स्टैन्ड पर कायम हूं तो आप आप ऐसी बाते क्यो कहने देते हौं? मैने उसी वक्त सी.एम. साहब को कहा कि आर्य साहब चेयरमैंन है, वह अपने ढंग से डील कर रहे है, अपने तरीके से हाउस चला रहे है। इसलिए कल आप अपनी एक्सप्लेने ान दे सकते है इसलिए उन्होने कल जो बात की थी उस की एक्प्लेने ान सी.एम. साहब का दी हैं।

वीरेन्द्र सिंहः हमे इस बात का पता नीह था, आप के कमरे मे बात हुई होगी।

श्री अध्यक्षः दूसरी बात यह है कि मैने सम्पत सिंह जी को कह दिया था कि यह काल अटैन् ान मो ान नही बनता, यह डे टू डे वर्किंग का मामला है। अरजैन्सी की बात नही है। क्लियर कट लिख कर भेजा है। कि आप इन इन ग्राउन्डज पर रिजैक्ट की है। मेरी रूलिंग चाहे गलत हो, चाहे मैने गलत आर्डर किए हो,

लेकिन किसी मैम्बर को कोई राईट नही है कि वह रूलिग को चैलेन्ज करे और बार बार बात करने की और क्रिटिसाइज की जरूरत नही। मिनिस्टर सम्पत सिंह जी, मै आप की फिर कह रहा हूं कि आप का ऐटीच्यूड ठीक नही है।(विघ्न) जहां तक नौजवान की बात है, वह तो सारे ही होगे। कोई किसी से कम नही है लेकिन नौजवान का मतलब यह नही हे कि यह डिस्टर्बैन्स क्रिएट करें। मै इस बात की इजाजत नही दूंगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर, मेरा सुझाव है कि जो जमीन ली गई हैं इस की इन्कवायरी हो जाए। इस से सारी बाते ठीक हो जाऐगी और मुख्य मंत्री जी, की पोजी ान भी साफ हो जाएगी।

चौधरी भजन लालः मैने तो इस्तीफा के लिए चैलेन्ज कर रखा है। आप रिकार्ड से दिखाइये। आप लिख कर दे दिजिए और मै भी दे दूंगा। आप अपने हलफिया ब्यान दिजिए। अपने आप ही सारी बात क्लीयर हो जाएगी। आप लोगो के पास रिकार्ड हजार होगे, लेकिन भजन लाल या भजन लाल के भाई के खिलाफ कोई भी बात हो तो इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

Sh. Magal Sein: On a point of order, Sir.

Sir, I draw you attention to proviso to Rule 63 of our Assemble Rules, Which reads as under:-

"Provided that such explanation, if permitted, shall be made at the earliest possibe opportunity before the

business for teh day is entered upon, and shall be limited to the circumstances which ar the subject of the explanation"

स्पीकर साहब, कल मेरे मित्र श्री कम्बोज जी कोई बात कह हरे थे और इस समय श्री रो ान लाल आर्य सभापति थे। सी. एम.साहब के बारे मे अगर कल कोई बात थी तो वे कल ही बड़े भाोक से आ कर जवाब दे सकते थे लेकिन वे कह नही सके और आज आप ने उन्हे परमिट कर दिया। स्पीकर साहब, वैसे तो यह बड़ी अनप्लैजैन्ट बात चल रही है। जब एक मैम्बर बड़े मैम्बर स्पश्ट भाब्दों मे कह रहा है कि मेरे पास डाकुमैंटरी प्रुफस है, ऐवींडेन्सिज हैं और दूसरी तरफ से सी.एम.साहब कह रहे है कि बिल्कूल गलत बात है , यह दोनो तरफ से स्थिति साफ होनी चाहिए। मेरी प्रपोजल है कि आपकी अध्यक्षता मे हाउस की एक कमेटी बना दी जाए ओर इन्कवायरी हो जाए तो सारी बात स्पश्ट हो जाएगी कि कौन ठीक है, कौन गलत हैं।

श्री हीरा नन्द आर्य : मुख्य मंत्री जी, ने कहा कि सारी बाते गलत हे जब कि दूसरी तरफ एक माननीय सदस्य के पास डाकुमैंटरी प्रुफस हैं। क्यो न एक हाई कोर्ट का जज अप्वायंट कर दिया जाए जो सारी बातों की इन्कवायरी करे? इससे सार स्थिती स्पश्ट हो जाएगी।

चौधरी भजन लालः मै स्पीकर साहब, को जज अप्वायंट करता हूं। वे डाकूमैंट देख ले अगर इन मे मेरा या मेरे भाई का

ना हो ओर मेरा कोई गुनाह मिल जाए तो मै आज ही इस्तीफा दे दूंगा।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः स्पीकर साहब, इनके भाई उनके साथ घूमते रहे है।

चौधरी भजन लालः घूमना कोई गुनाह नही हैं।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मैने रूल 84 के तहत एक मो ान का नोटिस दिया था। एक्साईज और सेल्ज टैक्स मे करोड़ो रूपए का फ्राड और इवेजन हो रहा है। मैने यह कहा है कि जो ओडिटर एण्ड कम्पट्रोलर जनरल आफ इंडिया की 1982–83 की रिपोर्ट आई हैं, उसको इस हाउस मे डिसक्स किया जाए। मेरी उस मो ान का क्या किया हैं? (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभी मैने उसको रिजैक्ट नही किया है। डाक्टर साहब तो पी.ए.सी. के मैम्बर रहे हैं। आप को तो पता ही है कि यह रिपोर्ट पी.ए.सी. एग्जामिन करती हैं। यह रिपोर्ट इस हाउस मे डिस्कस नही होती।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः लेकिन मै तो पी.ए.सी. कस मैम्बर नही हूं।

श्री अध्यक्ष : वह रिपोर्ट हाउस मे डिस्कस नही होती। पी.ए.सी. उस रिपोर्ट का ऐग्जामिन करती हैं।

चौधरी कुलबरी सिंह मलिकः रूल 84 मे इस बात का जिक्र नही है।

श्री अध्यक्षः आप मेरे चैम्ब्र मे आ जाना। मे आप की पूरी तस्सली करा दूंगा।

चौधरी औम प्रका ाः स्पीकर साहब, मै यह बोतल भी लेकर आया था और मैने काल अटैं ान मौ ान भी दिया था। अगर इसको टैस्ट करवा लेते तो पता चल जाता।

श्री अध्यक्षः इस पर एक दफा बात हो चुकी है, आप बैठ जाइए।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, मेरा भी एक काल अटैं ान मो ान था। हरियाणा सरकार के हर विभाग के अन्दर डेली वेजिज पर रखें गए आदमियों का 14 रूपए डेली दिए जाते है जबकि वन विभाग के अन्दर 9 रूपए 25 पैसे दिए जाते हे। उसका क्या किया हैं?

श्री अध्यक्षः मै उसको कंसीडर कर रहा हूं।

वर्श 1984–84 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरराम्भ)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब वर्श 1984–85 के बजट पर डिस्क ान रिज्यूम की जाएगी। कल, जब हाउस एडजर्न हुआ था तो श्री भले राम जी बोल रहे थें, वे अपनी स्पीच रिजयूम करें।

श्री भले राम(बडो़दा–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, कल जब हाउस खत्म हुआ तो मै यह कह रहा था कि हरिजनों के उत्थान के लिए हरियाणा सरकार ने कई स्कीमे बनाई हुई है। सरकार यह चाहती है कि हरिजन आर्थिक और भौक्षणिक तौर पर ऊंचे उठे। मै यह बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने हरिजन बच्चों की पढाई के लिए काफी अच्छे प्रबन्ध किए हैं। पहल से प्राइमरी तक 1 लाख 20 हजार बच्चे हैं। इसी तरह से छठी से दसवी तक 50 हजार बच्चे है। हमारी सरकार ने उनके लिए स्टे ानरी पर खर्च करने के लिए पहली से पांचवी तक के बच्चों के लिए 5 रूपए प्रति बच्चा के हिसाब से 6 लाख रूपए रखे है और छठी से दसवी तक के बच्चो के लिए 10 लाख रूपए रखे हे। इसके अलावा जो हरिजन लड़किया स्कूलों मे पहली से लेकर 8वी तक पढती हैं, सरकार उनकी मदद भी कर रही है ताकि वह दूसरी लड़कियो के साथ बैठते समय यह महसूस न करे कि उनके पास अच्छे कपड़े नही हैं। सरकार ने उनके लिए वर्दी देने का भी प्रबन्ध किया हे। सरकार ने 14 हजार लडकियां के साथ बैठते 7 लाख रूपए खर्च करने का प्रावाधान किया हैं। इसके अलावा, इनके लिए एक स्पै ाल कम्पोनैंअ स्कीम भी बनाई गई है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)। मैने कल भी इस स्कीम का थोड़ा सा जिक्र किया था। यह स्कीम हरिजनों के लिए चालू की गई है। इस स्कीम मे 31.8 लाख रूपया रखा गया हैं। इससे 61 हजार हरिजन फैमिलीज को फायदा पहुंचेगा। इसके अलावा, भारतज सरकार की तरफ से भी 2 करोड़ 54 लाख रूपये स्पै ाल

असिस्टैस के तौर पर हरिजनों को मदद देने के लिए रखा गया है। इससे यह जाहिर होता है कि हमारी सरकार हरिजनों की कितनी मदद कर रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा हरिजन कल्याण निगम की पूंजी जो पहले 5 करोड़ रूपए थी, अब बढाकर 10 करोड़ रूपए की दी गई है। सरकार ने पिछले साल 10 हजार हरिजन फैमिलीज को विभिन्न स्कीमों के लिए कर्जा दिया था जबकि एप्लीके ान हमारे पास 13,000 आयी थी। हम इस बात को मानते हैं कि 3,000 ऐप्लीके ान बैको मे पडी रह गयी थी। बैंको का प्रोसीजर इनता लैंथी है कि इतनी एप्लीके ान्ज रह जाना स्वाभाविक ही था। स्पीकर साहब, आज तक हरिजन क्लयाण निगम ने हरिजनों को जो पैसा दिया है, उससे साढे इक्कतीस हजार फैमिलीज को कर्जा दिया गया हैं और साढे पांच करोड़ रूपया बांटा गया है। इसके अलावा और भी ऐसी स्कीमे है जो हरिजनो के लिए चलाई गई है। जो हरिजन बच्चे दसवी पास कर लेते है, उनका फरदर ट्रेनिंग भी देते है। उनके लिए कोचिंग सैंटरप भी खोले गए हे, जैसे कि अम्बाला मे हैं। वहा पर जो हरिजन बच्चे दाखिला लेते है उनका फ्री कोचिंग के अलावा 125 रूपया महीना वजीफा भी दिया जाता है। वे स्टैनोग्राफी की ट्रैनिंग भी लेते है। यहां पर मुख्तलिफ किस्म के कोर्स उनके लिए खोले गए है। ताकि वे अपना मकान बना सके। मै इस बारे मे अपनी सरकार से यह कहना चाहूंगा कि इस मंहगाई के जमाने मे 2 हजार रूपए से काम नही चलता हैं। सो ाल वैल्फेयर डिपार्टमैंट जो ग्रांट देता है, उसका बढा कर कम से कम 5000 रूपया कर

दिया जाना चाहिए। इसके अलावा हाउसिंग बोर्ड द्वारा भी हरिजनों के लिए मकान बनाने की स्कीमे है। हाउसिंग बोर्ड ने स्कीम बनाई है कि वह 65 फीसदी हरिजनो का मकान बनाकर देगा। इससे साफ जाहिर होता हैं कि हमारी यह सरकार गरीब हरिजनो का ऊपर उठाना चाहती हैं। इसके साथ ही मै यह कहना चाहता हू कि यह 20 प्वायंट प्रोग्राम जा राश्ट्र की नीति है और प्रोग्राम हैं, इनकी इम्पलीमैंटे ान ठीक तरीके से होनी चाहिए। यह जो कम्पोनैंट स्कीम है या जो दूसरी स्कीमें बनती है, गरीबों के लिए या हरिजनों के लिए मै यह कहने मे गुरज नही करूगां कि सरकार की नीयत तो ठीक हैं, लेकिन जो ब्यूराक्रेट्स है, वे उन स्कीम्ज की इम्पलीमैंटे ान ठीक नही करते। अगर वे ठीक तरीके से उनकी इम्पलीमैंटै ान करे तो भाायद हमें इतनी दिक्कत न हों। सही मायनाक मे यहां पर बैठे हुए जो ब्यूरोक्रेट लोग है, वे यह नी चाहते कि हरिजन आगे बढे। मेरी इसलिए इस बारे मे यह गुजारिश है कि हर महकमे से स्पे ाल कम्पोनैंट स्कीम की इ इम्पलीमैंटै ान को चैक करने के लिए एक कमेटी बनायी जाए जो हर महीने यह देखें कि उस महकमे ने कितनी प्रोग्रेस इस मामले मे की है। इस बारे मे टार्गेटस फिक्स होने चाहिए ताकि यह पता चल सके कि कितना फायदा हरिजनो को हुआ हैं और अभी कितना होना बाकी हैं।

इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै फ्ल्ड का भी जिक्र करना चाहूंगा। पिछले साल प्रदे ा मे काफी फ्लड आए।

इस सरकार ने लोगो की जितनी मदद की, भाायद आज तक किसी दूसरी सरकार ने नही की होगी। फ्लउजदा इलाको मे फौरी तौर पर स्टेट के मंत्री भी गए और हमारे मुख्यमंत्री भी गए। मेरे इलाके मे एक कथूरा गांव है, वहा पर पानी खड़े होकर खुद सी.एम.साहब ने फ्लड देखा। आई.पी.एम.साहब और बहिन प्रसन्नी देवी भी फ्लडजदा इलाको मे गयी और सरकार ने लोगो की खूब मद्द की। हरियाणा सरकार ने फ्लड के दिनो मे लोगों की पूरी मदद की है और अब सरकार पका नि ाना यह है कि फ्लड की बीमारी की रोकथाम हमे ाा के लिए की जाए। इसके लिए हरियाणा सरकार ने 138 करोड़ रूपए का मास्टर प्लान तैयार किया है। इस साल फ्लड की रोकथाम के उपाय करने के लिए 17 करोड़ 30 लाख रूपएप रखे गए हैं। सरकार समय रहते बरसात के पानी का प्रबन्ध करना चाहती हैं। इसके लिए मै यह कहना चाहता हूं कि जो पुरानी ड्रैन्ज बनी हूंई हैं, उनकी कैपेसिटी पहले कम थी क्योकि वह बहुत समय पहले बनी थी, अब उनकी कैपेसिंटी बढाई जाए। मेरा कहना यह है कि इन ड्रैन्ज के लिंक्स बनाकर बाकायदा इनकी कैपेसिटी बढाई जानी जरूरी है। बड़ोदा मे कुछ माईनर्ज ऐसी हैं जिनकी कैपेसिटी बढाई जानी जरूरी है। बड़ोदा हल्के मे एक ईसापुर खेडी़ ड्रेन्ज है और दूसरी छपरा ड्रेन हैं। यह ड्रैन सारे इलाके को तबाह करती हे। मै सरकार से यह निवदेन करूंगा कि इन ड्रैनों पर काम इस बरसात से पहले पहले पूरा किया जाना चाहिए।

इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै एनिमल हस्बैंडरी के बारे मे जिक्र करना चाहता हूं। आप जानते हैं कि किसान का असली धन प ुधन होता हैं उसकी रखवाली करना सरकार की जिम्मेदारी है। एनिमल हस्बैंडरी के लिए सरकार ने बजट मे 3.08 करोड़ रूपया रखा है। ताकि कुछ और डिस्पैंन्सरी खोली जा सके और जो पच्चीस के करीब पहले डिस्पैन्सरी देहात मे खोली जाए ताकि किसान ने प ुधन की रक्षा की जा सके। हमारे जो भाई अनएम्पलाएड है, जिनके नाम एम्पलाएमैंट ऐक्सचेजिज मे दर्ज है उनके लिए सरकार ने एक स्कीम तैयार की हैं और इस स्कीम के तहत सरकार एक हजार मिनी डेरीज खोलगी और इसक लिए 1.05 करोड़ रूपया रखा गया है। पिछले दिनो एक सवाल के जवाब मे बताया गया था कि चार लाख लड़को के नाम ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचेजिज मे दर्ज है। इस स्कीम से बेरोजगार लोगो को रोजगार मिलगो और बेकारी की समस्या हल होगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै रोडज के बारे मे कहना चाहता हूं। हरियाणा सबसे पहला प्रान्त है जिसमे हर गांव सडक से जुडा हुआ है। सरकार ने इस काम के लिए साढे बारह करोड़ रूपया रखा हैं और सरकार दो सौ किलोमीटर सड़क बनाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, बहुत सी जगह ऐसी है जहां पर बस नही जाती, तांगे नही जाते और टैम्पो भी नही जाते। मेरा सुझाव है कि जो हमारे लडके बेकार है घर बैठे है उनको मिनी बसिज के लाईसैंस

दिए जाए ताकि उनको रोजगार मिल सके। हमारी सरकार ने फैसला किया हैं कि सौ ट्रको के ने ानल परमिट दिए जाएगें, सौ टैक्सियोंके परमिट दिए जाएगें और सौ पैट्रोल पम्पस के परमिट दिए जाएगें। सरकार ने यह भी फैसला किय है कि आगे आने वाल सालों मे हरिजन क्लयाण निगम हरिजनों को ट्रक परमिट देगी और हरिजनों को ट्रक खरीदने के लिए कर्जा देगी। ये परमिट हरिजनो को दिए जाए ताकि हरिजनों की गरीबी दूर हो सके।

श्री उपाध्यक्षः आप जल्दी खत्म करे। आपने कल भी टाईम लिया था।

श्री भले रामः उपाध्यक्ष महोदय, अब मै ट्रांसपोर्ट का जिक्र करूंगा। ट्रांसपोर्ट की अच्छी हालत है। तेईस सौ के करीब बसे हमारे हरियाणा में है लेकिन बहुत सी बसे ऐसी है जिनकी हातल अच्छी नही है, इस बात से इन्कार नही किया जा सकता। उनमे भी ो और खिडकिया टूटी हूई है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जो इस प्रकार की बसिज है उनकी मुरममत करवाई जाये और अच्छी कंडी ान की बसे चलाई जायें। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछली बार सरकार ने हमारे यहां तीन प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोले थे और तेरह डिस्पैन्स्रीज को सबसिडियरी हैल्थ सैन्टर्ज मे बदला था। सरकार चाहती है कि लोगों का ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य की सुविधाए मिले। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार का यह फैसला है कि जिस ब्लाक मे प्राइमरी हैल्थ सैन्टर नही है वहां इ स प्रकार का

सैन्टर बनाएगी। मेरी कांस्टीच्यूऐंसी मे एक कथूरा ब्लाक है वहा पी.एच.सी. नही है। गाव वालों ने पैसा जमा करवा दिया हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि जहां पर फलउ आता तै वहां कम से कम टाप प्रायरिटी देकर पी.एच.सी. खोलनी चाहिए। उपाध्यक्ष महादेय, अब मै वाटर स्पलाई के बारे मे कहना चाहता हू। जिस तरह से स्वास्थय के लिए हवा जरूरी है उसी प्रकार पानी भी जरूरी है और सरकार चाहती हे कि लोगो का स्वास्थय ठीक रहे और उनको पीने के लिए मीठा पानी मिल। सरकार ने 677 वाटर सप्लाई स्कीम बनाने का फैसला किया हैं। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वाटर स्पलाई स्कीम बनाने लिए प्रैफरैंस उन जगहो को देनी चाहिए जहां पर फलड आते है और पान खारा है। हालत यह है कि हमारी बहने और बेटिया दो दो किलामीटर से पानी लाती है। वहा पर नहरे और टयूब्वैल कामयाब नही है।। कथूरा गाव बहुत बड़ा गावं है वहा पर वाटर सप्लाई की स्कीम जल्दी भाुरू की जानी चाहिए। आखिर मे मै एक बात और कहना चाहता हूं कि यह बजट किसान का बजट है। किसान की कठिनाईयो का किसान ही जान सकता है और कोई नही जान सकता। इन भाब्दो के साथ मै वित्त मंत्री का धन्यावाद करता हूं कि उन्होने इतना अच्छा बजट पे ा किया हैं।

चौधरी हूक्म सिंह फोगाट(दादरी): उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री ने 1984–85 का जो बजट पे ा किया हैं, उसक बारे मे रूलिग पार्टी के भाई कहते हैं कि इस बजट मे कोई टैक्स नही

लगा हैं। यह टैक्सलेस बजट हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चुनाव का साल हे। इसलिए इस बजट मे यह सरकार टैक्स कैसे लगाती क्योकि इन्होने वोट लेने है। अभी चौधरी भले राम जी कह रहे थै कि यह बजट किसान और मजदूर का बजट है। उपाध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हूं कि इस बजट मे किसान मजदूर और हरिजन को कोई राहत नही दी गई है। यह बजट तो उनके विरूद्व है। वित्त मंत्री जी कहते हे। कि अर्थ व्यवस्था मे बड़ी उल्लेखनीय उन्निती हुई हैं। हरियाणा प्रान्त कृशि प्रधान प्रान्त है। लेकिन यहा पर किसान की बहुत बुरी हालत है। आज किसान को बिजली नही मिल रही हैं, किसान को पानी नही मिल रहा है, किसान को खाद ठीक प्रकार की नही मिल नही है और किसान को ठीक बीज भी नही मिल रहा हैं, किसान को खाद ठीक प्रकार की नही मिल रही और किसान का ठीक बीज भी नही मिल रहा हैं। आज किसान की इतनी बुरी हालत हैं कि ब्यान नही की जा सकती। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारा भिवानी डिस्ट्रिक्ट ट्यूबवैल का एरिया है। कागजों मे बिजली बोर्ड दस घंटे बिजल दे रहा है लेकिन वास्तव मे मु कल से किसान को आठ घंटे बिजली मिलती है। मै दिसम्बर और जनवरी की बात कर रहा हूं। जब सर्दी कड़ाके की पड़ रही थी। किसान का राम के बारह बजे बिजली मिलती थी और वही भी तीन चार घंट। दूसरे दिन जब किसान बारह बजे अपने खेत मे जाता था तो उसको पता लगता था कि बिजली का दस बजे आई थी और चली भी गई। बिजली देने का कोई टाईम फिक्स नही है। बेचारा किसान कड़कती सर्दी मे खेतों मे मारा मारा फिर रहा

होता था और बिजली कभी बारह बजे, तो कभी दो बजे रात को आती थी। इ स तरह की हालत किसान की कर रखी है। बिजली इनके पास है नही और कहते है कि हम किसान को दस घंटे बिजली दे रहे हैं और खाधान की पैदावार बहुत बढ गई है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछली बार सरकार ने किसानो को खरीफ की फसल मे भांकर बाजरे का बीज दिया। वह बीज बहुत खराब और घटिया किस्म का था। उसमे बिमारी लग गई क्योकि वह एन. एस. सी से नही खरीदा गया था। किसी प्राइवेट एजेन्सी से खरीदा गया था। खाद ले लीजिए वह भी मिलावटी हैं। दवाए ले लिजिए वह भी मिलावटी हैं। पता नही उनके सैम्पलज भी भरे जाते है या नही। अगर भरे जाते होगे तो करनाल लेबोरेटरी से पास करवा लेते होगे। आज किसान बुरी तरह से मर रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, लोहरू कैनाल सिर्फ बरसात मे चलती हैं। वहां पर कुछ टैम्पारेरी मौघे बन्द करवा दिए। वह इलाका बरानी इलाका हैं। जब भगवान वारि ा नही करता तो किसान उन मोघो से पानी ले लेता है, सिंचाई कर लेता है। और बाजरे, ज्वार और ग्वार की फसल पेदा कर लेता था। लेकिन चौधरी भजन लाल ने वे मौघे बन्द करवा दिए और पानी बाढड की तरफ डाईर्वट कर दिया जिससे कि पानी इधर बन्द हो गया। बरसात के मौसम मे जब बरसाती पानी चलता तो भिवान के एरिया का मिल जाता था और हमारी ज्वार, ग्वार और बाजरा की बरानी फसले हो जाती थी। लेकिन अब सरकार की निगाही कुछ ऐसी हैं कि इसने लोहारू कैनाल के वे टैम्पारेरी मौघे सब बन्द कर दिए हैं। यह किसानो के

साथ अत्याचार है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक और बात कहना चाहता हू कि एक ही पानी के लिए जो आबियाना हम से लियश जाता हैं वह बहुत भारी है। गेहू की फसल के लिए चार पांच पानी चाहिए लकिन एक पानी देकर हमारे से सारा आबियाना लिया जाता है। यह ठीक बात नही हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बड़ा भारी जुल्म हम किसानो के साथ सरकार कर रही हैं। अगर चार पानी ये सरकार नही दे सकती तो तीन पानी का तो कम से कम इस सरकार को देना चाहिए। जो फसल किसान बोता है उस पर खाद की बीज की लगात आती हैं लेकिन पानी न मिली की वजह से फसले बरबाद हो जाती हे। मै चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी से नम्र निवेदन करूगा कि किसानो के ऊपर जो मार सरकार की तरफ से मारी जा रही है उसको समाप्त करे। किसानो को अपनी फसल उगाने पर जा खर्च करना पड़ता है वह पूरी नही होता। यह सब कुछ इसलिये होता हैं कि किसानो को अपनी जरूरज के अनुसार समय पर बिजली नही मिलती। पानी की कमी की वजह से किसानो की फसले सड़ जाती हैं ओर किसान बुरी तरह से बरबाद हो जाता है। पहले बिजली बोर्ड 10 घंटे बिजली देने की बात करता था। लेकिन अब यहा हाउस मे बार बार 8 घंटे की बाते करते है। मै बाताना चाहता हूं कि मु कल से किसान को 4 या 5 घंटे ही बिजली मिलती होगी। आपको पता भी है कि पिछले दिनो सर्दी का बहुत प्रकोप ाि जिसके कारण किसानो की चने ओर गेहू की फसले बुरी तरह से बरबानद हो गयी थी। लेकिन सरकार की तरफ से कोई कम्पनसे ासन नही दिया गया।

मुख्य मंत्री जी, ने तो साफ ही इनकार कर दिया कि इस बारे मे सरकार के पास देने को कुछ नही है। इसलिये मेरा निवेदन है कि इस वक्त किसानों से मालिया वगैरह की वसूली के लिए जो जीपे इधर उधर भाग रही है उनको बन्द किया जाए और मालिया की वसूली बन्द कर दी जाए। जिन किसानों को नुकसान हुआ है। उनका सरकार अपनी ओर से राहत दे ताकि व बेचारे अपना कोई काम धधां भाुरू कर सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता ही है कि हरियाणा प्रदे ा की 80 प्रति ात आबादी खेती पर निर्भर करती है और दूसरे नम्बर पर यहा प ाु पालन का काम होता हैं। केवल 13.8 करोड़ रूपया ही इस बजट मे प ाु पालन के लिये रखा गया ळै। इतने कम पैसे से आप ही बताये कि क्या बनता है? आप इनकी डिसपैन्सरियों मे खाली पड़ी हुई है।। जो दवाईयां हस्पतालो के लिए खरीदी जाती हैं, वे भी उन जगहो पर भेज देते है जहां उनकी जरूरत ही नही समझी जाती और वह दवाईयां उन्ही स्टोरो मे पड़ी पड़ी सड़ जाती हें इसके साथ मे यह भी बताना चाहता हूं कि पहले हस्पताल मे पर्ची बनवाने की फीस केवल 10 पैसे रखी हुई थी लेकिन अब उसका बढाकर 25 पैसे कर दिया गया है। बड़ा तीन मारा है। दूसरी तरफ पहले एक ए.आई. के लिए इन्होने 1 रूपया फीस रखी हुई थी। जो किसान अपनी गाय भैस का गब्बन करवाने के लिये ले जाता था तो उससे एक रूपया लिया जाता था लेकिन अब उसका भी बढाकर दो रूपये कर दिया

गया हैं। कितनी बुरी बात हे। इस किस्म का बौझ किसानों पर भी डाला जा रहा हैं। इसके साथ साथ एक और बात बताना चाहता हूं आज हर हस्पताल मे फर्जी काम हो रहा हैं। दवाईया तो है नही होता यह है कि अगर किसी जगह पर ए.आई के तहत 300 केसिज करने है तो वे रजिस्टर मे दिखा दिये जाते हैं लेकिन ऐक्चुएली होता कुछ नही । कागजों मे ये दिखा देते हैं कि टारगिट के अनूसार 300 केस कर दिये है।। कई जगहों पर फर्जी इनदराज दिखा रखे है।

एक और बात मै आपका बताना चाहता हूँ। जो प ाुओ का सीमन है, उसको हस्पतालेा मे संभाल कर रखने मे किसी भी प्रकार का इन्तजाम नही है। फ्रिज है तो वे खराब पड़े है। उनका यूज हो ही नही सकता। आप ही देखिये कि किस प्रकार गरीब किसानों के साथ यह सरकार धोखा कर रही हैं और किसानो को परे ाान कर रही है।।

डिप्टी स्पीकर साहब, गायों की डिस्पैनसरियों मे डिसपैन्सर्ज और स्टाक असिसटैन्टस हैं। अगर इनके पास कोई किसान अपना बीमार प ाु ले जाता है तो व कहते है कि हमे ऐन्टी बायटिक इंजैक ान लगाने की इजाजत नही है। केवल डाक्टर ही यह काम कर सकता है। आप ही देखिये कि अगर किसी प ाु को गल घोटू की सीरियस बिमारी हो या कोई और बिमारी हो तो वह प ाु तो डाक्टर की इन्तजार करते करते पर जाएगा। मेरा कहने का मतलब यह है कि किसी भी हस्पताल मे

किसी भी तरह का सरकार की तरफ से कोई इन्तजाक नही हैं जिससे कि किसानो के प ाुाओ को बचाया जा सके और दवा दारू दी जा सके। दवा दारू नाम की होई चीज हस्पतालो मे नही है। इसलिये मेरा आपके द्वारा सरकार से निवेदन हैं कि हस्पताल के स्टाफ को ऐन्टी बायटिक इंजैक ान लगाने की परमि ान होनी चाहिए ताकि समय पर प ाुआ का इलाज हो सकें।

डिप्टी स्पीकर साहब, ये भाई बचत की बात करते हे। कि हम बचत कर रहे हैं। बजट मे 46.43 करोड़ रूपये का घाटा दिखाया गया हे। और यह घाटा बचत करके पूरा किया जाएगा। ये सरकार बचत की क्या बात करती हें? जितनी फिजूल खर्ची इस सरकार के राज्य मे हो रही है। मै आपका क्या बताऊ उतनी पहले कभी नही हुई।सरकारी जीपें अफसरो की सब्जी लेने केलिये मंडियों मे जाती रहती हैै, अफसरों के बच्चो को स्कूल छोडने और लाने के लिये जाती रहती है लकिन इस सरकार के पास इस पर पाबन्दी नही लगायी जा रही हैं जिससे कि बचत हो सके। आज ही ट्रिब्यून अखबार मे आया है कि किसी मंत्री को हरियाणा भवन मे गाय का दूध चाहिए थां। उस दूध को लेने के लिए तीन कारे एक रोहतक, दूसरी सोनीपत ओर तीसरी गुडगावां मे भागती रही ताकि उस मंत्री महोदय के लिए दो किला गाय का दूध लाया जा सके । आप ही बताए कि क्या ठाठ बाठ है इन लोगो के? एक दो किलो दूध लाने के लिये इन्होने हजारेा रूपये का पैट्रोल यू ही खर्च कर दिया। अगर यही दूध दिल्ली से खरीद लिया जाता तो

भाायद 10–12 रूपये मे ही यह काम हेा जाता लेकिन इन्होने डिप्टी स्पीकर साहब, बचत करनी थी। जो इसी तरीके से ही हो सकती थी। मेरी समझ मे यह बात नही आयी कि ये इतने बड़े घाटे को कैसे बचत करके पूरा करेगे?

डिप्टी स्पीकर साहब, एफ.एम. साहब बड़े ही सज्जन आदमी हैं। मै उनका बड़ा ही आदर करता हूं। पिछली दफा भी मैने उनसे रिक्वैस्ट की थी। मेरे हल्के मे एक दो वाटर स्पलाई की स्कीमे इनकम्पलीट पड़ी हुई है, उनका पूरा किया जाए। एक है रानीला ग्रुप आफ विलेजिज और दूसरी इमलोटा ग्रुप आफ विलेजिज। यह दो वाटरप स्कीमे है जिनपर कुछ भी काम नही हुआ। कहीं ऐसी बात तो नही कि इस जगह का काम एम.एल.ए. आपोजी ान पार्टी से ताल्लूक रखता है, इसलिये इस पर कोई काम नही किया जा रहा हों? इस पर एक भी ईंट नही लगी है। लोग पीने के पानी की इन्तजार मे हैं। दूसरी तरफ सरकार कह रही हैं कि हम डिवेल्पमैंट के बहुत से काम करने जा रहे हैं। अगर ऐसी ही स्थिती रही तो आप ही सोचिये, डिवैल्पमैंन्ट किस आधार पर होगी? इसलिये सरकार इस और ध्यान दे।

डिप्टी स्पीकर साहब, पंचायतों और ब्लाक समितियों के चुनाव तो इन्होने करवा दिये लेकिन ब्लाक समितियां के चेरयमैन्ज के चुनाव ये सरकार नही करवा रही है।। इसका लगभग 5 महीने हो गये है। अगर कोई बी.डी.ओ. कोई ग्रांट देताह है तो वह भी किसी खास गांव मे ही दी जाती है जहां पर उनका अपना लेन

देन हों। इसलिये वह चेयरमैन के चुनाव कराने के हक मे नही हैं। अगर चुनाव करा दिये और चेयरमैन बन गये तो उनकी अपनी दुकारदारी यानी लेन देन का मामला बिल्कल ठप्प हो जाएगा। इसलिये मेरा निवदेन है कि ब्लाक समितियों के चेयरमैन का चुनाव जितनी जल्दी हो सके, करवाया जाए।

अभी यहा पर कहा गया कि पिछले साल 10 करोड़ वृक्ष लगाये गये और इस साल भी इतने ही वृक्ष लगाये जाएगें। मिनिस्टर साहब ने अभी क्वै चन आवर मे अपने जवाब मे कहा है कि हमे इस काम मे 80 परवसैन्ट कामयाबी हुई है। मै दावे के साथ कह सकता हूं कि यह बिल्कूल गलत बात है। यह काम केवल कागजों मे ही है। फारेस्ट मे इनको कोई कामयाबी नही मिली हैं। यूही लागेा को गुमराह कर रहे हे। मै आपक द्वारा एक सुजे ान देना चाहता हूं। इस बाम की छानबीन के लिये हाउस की एक कमेटी मुकर्रर की जाए जो सभी तथ्यों की सच्चाई का पता लगाये। तभी आपको पता चलेगा कि इनकी यह सूचना बिल्कूल गलत है। अगर 20 परसैन्ट भी इस काम मे कामयाबी मिली हो तो आप कहना। इस काम की छानबीन के लिए हाउसक की एक कमेटी बनायी जानी चाहिए। इसके साथ चौधरी भले राम जी ने बोलते हूए कहा कि इस सरकार ने हरिजनों भाईयो के साथ बड़ा इन्साफ किया है। उनको प्लाटस दिये है। हरिजनो की यह सरकार बड़ी हितैशी है। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने प्लाट कहा दिये? लोगो की जमीन थी उन्होने दे दी ओर वह जमीन

आगे सरकार ने प्लाटों के रूप मे हरिजनो को देदी। इसमे सरकार का क्या श्रेय है। हमदर्दी तब होती अगर सरकार अपने पास से, अपने जमीन से हरिजनो को प्लाट देती। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी हुक्म सिंह जी, आप वाईंड अप करे।

चौधरी हुकम सिह फोगाटः डिप्टी स्पीकर साहब, यह सारा वोट लेने का झगड़ा है। कभी ये उनको प्लाट देते हैं और कभी उनकी बस्ती मे लट्टू लगाते है। इन्होने अब एक और नई हरिजन निगम खोल दी हैं। यह भी हरिजनों को धोखा देने की बात है। भैंस या भेड़ बकरी खरीदने के लिए हरिजनों को चार हजार रूपया कर्जा मिलता है और उस पर 33 प्रति ात सबसिडी है। आप अगर चैक करें तो इस सबसीडी को खाने के लिए सारी फर्जी कार्यवाही मिलेगी। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यावाद करता हूं।

श्री उपाध्यक्षः अब श्री नैन बोलेगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि जो भाई गर्वनर ऐड्रेस और डिमांडज पर नही बोले, अब उनका नम्बर आना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः श्री इन्द्र सिंह नैन जी अब तक किसी विशय पर नही बोले है इसलियसे मैने इनको बुलाया है। वैसे भी

आपके ग्रुप के मैक्सीमम सदस्य अब तक बोल चुके हैं। इधर से 58 सदस्यों मे से केवल तीन बोले है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आज हमारे किसी दूसरे मैम्बर का नम्बर नही आया इसलिए मूझे भी टाईम दिया जाए। अगर आज न मिल सके तो सोमवार को दे देना।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है।

श्री इन्द्र सिंह नैन (बरवाला): डिप्टी स्पीकर साहब, 20 तारिख का चौधरी कटार सिंह जी बजट पे ा किया है, मै उसके समर्थान मे खड़ा हुआ हूं। मैने इस बजट को सिर्फ पढा ही नही बल्कि समझा भी हैं। इन बिटविन लाइन पढने के प चात मै इस नतीजें पर पहुचा हू कि अगर इस बजट का पीपल बजट, कौमन मैन बजट और आर्द ा बजट कहा जाए तो और भी ज्यादा उचित होगा। वित्त मंत्री जी ने जो इतना अच्छा बजट पे ा किया है। उसके लिये मै उनको मुबारिकबाद देता हूं। इस बजट को अगर ध्यान से पढा जाए और देखा जाए तो मालूक होगा कि सरकार ने जो गत वर्श प्रगति के कार्य किए हैं, यह उनको द ार्ाता है और आने वाले साल के लिय आर्थिक, प्रगति के कार्य किए है।, यह उनको द ार्ाता है और आने वाले साल के लिये आर्थिक, सामाजिक तथा विकास की जो प्रगति ील नीतियां है उनकों भी द ार्ाता है। अब से पहले भी बजट पे ा होते रहे हैं लेकिन इस बार जो बजट पे ा हुआ है। इस बारे मे मै यही कहूगां कि यह

किसानों और मजदूरों के हित का सबसे अच्छा बजट हैं। इससे पहले मेरे दोसतो ने बोलते हुए अपने विचार व्यक्त किए। हमारे साथी बड़े विद्वान और अनुभव ील हैं, मै तो पहली बार हाउस मे आया हूं। इनके विचार मैने सुने और कई साथियों ने अच्छे सुझाव भी दिय है। प्रजातन्त्र मे यानी डेमाक्रेसी मे जितना रोल रूलिंग पार्टी का हैं उतना ही अपोजी ान पार्टी का है। : डिप्टी स्पीकर साहब, हैल्दी क्रिटिसिजम करना इनका अधिकार है। जैसे मैने कहा कि मेरे साथी अनुभव ील भी है और तजरबेकार भी है लेकिन इन्होने कोई सुझाव देने की बजाए नाजायज किस्म का क्रिटिसिजम करना भुरू कर दिया। अगर ये सरकार को कोई अच्छा सुझाव दें तो असे हम वैलकम करेगें और उन सुझावों को लागू करने की भी कोि ा ा करेगें। जैसे मैने कहा, अपोजी ान के साथियों को सरकार की नुक्तचीनी करने को अधिकार है लेकिन वह नुक्ताचीनी किसी तथ्य पर आधारिज होनी चाहिए। वैसे फार दि सैक आफ क्रिटिसिजम जो कहा जाता है, उसका कोई लाभ नही होता और उसमे खामखाह हाउस का समय ही वेस्ट होता है। आज से 6 साल पहले एक सरकार आई थी जिसका नाम जनता सरकार था। आज ये भाई कहते है कि यह बजट मजदूर और किसान विराधी बजट है। ये अपने गिरेबान मे मुहं डाल कर नही देखते । ी ो के महल मे रहने वाले दूसरे के मकान पर तत्थर नही फैकने चाहिए। मै इनको याद दिलाऊगां कि आज से 6 साल पहले जनता पार्टी नाम की एक सरकार आई थी जिसका नाम ही नाम था और जनता उनके साथ नही थी। उसको नैगेटिव वोट मिला था,

इसलिये उसकी कोई भी पौजेटिव परफारमैंस नही थी। इन्दिरा जी कहा करती थी कि यह तो खिचडी़ पार्टी है। एक दि ाहीन पार्टी है जिसका न कोई एक ान है और न ही कोई प्रोग्राम है।

श्री अध्यक्षः मै बजट पर ही आ रहा हूं। मै यह बात इसलिये कह रहा था कि क्योंकि मेरे साथी कांग्रेस पार्टी की नीतियों को क्रिटिसाइज करते हैं। जब इनका राज आया था . . . . . .

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, जब हमारी पार्टी का राज आया था तो प्लास्टिक की चप्पलों के भाव चीनी बिकी थी। जब मै बोलूंगा तो इनका सारी बाते बताऊंगा।

श्री इन्द्र सिंह नैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि जब इनका राज आया था तो राज्य मे क्या हाल था। आज ये हमे कहते है कि यह किसान विरोधी सरकार हे। अपने टाईम मे ये किसान को कहते थे कि आपको भाव दिलाएगें और मजदूर को कहते थे कि आपको काम दिलवाएगें। मै यह बाते इसलिये कह रहा हूं कि क्योंकि इस बजट मे किसान और मजदूरों के लिए बहुत सुविधाएं दी गई है जिनको कि ये नही दे सके। इसलिये मै जनता पार्टी का जिक्र कर रहा हूं। इनके जमाने मे तीन रूपये क्विंटल गन्ना बिकता था। औरप 208 रूपये क्विंटल नरमा बिकता था। लेकिन आज हमने 500 रूपये क्विंटल नरमा और तीन रूपये क्विंटल गन्ना बिकवाया। डिप्टी स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि

जनता पार्टी दि ाहीन पार्टी है। इस बात पर मुझे एक बात याद आ गई है। बजाये इसके कि यह बात पहले कहूं, मैने कुछ रिलेर्वे बाते कहनी है, वह कह देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, जनता पार्टी चली गई यह राज नही कर सकी क्योंकि इनकी कोई नीति नही थी। यदि मै पहले आपके सामने वह मिसाल दूंगा तो ये अपोजी ान के भाई कहेगें कि आप बजट पर बोले इसलिए पहले मै बजट के बारे मे अपने विचार रखना चाहता हूं, बाद मै वह मिसाल आपके सामने दूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, मैने बजट को बड़े ध्यानपूर्वक पढा और समझा है। सबसे पहले मै इस बजट मे जो 3–4 नई बाते कही गई है, उनके बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। एक तो इनटरकास्अ मैरिज की बात कही गई हैं। जो आदमी इन्टरकास्ट मैरिज करेगा उसको सरकार की तरफ से 5 हजार रूपए दिये जाऐगे। हमारी सरकार ने यह बहुत सराहनीय काम किया हैं। लेकिन इस बारे में मै सुझाव अपनी सरकार को देना चाहूंगा कि 5 हजार रूपए के साथ साथ इन्टरकास्ट करने वाले नौजवान को, यदि नौकरी की सुविधा भी दे दी जाए तो बहुत ही अच्छा काम होगा। दूसरी बात बजट मे यह कही गई है कि जो 6500 के लगभग भूतपूर्व सैनिक है, जिनकी आयूं 65 साल से अधि है उनको पैं ान देने का प्रावधान किया गया है, यह बहुत ही सराहनीय काम हैं। तिसरी बात यह कही गई है कि हरियाणा सरकार ने बजट मे अपने कर्मचारियों को सैंट्रल पैटर्न पर एल.टी.सी. देने का प्रावधान कर दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने अपने कर्मचारियों को एल.टी.सी. देने का बहुत

ही सराहनीय काम किया हैं। भारत दे ा एक कृशि प्रधान दे ा है और हरियाणा प्रान्त भी कृशि प्रधान प्रदे ा है, इसलिए इस बजट मे कृशि की सुविधाओं पर खर्च करने के लिए बहुत पैसे का प्रवाधान किया गया है। इसी तरह से प ाु पालने के बारे मे सरकार ने बहुत पैसे का प्रावधान किया गया हैं। प ाुपालन के बारे मे मेरे से पहले बोलन वाले साथियों ने काफी कुछ बताया है, मै उन बातों को रिपीट नही करूंगा। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै बेसिज के बारे मे कुछ बात सदन के सामने कहना चाहूंगा। हरियाणा की बसों की सर्विस सारे हिन्दुस्तान मे प्रथम है और हरियाणा की सड़के बहुत अच्छी हैं। इसके अलावा, मै सरकार से को अपने हल्के के बारे मे कुछ और सुझाव देना चाहूंगा। मेरे हल्के बरवाला मे डिवैल्पमैंट के काम हुए भी है और इस समय भी हो रहे है। मै अपनी सरकार को एक यह सुझाव देना चाहूंगा। बरवाला भाहर एक बहुत बड़ा भाहर है और वह हिसार से चंडीगढ जोने वाली मैन रोड पर स्थित हैं। वहा पर 400 एकड़ सरकारी जमीन भाहर के साथ साथ लगती हुई खाली पडी है मै यह सुझाव दूंगा कि उस जमीन पर ओटोमौबाईल मार्किट, सब्जी मंडी बना दी जाए और बाकी जो जमीन बचे उस पर रैजीडैं ियल कालोनी बना दी जाए। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि खेडी जालब गांव मे भी एक ग्रेन मार्किट बनाई जाए ताकि किसानो को सुविध हो जाए। मेर हल्के मे एक कापडों माईनर है जिसको 5 किलोमीटर तक एक्सटैड किया जाए ताकि उससे किसानों का काफी फायदा पहुंच सके। इसके अलावा मै यह कहना

चाहूंगा कि सिरसा ब्रांच जोकि दिनांदा गावं से होकर गुजरती है, उसके 370–371 आर.डी. से एक माईनर निकाली जाएगी जिसक कागजात भी तैयार हो गए है। उस माइनर को सुरबरा माइनर की बर्जी नम्बर 27–28 पर मिला दिया टोर सुरबरा माईनर को एक्सटैंड किया जाए ताकि किसानो को ज्यादा लाभ हो सके। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै बरवाला भाहर के बारे मे एक और बात अपनी सरकार से कहना चाहूंगा। बरवाला भाहर हिसार चण्डीगढ रोड़ पर सिचुएटिड है और भाहर के अन्दर 100 फुट चौडी सड़क हैं।इस बारे मे मै सरकार को एक सुझाव देना चाहूंगा। उस सड़क के दोनो तरफ पुटपाथ बनाए जाए और बीच मे पट्टी बनाई जाए। उस पटटी मे ट्यूब लाईट लगाई जाए ताकि भाहर की सुन्दरता बढ जाए। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे मैने पहले यह कहा है कि यह आम आदमी का बजट है और यह किसानो के हक का बजट है, इसमे कोई दो राय नही है। जिस समय जनता पार्टी का राज था, उस समय ये भाई किसानों को फायदा देने की बजाए उनको नुक्सान मे ले गए थे क्योंकि इनकी कोई नीति नही थी। (घंटी) स्पीकर साहब, मै सिर्फ दा मिनट और लूंगा और उसके बाद मै अपना स्थान ग्रहण कर लूंगा। मैने पहले यह कहा था कि मै आपका एक मिसाल दूंगा वह मिसाल देना चाहता हूं । एक आदमी के यहा कुछ मेहान आ गए, उसके पास चारपाई कम थी। वह आदमी पड़ौसी से चारपाई मांगन के लिए चला गया। घर का मालिक घर पर नही था लेकिन उसका लड़का घर मे मौजूद था। उस लड़के ने कहा कि ताऊ जी हमारे

तो दो ही चारपाई है, ज्यादा नही है। उस आदमी ने कहा बैटा तुम घर मे आदमी चार हो और चारपाई दो, आपका सोने का काम कैसे चलता हैं? लड़के ने कहा कि ताऊ जी हमारा काम बड़े ठाठ से चलता हैं। उस आदमी ने कहा कैसे? उस लड़के ने कहा एक चारपाई पर मै और मेरे पिता जी सो जाते है और दूसरी चारपाई पर मेरी मां और मेरी बहू सो जाती है। उस आदमी ने उस लड़के से कहा कि मुझे चारपाई बेसक मत दो लेकिन तुम सोने का तरीका सीख लों। इसलिए डिप्टी स्पीकर साहब, मै इनको यह कहना चाहता हूं कि इनको राज मिल गया था लेकिन ये उसको चला नही सके। इन भाब्दो के साथ मै अपने वित्त मंत्री जी को मुबारिक बाद देता हूं कि उन्होने बहुत अच्छा बजट पे ा किया है और मै इसका समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री मनफूल सिंह (असंध एस.सी.) डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मंत्री जी ने जो 1984–85 का बजट सदन मे पे ा किया है, मै उसके बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बजट किसानों , हरिजना और बैकवर्ड जाति के लोगो की भलाई के लिए ठीक नही है। जहां तक सड़को का ताल्लूक है, हरियाणा मे सड़को का काम अच्छा नही है जो सड़के टूटी पडी़ है इस सरकार ने उनको रिपेयर नही करवाया हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता हैं आपके इलाके मे करोड़ा से गगसीना तक जो सड़क पर चलने वाली किसी बस मे यदि कोई औरत सफर करती हैं, जिसको बच्चा पैदा होने वाला हो, उसका

बच्चा रास्ते मे ही पैदा हो जाऐगा, उस सड़क का इतना बुरा हाल हे। इसके अलावा मेरे हल्के अंसध के अन्दर जितनी भी सड़के बनी हुई हैं, ये सारी टूटी फूटी है। अभी मेरे से पहले माननीय सदस्य श्री इन्द्र सिंह नैन जी बोल रहे थे। उन्होने कहा कि हरियाणा मे सड़के बहुत बढिया हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपको बताना चाहूंगा कि जितनी भी सड़के मैने देखी है, उनकी हालत बहुत खराब हैं और टूटी हुई है। सरकार की तरफ से उन सड़को की तरफ कोई ध्यान नही दिया जाता यह सरकार सड़को पर पड़ने वाला तारकोल खा जाती है। बजरी खा जाती है और मिटटी का तेल पी जाती हैं इस तरह से तारकोल का खा जाना, बजरी खा जाना और मिटटी का तेल पी जाना ठीक नही है यदि तारकौल ठीक तरीके से और पूरा मिकदार मे सड़को पर डाला जाए तो सडके बहुत अच्छी हो सकती है और जा टूटी हूई सड़के है, उनको ठीक किया जा सकता हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, जो फुरलक से पाडा तक और पाडा से करोड़ा तक सड़क जाती है, उस सड़क की हालत बहुत बुरी है। वह बिल्कूल टूट चुकी है, उस पर बस नही चल सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, उस सड़क के बारे मे आपको भी पता है और हमारे माननीय सदस्य सरदार सुजान सिंह जी को भी पता हे। इसलिए मै सरकार से कहना चाहूगं कि इस सड़क को जल्दी ठीक करवाया जाए ताकि लोग आराम से सफर कर सके। इसके अलावा, डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै हरिजनो के बारे मे कुछ बाते आपके सामने कहना चाहूंगा। हरियाणा के अन्दर हरिजनो की इतनी बुरी हालत हैं जिसका कोई हिसाब नही हैं यह

सरकार उनकी हालक की तरफ बिल्कूल ध्यान नही दे रही हैं। इस सरकार ने हरिजना को दी जाने वाल एक ही सर्विस के दो नाम दे रखे है। 'माली–कम–चौकीदार' और 'स्वीपर–कम–चौकीदार'। यह सरकार बजट खुद खा गई, हरिजनो का नाम तो वेसे ही रखा गया हैं। यह कहना कि हरिजनों की भलाई के लिए इस बजट मे काफी पैसे का प्रावधान किया गया हैं, यह बिल्कूल निराधार बात हैं। हरिजनों की भलाई के लिए इस बजट मे कोई प्रावधान नही हैं। यदि सरकार किसानों के बारे मे कोई बात कह रही होती है तो बात कहते कहते हरिजनो पर चली जाती है कि हमने हरिजनो की इतनी भलाई कर दी, हरिजनो के लिए यह कर दिया, वह कर दिया। सरकार ने हरिजन बच्चों की स्कूलों मे फीस माफ कर रखी हैं उसी के लिए यह कह दिया जाता हैं कि हमने हरिजनो के लिए यह कर दिया, वह कर दिया। मै कहता हू कि इस सरकार ने हरिजनों के लिए कुछ भी भलाई का कम नही किया है। हरिजन बच्चों के लिए स्कूलो मे खाना माफ नही, कपड़ा माफ नही किताबे माफ नही। जो किताबें स्कूलों मे हरिजन बच्चो के लिए जाती है, उनको इन कांग्रेसीयां के बच्चे ले जाते है।। इसके इलावा डिप्टी स्पीकर साहब, ने डिसअलाऊ कर दिया। मैने यह सवाल उठाया था कि पंजाब मे रिजर्वे ान विद इन रिजर्वे ान हैं। हरियाणा मे भी ऐसा होना चाहिए ताकि हरिजनों की भलाई हो सके।

श्री उपाध्यक्षः जो रूलिंग मो ान 84 के तहत दी जा चुकी है, उनको चेलैजं नही किया जा सकता।

12.00 बजे

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आपकी बात बिल्कूल ठीक हैं। मै उस रूलिंग को चेलेज नही करता। मै हरिजनों के बारे मे कह रहा हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, छुआछात के बारे मे भी बजट के अन्दर लिखा गया है लेकिन इन्होने लिखने के सिवाए और कुछ नही किया। छुआछात की भावना यूं कि यूं। इसी संबंध मै आपको बताना चाहूंगा कि पंचकूला के अन्दर सैक्टर सात मे एक कालेज है। वहां पर रमन बेदी का नाम का कोई व्यक्ति पीयन की पोस्अ पर काम करता था। उसको कालेज से चमार कह कर निकाल दिया। इस बेचारे गरीब पीयन कों पांच महीने तक सस्पेडिड रख गया। इस कालेज के ओ.पी. उप्पल प्रिंसिपल है। यह सब उसी ने किया होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा कहना है कि ऐसी बातों की तरफ और हरिजन भाईयो की तरफ खास तौर से ध्यान देना चाहिए। इसी प्रकार से लाल सिंह जी के हल्के के अन्दर एक हरिजन लड़का रहता हे। उसकी भी एप्लीके ान कल मेरे पास आयी हैं। वहां पर टिक्का जगजीत सिंह कोई कांग्रेस का प्रधान है जो भूगर फैडरै ान का चेयरमैन भी हैं। इस लडके की 10–15 साल की सर्विस थी। उसको इस कांग्रेस प्रधान ने सर्विस से निकाल दिया हैं। सरकार हरिजनों की बात तो करती है, लेकिन हरिजनों के लिए कुछ भी नही कर रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको भी पता है कि हमारे हल्कों मे कितने ऐसे गांव हैं जिनमे हरिजनो के लिए एक भी प्लाट नही काटा गया है।। इसी

प्रकार से सरकार बैकवर्ड लोगों की तरफ भी बहुत ज्यादा ध्यान नही दे रही हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मै क्या बताऊ * * * * * * * * * * * । ऐसा बुरा हाल कीह नही देखा जो यहां हो रहा हैं।

सहकारिता तथा डेरी विकास मंत्री(चौधरी बीरेन्द्र सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैने किसी का नाम नही लिया और न ही इनका लिया हैं।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः मेरे लायक दोस्त कोई स्पेसिफिक एनीगें ान लगात हैं ठीक है। बगैर किसी सबूत से कोई वेग बात कही जाये तो यह ठीक नही हैं। इसलिए आप ये भाब्द एक्सपंज करा दिजिए।

श्री उपाध्यक्षः अगर कोई स्पैसिफिक नाम लेते और एलीगें ान लगाते तो मै एक्यवंज करा देता। इन्होने तो किसी का नाम नही लिया।

चौधरी बीरन्द्र सिंहः यदि कोई स्पैसिफिक बात किसी वि ोश मंत्री के बारे मे कहे तो ठीक है। उनको तो एक्सपंज करने की भी आव यकता नही है। ऐसे एलीगे ान तो स्पीकर साहब, द्वारा किसी कमेटी मे भेजे जा सकते है लेकिन This is not proper and rdelevant to make a general allegation. This is a vague allegation. If there is any specific allegation, then there can even be a Committee consitited by the Speaker to go into

that सही ऐलीगे ान को तो स्पीकर साहब, प्रिविलेज कमेटी मे या दूसरी कमेटी मे जांच के लिए भेज सकते है। इन्होने जो एलीगे ान लगाया है वह वेग हैं।

श्री उपाध्यक्षः मन्थली लेने वाली बात को एक्सपंज कर दिया जायें।

श्री मनफूल सिंहः ठीक बात हैं। * * * * * * * *

चौधरी बीरन्द्र सिंहः मेरे बारे मे जनता का कोई भी मैम्बर कह दे कि मै पैसे लेता हूं तो I would resign not only from Ministership but also from membership.

श्री उपाध्यक्षः मन्थली लेने संबंधी जो बात रिकार्ड पर आयी है इस को एक्सपंज कर दे।

प ा पालन राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मै एक ऐसा आदमी हरियाणा के अन्दर हुं जिसने कभी एक पैसा नही लिया। मनफूल सिंह जी ने मुझे भी लपेट लिया। मै तो ऐसा आदमी हूॅ कि अपनी रोटी भी डिब्बे मे अपने साथ रखता हूं। इसलिए मै चार दफा बन कर आया हूं। जिस एप्लीके ान का जिक्र आपने किया है, वह मेरे हल्के से नही आयी होगी।

श्री मनफूल सिंहः मैने नाम किसी मंत्री का नही लिया हैं। * * * * * * * डिप्टी स्पीकर साहब, अपने प्रदे ा मे ला एण्ड

आर्डर की हालत बहुत ही खराब है। हम हमला आप पर और बहन भाान्ति देवी जी पर किया गया। इस हमले का हमें बहुत खेद हैं। मै भी उसी जिले का रहने वाला हूं जिस जिले के आप हैं। इस हमले का हमें बहुत खेंद है। मै भी जिले का रहने वाला हूं जिस जिले के आप है। यह हमला किसी तौर पर ही किया जाना होगा, लेकिन गलती से आप पर हो गया लगता है। जो हुआ है, उसके बारे मे मै यही कहूंगा कि ऐसा नही होना चाहिए था। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै बिजली का जिक्र करना चाहूंगा। आपके इलाके मे और मेरे इलाके मे बहुत कम बिजली आती है। बिजली के बारे में मै सुरजेवाला जी को पहले भी कई बार वह कह चुका हूं कि हमारे इलाके मे बिजली पूरी नही आती। आपका हल्का घरोड़ा है और मेरा हल्का असंध है। ये दोनों इलाके अंधेरे मे डूबे रहते है। इसका मेन कारण यही है कि करनाल जिले से 3–4 एम. एल.एज. अपोजि ान के हैं।**********

श्री उपाध्यक्षः आप मेरे को तो बक ा दे। मेरे बारे मे जो बात कही गयी है, उसे एक्सपंज कर दिया जाये।

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै बिजली का जिक्र कर रहा था। आज कल हमारे यहां पर बिजली के ट्रांसफार्मर्ज की बहुत ही खस्ता हालत है। इन ट्रांसफार्मर्ज मे बहुत घपला हुआ है। पानीपत के अन्दर एक भाूगर मिल है। इस मिल के अन्दर किसान लोग अपना गन्ना ले कर जाते हैं। लोगो के पास अपनी बुग्गी, ट्रैक्टर–ट्राली होती हे। जब वे मिल मे पर्ची लेने

के लिए जाते है तो उनसे पैसे लिए जाते है। यह बात आपके नोटिस मे भी आयी होगी। इस संबंध मे मै चाहूंगा कि इसकी इन्कवायरी करवाई जाये। इस बारे मे मैने चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को भी कहा था। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले सै ान मे मैने भाराब का एक अधा दिखाया था जिसमें कीड़े थे। मैने इसक संबंध मे कार्यवाही करने के लिए कहा था लेकिन आज तक इस तरफ कोई उचित कदम नही उठाऐ गए। बहुत सारे लोग भाराब पी–पी कर मर गए। (विघ्न) मै आपको इस्तीफा देने के लिए नही कह रहा। डिप्टी स्पीकर साहब, एम.एल.एज. होस्टल के अन्दर 50 हजार रूपये के पीपल के पतीले खरीदे गए हैं। इन पतीलों को 45–47 रूपये किलो के भाव खरीदा गया है जबकि 35 रूपये किलों के भाव से पीतल हरियाणा के किसी भी भाहर से खरीदा जा सकता हैं। इस सामान का खरीदने मे बहुत घपला हुआ है। डिप्टी स्पीकर साहब, होस्टल मे जो एम्पलाईज काम करते है, वे रात के दो–दो बजे तक काम मे लगे रहते है लेकिन उन्हे खाने की कोई सुविधा नही है। ये कर्मचारी रात को दो बजे अपने घर जा कर ही खाना खाते हैं। मेरा सुझाव है कि ऐसा नही होता चाहिए और उनाके होस्टल मे ही खाने की सुविधा मिलनी चाहिए। यहां पर चण्डीगढ का भी जिक्र आया हे। इस संबंध में मै कहना चाहूगां कि चण्डीगढ पंजाब मे नही जाना चाहिए। यदि चण्डीगढ़ पंजाब को दिया जाता है तो उसके बदले अबोहर और फाजिलका हरियाणा को मिलने चाहिए। यदि चण्डीगढ पंजाब को दे दिया जाता हें ओर हमे कुछ नही मिलता तो सारे हाउस को

रिजाईन कर देना चाहिए। यह हमारी स्टेटे के लिए एक बहुत बडी बात हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, पत्थर बहुत लगाये जाते है। मुख्य मंत्री जी, जी पत्थर लगा कर ही आते हैं। इसी प्रकार असंध मे हस्पताल बनाने का एक पत्थर लगा रखा है। उस हस्पताल की ऐसी हालत है कि गधे भी एक रात वहां पर काट नही सकते। वहां वह काम इसलिए नही हुआ क्योकि वह अपोजी ान का हल्का है। वहां पर एक पत्थर लगा हुआ हैं जिस पर लिखा हुआ हैं कि मुख्य मंत्री जी, के कर कमलों द्वारा ि ालान्यास किया गया है। लेकिन उसके के बाद आज तक कोई काम भाुरू नही किया गयास। यदि यह हस्पताल बन जाता तो लोगां को दवाईया मिल जाती, लोग इन्जैक ान लगवा सकते और मंत्री जी कैपसूल ले सकते। डिप्टी स्पीकर साहब, असंध की हालत हर तरह से खराब है। मुख्य मंत्री जी, जी ने मेरे हल्के के दो गावों असंध और मतलोडा़ मे पीने के पानी की टंकी लगाने के लिए कहा हुआ है। असंध मे तो अब थोड़ा बहुत काम भाुरू हुआ है। इसके लिए मै इनका धन्यावाद करता हूं। अभी आम प्रका ाजी जिक्र कर रहे थे कि उनके हल्के के गावों का पानी खराब हैं। उन्होने पानी को दिखाय भी था। मै हाउस की जानकार के लिए बताना चाहूंगा मतलोडा गांव का पानी, जो पानी ओम प्रका ा जी ने दिखाया था। उससे भी ज्यादा खराब है। उसकी तरफ सरकार ने कोई ध्यान नही दिया। पानी देने का वायदा जरूर किया हुआ हैं। इस संबंध करवाई गुजारि ा है कि मतलोड़ा के अन्दर भी पानी की

सुविधा जल्दी से जल्दी उपलब्ध करवाई जाए। ये वायदा करके मुकर जाते है इसलिए इन्हे इस्तीफा देना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः आपका समय हो गया है। आप बैठ जाए।

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे एक बार पहले कहा था कि बजट पर आपको और समय दे दूगां। इसलिए मुझे अभी अपनी बात कह लेने दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः आप एक दो मिनट मे खत्म किजिए।

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै पानीपत मे जो घटनाऐ हुई है, उनके बारे मे बताना चाहता हूं। वहां पर गुरूद्वारे को आग लगाई गई और मजहबी सिक्ख मारे गयें, दूसरा कोई नही मरा। इस मोके पर एस.डी.एम.डी.एस.पी., ए.डी.सी., बी. डी.ओ. वगैरा कई आफिसर हाजिर थे। सरकार ने स्प ाली डी. एस.पी श्री रणधीर सिंह यादव को स्सपैंड कर दिया और जो दूसरे आफिसर वहां थें। उनको कुछ नही कहा। उनको आंच तक नही आई। डी.एस.पी को इसलिए सस्पेंड किया कि वह बतौर मन्थली नही लेता था, इस बजह से उस बेचारे का बर्फ मे लगा दिया। आज कल सरकार ने उसको सैर सपाटे का आफिसर बना दिया हैं। अब मै बीस सुत्री कार्यक्रम की बात रखना चाहुगां। 20 सूत्री कार्यक्रम का जिक्र हकने कई बार किया और कहा कि इसका जिक्र किसी किताब मे हमारे सामने नही आना चहिए इस को आप

अपने पास रखें। डिप्टी स्पीकर साहब, सुत्र तीन ही है– रोटी, कपड़ा और मकान। बाती जो 17 सूत्र रह गये है यह गरीबों पर नही बल्कि इन पर लागू होते हैं। it is only for Congress Partyt and Minister. बाकी17 सूत्रो मे रि वतखोरी और भ्रश्टाचार है, गरीबो के मतलब की कोई चीज नही है। इन्होने तहसीलदारो की पोस्टे भरी, क्या ये बातयेगे कि कितने कितने पैसे लिये? इसी तरह डिप्टी स्पीकर साहब, एच.सी.एस. की पोस्टे भरने के लिए पेसे लिये गये। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले दिनो हरियाणा मे फलड आया था। उसक वक्त सदन मे बहस हुई थी ओर हमने कहा था कि ये लोग ईटें खा गये, रोडी खा गये, गरीबों को स्पलाई की जाने वाली चीनी खा गए। रोहतक मे फलड आया और कुओं का पानी यानी पीने का पानी सारे का सारा खराब हो गया। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको मोका नही मिला, आपको वह पानी पीना चाहिए थां सिानो का इतना बूरा हाल हैं कि वे दिन रात बिजली का इन्तजार करते रहते है। लेकिन बिजली नही आती और अगर आती भी है तो बहुत थोडीत्र देर के लिए। जहां तक कानून का ताल्लूक है, कानून तो गरीबों के लिए हैं, बड़ी आदमियो के लिए नही हैं। जो मंत्री है उनके ऊपर कानून का उपयोग नही होता। डिप्टी स्पीकर साहब, वैसे तो मै कई चीजे आपको अकेले मे बताता रहता हूं। यहां पर भी सून ले थोंड़ा सा।(घंटी) हरियाणा मे एक बहुत बड़ा स्कैंडल हैं और इस स्कैंडल पर अगर मै चार दिन तक बहस करता रहूं तो भी खत्क नही हो सकती। अब समय नही है मै फिर बात कहूगा लेकिन एक बात जरूर अर्ज करना

चाहूंगा कि जो सफाई मजदूर है, जिनको पैन् ान नही मिलती, उनको पैन् ान देने का इन्तजाम सरकार का करना चाहिए। ताकि ये लोग बुढापे मे अपना गुजार कर सके। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी बात अखबार वाले बहुत कम छापते है। वैसे मै इस चीज की परवाही नही करता, हमारी बात अखबार मे आये चाहे न आये। (घंटी) अब मै बैठ जाता हूं फिर कभी बोलूगो ओर आपको कम से कम एक घंटे का टाईम मुझे देना पडेगां। (व्यवधान) यह जो बजट स्पीच हैं, इसको मै फाडूगा नही इसका जलाउंगा। अन्त मे मैने जो प्वायंट आपके सामने प्लेस किये है, इन पर सरकार ध्यान दें। धन्यवाद।

राव इन्द्रजीत सिंह (जाटूसाना): डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने बजट के अन्दर प्लांड एक्सपैंडीचर मे 429 करोड़ रूपया दिखाया है। इस प्लांट एक्सपैंडीचर मे से एग्रीकल्चर पावरप और इरीगे ान के लिए कुद मिलाकर 313 करोड़ रूपया खर्च करने की प्रपोजल हाउस मे रखी हे। इस 313 करोड़ मे से 59 करेाड़ एग्रीकल्चर पर और 252 करोड़ पावर एंड इरीगे ान के लिए हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, प्लांड सिस्टम हमारी इकोनोमी पर यानी एग्रीकल्चर पर डिपैन्ड करता है और सरकार की तरफ से इकानोमी बढाने की पूरी कोि ा ा की जा रही हे। इसके लिए मै सरकार को मुबारकाबद देता हूं। इस प्रयत्न मे सरकार कितनी सफल रही है, इसका जिक्र भी इसी बजट स्पीच मे किया हुआ है। सारे हिन्दुस्तान की आबादी का 1.2 परसैन्ट आबादी हरियाणा

प्रदे ा मे बसती है और सारे हिन्दूस्तान मे जितना अनाज पैदा होता है उसका 5 परसैन्ट अनाज हरियाणा प्रदे ा पैदा करता है, बावजूद इसके कि पिछले साल खरीफ के सीजन मे सारी स्टेट मे बुरी तरह से फलड आया। इसके अलावा और भी कई तरह की विपतियां आयी। ओले पड़े ठंड पडी जिनकी वजह से फसल को काफी नुक्सान हुआ लेकिन फिर भी हमारा उत्पादन ज्यादा ही रहा हैं। इससे महसूस होता हे। कि इस दि ाा मे हमारी सरकार उत्पादन ज्यादा ही रही। (इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य, श्री सागर राम गुप्ता, पदासीन हुए)। चेयरमैन साहब, मै इरीगै ान की बात कर रहा था। इरीगे ान एंड पावर की हमारे दे ा मे बहुत जरूरत हैं। हमारी सरकार ने माना हैं कि जितना हमे पानी चाहिए उतना हमे नही मिल पा रहा। पावर की स्थिती भी हाउस के सामने आ चुकी हैं कि सरकार ज्यादा से ज्यादा पावर पैदा करने के प्रयत्न कर रही हैं। बिजली और पानी की सारी बाते आ चुकी है। मै ज्यादा नही कहूंगा। चेयरमैन साहब, इरीगे ान के सिलसिले मे एक बात जरूर कहना चाहूंगा। इरीगे ान के ऊपर कुछ ऐसी बाते है जो बजट पढने के बाद समझ नही आई और मै उम्मीद करता हूं कि जब सरकार बजट पर हुई बहस का जवाब देगी, उस समय हमे समझाने की कोि ा ा करेगी। चेयरमैन साहब, जवाहर लाल नेहरू कैनाल एक रिप्रैसिव केनाल है। 1983–84 की बजट प्रपोजल के मुताबिक 7.68 करोड़ रूपया डिपार्टमैंट को खर्च करने के लिए देना था। लेकिन फरवरी– मार्च 1984 मे बजट रिवाईज किया गया और यह रा ि ा

7.68 करोड रूपया देना मन्जुर कर लिया और बाद मे कह दिया कि इस नहर पर 2.64 करोड़ रूपया खर्च होगा। यह कैसे हो सकता है मेरी समझ मे बात नही आयी। चेयरमैन साहब, ओरिजनल बजट यानी 7.68 मे से डिपार्टमैंट ने 5.32 करोड़ रूपया आलरैडी खर्च भी कर दिया। लेकिन बाद मे सरकार रिवाईज करके कहती हैं कि इस नहर पर 2.64 करोड़ रूपया खर्च होगा। डिपार्टमैट ने आलरेडी पैसा खर्च किया हुआ हैं और इस हिसाब से तो यह अक्सैस खर्च हो गया। सरकार इस खर्च को मेकअप करने केलिए कया प्रपोज करती है? रिवाइज्ड एस्टीमैटस के मुताबिक 2. 64 करेाड़ रूपया खर्च करना था लेकिन डिपाटमैंट पहले ही 5.32 करोड़ खर्च कर चुका है और इस तरह डिपार्टमैंट 2½ करोड़ रूपया ज्यादा खर्च कर चुका है। अब 1984–85 के अन्दर सरकार किसा हिसाब से खर्च करेगी। इस बात को भी स्पश्ट कर दे। यह तो इरीगे ान वक र्ा की बात हो गई। अब जवाहर लाल नेहरू कैनाल के मैन्टेनैस की बात आती हैं। चेयरमैन साहब, हमे जवाहर लाल नेहरू कैनाल के साथ बहुत वास्ता पड़ता हैं। जिला महेन्द्रगढ के लोगो की माली हालत पानी न मिलने की वजह से बहुत ज्यादा खराब होने जा रही है।

चेयरमैन साहब, कल आपके सामने हाउस मे बात आई थी कि हरियाणा के अन्दर बहुत से गावं ऐसे हैं जहा विडियो भी है और टी.वीज. भी है ओर लेाग घ मे बैठे मूविज देख सकते हैं। लेकिन हमारे जिले के अन्दर ऐसी बात नही है। वहां नह किसी

गावं मे विडियो है और न ही टी.वी. है। अगर किसी के पास ट्राजिस्टर हो जाता है तो उसे बड़ा किसान माना जाता है। मैटेनैसं के अन्दर उस जिले मे क्या हुआ हैं? मैंटेनैस के अन्दर जा इन्फ्रास्ट्रक्चर जवाहर लाल नेहरू कैनाल का बन चुका हैं, उसमे 1983–84 मे 65 लाख रूपया ऐलोकेट हुआ था। बिजली के उपर ऐनराइजिंग के ऊपर 284 लाख रूपया खर्च हो चुका है। लेकिन अलाटमैंट सिर्फ 65 लाख होती हे। वे कैसे बिजली का बिल देंगे? आग क्या हिसाब होगा? यह मै आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहूगां। चेयरमैन साहब, ऐस्टैबलि ामैंट और पम्पस के चार्जिज इसके अलावा हैं। 284 लाख तो ऐनराइजिंग के लिए खर्च हुआ था और ऐस्टैबलिशमैंट पर 47 लाख खर्च हुआ । पम्पस वगैरा के खर्च को मिलाकर यह 4 करोड़ बनता हैं लेकिन उस 4 करोड़ रूपया मे से सिर्फ 65 लाख दिया गया। यह नाजायज किया गया हैं। इसको बढाकर जितनी वाजिब डिमांड है उतनी एलोटमैंट की जानी चाहिए।

चेयरमैन साहब, इसी तरह से वर्श 1984–85 की बात हैं। ऐनाराइजिंग के लिए पिछले साल 284 लाख खर्च हुआ था। महकमा अगर इस साल भी 284 लाख डिमाण्ड करता तो बिल्कूल जायज होता क्योकि पिछले साल का उसे एक्सपीरियंस है कि इतना रूपया खर्च हो जाता है। लेकिन 184–85 मे हमारी सरकार ने मैंटेनेस के लिए सिंर्फ 71 लाख रूपये दिए है।। इस साल भी कम पैसा दिया गया। कैसे वे बिजली का बिल देगें और कैसे वहां

पानी पहुंचेगा? इसका असर हमारे गरीब और बैक्वर्ड इलाके के किसान के ऊपर पड़ेगा। इस बात पर विचार करने की जरूरत हैं। मै सिंचाई मंत्री से दरखास्त करता हूं कि वे कृपा इस तरफ ध्यान दें।

चेयरमैन साहब, हमारे हरियाणा मे लिफट इरीगे ान के तकरीबन 50 ऐसे पम्प हाउसिज है जिनका ऐनराइज करना है। उन 50 पम्प हाउसिंग मे से 10–15 ऐसे है जो जवाहर लाल नेहरू कैनालप के तहत आते है। यह कैनाल नारनौल तक के इलाके को और राजस्थान तक के इलाके कोपानी देने के लिए इस्तेमाल मे आयेगी। उनका ऐनराइज करने के लिए 5 करोड़ रूपए की डिमाण्ड के अगेस्ट सरकार की तरफ से केवल 1 करोड 50 लाख रूपया मिला हैं। इस कैनाल का काम 1974 मे भाुरू हुआ था। यह 120 करोड़ का प्रोजेक्ट था और अब तक 80 परसैंट पैसा इस पर खर्च हो चुका है। उस पर ये टेल एन्ड के ऊपर आकर इतनी टाईटनैस क्यो कर रहे है? 5 करोड़ रूपया दिया जाना चाहिए था। अगर ये सोचते है कि बिजली नही मिलेगी तो ऐनराइज करके क्या करेग? बिजली पिछलक साल भी मिली थी। 284 लाख रूपया मे किया था। इस साल भी उतना ही मिल सकता था। इसलिए डिमाण्ड के मुताबिक 5 करोड़ रूपया दिया जाना चाहिए था। अगर ये कहते है कि पानी नही मिल पाएगा तो चेयरमैन साहब, आपको मालू है। और रोजाना हाउस के अन्दर चच्रा होती हैं कि 3.5 मिलियन एकड़ फीट पानी पंजाब से हरियाणा को मिलना चाहिए।

लेकिन बजट स्पीच देते हुए फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने नही बातया कि कितना पानी आलरेडी हरियाणा को मिल रहा है। चेयरमैन साहब, मेरी इन्फर्मे ान के मुताबिक तो वक्त आधे से थोड़ा सा ज्यादा पानी, यानि 1.8 मिलियन एकड़ फीट पानी हरियाणा मे आ रहा हैं। इस 1.8 मिलियन एकड़ फीट पानी मे से आधा हिस्सा लिफट इरीगे ान स्कीमज का बनता है। मतलब यह कि 9 मिलियन एकड़ फीट पानी इन कैनाल्ज को मिलना चाहिए। जवाहर लाल नेहरू लिफट इरीगे ान स्कीम और लोहारू स्कीम्ज को छोडकर इनका जो हिस्सा बनता है वह हमे नही मिल रहा है। इसका बंटवारा करवा कर हमारा जो हक बनता हैं वह हमे दिया जाए। इसका मतलब यह है कि 3.5 मिलियन एकड़ फीट पानी मे से 1.7 मिलियन एकड़ फीट पानी हमारा बाकी है। इस 1.7 मिलियन एकड़ फीट पानी को छोड़कर बाकी पानी हमारे हरियाणा के अन्दर आ रहा हैै। इसका डिविजन लोहारू और जवाहर लाल नेहरू कैनाल के बीच जरूर होना चाहिए।

श्री सभापतिः आपका टाईम हो गया है।

राव इन्द्रजीत सिंहः चेयरमैन साहब, आज मे एक ही प्वायंट ऐक्सप्लेन कर पाया हूं। अगर आप फिर मौका देगे तो मै उस वक्त दूसरे प्वायंट को भी ऐक्सप्लेन करूंगा। धन्यावाद।

श्री लछमन सिह (कालका): चेयरमैन साहब, जो बजट फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने 20 तारीख को इस हाउस मे पे ा

किया है, मै उसकी स्पोर्ट मे खड़ा हुंआ हू। बहुत सारे दोस्त मुढ से पहले बोल चुके हैं। अपोजी ान बजट पसन्अ नही क्योंकि इसमे कोई टैक्स नही है। जब कोई ऐसी बात न हो, जिसको क्रिटिसाईज न किया जा सके तो वह इनहे पसंन्द नही आ सकता। मै आंकड़ो मे नही जाना चाहूंगा क्योंकि वे बजट के अन्दर दिए हुए हैं। मै तो सिर्फ इनता कहूंगा कि जो जो प्वांयट मै रेज करूंगा फाईनैंस मिनिस्टर उनको नोट कर ले। 20 प्वायंट प्रोग्राम डिवैल्पमैंट का बेस है। जितने काम स्टेट के अन्दर चल रहे हैं क्या उनको ये इस पीरियड के अन्दर मुकम्मल कर पाएगें? मै इस बात को अपने हल्के से भाुरू करना चाहूंगां। मोरनी को छोड कर वहा सारे वाटर वर्कस की स्कीमज मुकम्मल है लेकिन उनकी मैंटनैंस नही हैं। मोरनी के अन्दर भी सवा डेढ करोड़ रूपया खर्च हो चुके हैं। मै सुरजे वाला जी के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि उन्हे बिजली का कनैक ान नही दे रहे है। कुछ ई.आई.सी (पब्लिक हैल्थ) के दफतर मे हभी पार्टीबाजी है। नया ई.आई.सी लगा है। वह काम को चलने की नही देता। इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, अम्बाला जिले की कुछ जगहो जैसे कालका, नारायणगढ, छछरौली और जगाधरी के साथ हिमचल लगता हैं। हिमाचल के अन्दर परवाणु मे केवल एक परसैंट सेल्ज टैक्स है। इसलिए मेरी दरखास्त है कि ये मंडिया जो बरबाद हो गई हैं इनको आबाद करने के लिए सेल्ज टैक्स की भारह रिडयूस

की जाए। इसी तरह से चेयरमैन साहब, चंडीगढ के अन्दर जो पंजाब से माल आता हैं।उस पर 1 परसैंट सेल्ज टैक्स है लेकिन हरियाणा का सेल्ज टैक्स वही है जो दूसरी जगहों पर लगा हुआ है। हरियाणा मे चंडीगढ हमारा है तो यह कंसै ान होना चाहिए। चेयरमैन साहब, मै एक दूसरी बात अर्ज करना चाहता हूं। हम आजकल बड़े मु ि कल मे पड़ जाते है, जब अखबारों मे पढते हैं दस एकसट्रीमिस्टस का जत्था हरियाणा आया हुआ है। पता नही अखबार वालों को खबरे कौन देता है? अखबार वालो को कैसे पता लगा? जत्थे वाले कौन है ये उनका नाम भी नही बताते? दूसरे कौन सी जगह पर जत्था एन्टर यिा है यह भी बताया जाता। इस तरह माइनोरिटी कम्यूनिटी के लिए मुसिबत खडी़ हो जाती हैं। माइनोरिटी कम्यूनिटी के नौजवान का पुलिस बुला लेती है। पुलिस का व्यापार बन गया हैं। वह इस बहाने से लोगो का तंग कर रही हैं। पुलिस कहती है कि हरियाणा मै एक्सट्रीमिस्ट घुस गये हैं। मै यह बात ललकार के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि इस चीज का कोई प्रूफ नही मिला करता, इतलाह मिला करती है। जिनके ऊपर कन्फीडैन्स है और पैसा देते हैं, वे अपने आप बता जाया करते हैं। चेयरमैन साहब, मै खास तौर पर चीफ मिनिस्टर साहब का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि करनाल जिले मे कुक्म्मल तौर पर इन्कवायरी करे। वहा पर पुलिस वाले लोगो को बड़ा परे ाान कर रहे हैं। पुलिस वाले एक प्रकार से व्यापार सा बनाकर बैठ गये है। सी. आई. ए. का जो इन्सपैक्टर है उसने तो बड़ा मोटा धन्धा कर लिया हे। मै यहां नही देना चाहता क्योकि ये

कहेगें कि यह अच्छी बात नही। बस मै इतना ही कह कर इस बात को यही समाप्त करना चाहता हूं ।

चेयरमैन साहब, चंडीगढ़ का ई ा बड़ा टिकलि ा इ ा हैं, यह बात चारों तरफ फैली हुई है। अकाली कहते हैं कि एक ईकाई बना लेगे और उधर डाक्टर साहब कह रहे है कि हमें फाजिल्का अबोहर मिलना चाहिए। सब से ज्यादा मै इस के हक मे हूं कि चंडीगढ हरियाणा को मिलना चाहिए क्योकि मेरा हल्का इसके साथ ही लगता है। चेयरमैन साहब, इस मामले को आज 12–13 साल हो गये है, फिर भी फैसला नही हुआ। चण्डीगढ हरियाणा को मिलना चाहिए, मेरी अपनी राय है। हाउस के मैम्बर्ज की क्या राय हैं, वह अपनी बता दे। यह झगड़ा खत्म हो सकता है। अकाली भी चाहते है कि उनका और जगह चाहिए और उधर हरियाणा भी चाहता है कि उसको और जगह चाहिए, फिर क्यों नही तीनो स्टेटस का इक्टठा कर दिया जाये? गर्मियों का कैपिटल ि ामला हो जाये और सर्दिया का चण्डीगढ हो जाये। यह बहुत अच्छी प्रौपोजल है। डाक्टर साहब मेरी बात पसन्द करे या न करें। वे अपने ख्यालात बातयें। यह सब कुर्सी की बात है और कुछ नही। बहुत अच्छी स्टेट बन सकती हैं।

चेयरमैन साहब, अब मै फोरेस्ट बोर्ड के विशय मे एक बात कहना चाहता हूं। वैसे तो यह बहुत सगीन मामला है। आपकी मार्फत फाईनैस मिनिस्टर साहब से निवेदन करूंगा कि वे नौट कर ले। कुरूक्षेत्र के अनदर डी.एफ.ओ. को 600 किलोमीटर लम्बी

रोज पलान्टै ान करने के लिए दी । उसेन प्लान्टे ान करने बाद रिपोर्ट दी कि मैने अपना काम पूरा कर लिया है लेकिन उस पर 18 लाख रूपये ज्यादा खर्चा आया है। यह रिकार्ड की बात है। ये कहते हैं कि हमे लिख कर दों। जब हम हाउस मे कोई बात कहते हैं तो वह लिख कर ही होती है। डी.एफ.औ. कुरूक्षेंत्र ने 18 लाख रूपया फालतू खर्च कर दिया। जब उससे पूछा गया कि 18 लाख रूपया फालतू क्यों खर्च कर दिया तो उसने जवाब दिया कि मैने 1100 किलोमीटर रोज री चैकिंग फालतू की है। अब सवाल आया कि इस पेसे को कैसे एडजस्ट करे। 31 दिसम्बर 1983 तक की बात थी कि इस पैसे को कहां से पूरा करे क्योकि बजट मे पैसे को प्रोविजन था। इन्सपैक्टर जनरल फोरेस्ट हरियाणा मे आये थें। उनसे कहा कि पैसे दे दो। उन्होने कहा कि हमारे पास पैसा बहुत है दे देगे। आज मंत्री महोदय ने कहा कि उनका इस बारे मे कुछ पता नही है। डिपार्टमैंट के वजीर हका पता नही है लेकिन लछमन सिंह जो सौ किलामीटर पर रहता है। उसे पता है कि कितनी अजीब बात है। फिर ये डिपार्टमैंट के वजीर क्या करते है? खैर उसका भी कसूर नही है उसक बेचारे मेा ऐसे हालात का पता नही नही हैं। फौरेस्ट बोर्ड का कोई वालीवारिस नही है। अगर बोर्ड के चेयरमैन साहब, को यह कह दिया जाये कि भार्मा जी आपने तो कमाल ही कर दिया तो वे इसी बात पर जफी डाल लेते है।बडी़ खु ाी की बात हैं है और वह समझता है कि मेरी बड़ी इनटैलीजेन्सी है क्योकि उासकी तारफ की है। चेयरमैन साहब, यह कोई प्रैस्टिज की बात नही है। आपको याद ही होगा श्री राजीव

गान्धी काग्रेस पार्टी के जरनल सैक्क्रीरी नेहरू प्राइम मिनिस्टर हुआ करते है, मुदड़ा सेकेन्डल के खिलाफ आवाज उठाई थी ।उसकी इनवैस्टीगै ान हुई थी। इसलिए मै चाहूंगा कि फोरेस्ट बोर्ड मे हुए घपलो के बारे मे हाउस की एक कमेटी बनायी जाए और वह इस बारे इन्कवायरी करें। इसमे करोड़ो रूपये का सकैन्डल है, लाखों की बात नही है। एक महीने के अन्दर अन्दर वह कमेटी हाउस को रिपोर्ट दे और रिपोर्ट आने पर दुबार हाउस को बुलाया जाये ताकि उस रिपोर्ट को यहां पर डिस्कस किया जाये। इस बारे मे मैै डाकुमैंटरी प्रुफ देना चाहूंगा। दस करोड़ की सैपलिंग इन्होने लिखी है और तीन करोड़ 67 लाख 28 हजार 500 की ईल्ड बातयी है। दस करोड़ मे से आज चीफ मिनिस्टर सहाब बता रहे थे कि दस करोड़ प्लाटस लगा दिये हैं। बड़ी खु ाी की बात है। चेयरमैन साहब, अगर बोर्ड और फोरेस्ट डिपार्टमैंट को मिला कर हिसाब लगाया जाए तो तीन करोड़ से ज्यादा की प्लानटे ान नही हुई है। यह उनको रिकार्ड की बात है और खुद मानते है। सात करोड़ सैपलिंग है। ये चार आने सेपलिंग के लेते है। सैपलिंग के पौने दो करोड़ रूपए बनने चाहिए। पौने दो करोड. तो वही एड हो गए। ये करते क्या है? दरखत कागजों मे उगा लेते हैं। चार आने मे दे देते हैं और चार आने पोकेट मे डाल लेते हैं। इस तरह से दो करोड़ रूपया अपनी पोकेट मे कर गए। यह कितना बड़ा स्कैन्डल है। कोई सुप्रीम कोर्ट के रिटे करने जा रहे है। ये सब लोग बोर्ड मे धांधली के खिलाफ रिट कर रहे है। यह बड़ा भारी सैक्न्डल बन जाऐगा। लोगो ने

रिटे लिख ली है और सुप्रीम कोर्ट मे करने जा रहे है। हरियाणा का माल इस बोर्ड की मार्फत लूटा जा रहा हैं। फोरेस्ट की कीमत पिछले एक साल मे तीन सौ गुना बढी है क्योकि यह मनोपलाईज स्टेट हेा गई हैं। यह बड़ी बदकिस्मती की बात हैं कि हमारी आमदन आधी भी नही रही। दरखत सारे काटे जा रहे हैं, tree are slaughtered in Haryan. There is butchering of trees in Haryana. प्राईम मिनिस्टर साहिबा ने कहा है कि दरखतों को बचाऔ लेकिन यहा कटाई का अभियान छेडा हुआ है कि दरखत कटाऔ। बहिन भाारदा रानी जी हर बक्त कहती रहती है कि हरियाणा लूट गया। मोटे मोटे सब दरखत काट दिये गये। यह कोई ठेकदारों ने नही काटे, ये तो फारेस्ट डिपार्टमैंट ने काटे हैं।(ाोर) इसकी छानदान के लिए हाउस की कमेटी बनायी जाऐ। आज चेयरमैन साहब, हरियाणा के चीफ कनजर्वेअर साहब फारेस्ट को खुउडे लाईन लगा रखा हैं। वह ईमानदार आदमी हैं। चेयरमैन साहब, आज यहा करोड़ो रूपये का बंगलिंग हा सरकार को पता न हो। मै समझता हूं अगर चौधरी भजन लाल के नोटिस मे यह सारी बात आ जाये तो वे पैसे के मामले मे बख्भाने वाले नही हे। यह मै बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। भाायद उनको सारी बात का पता न हो लेकिन उनका यह कहना कि लिख कर दिया जा सकता हैं जब कि हम जिम्मेदारी के साि यहां हाउस मे कह रहे है। हाउस की कमेटी बनायी जाये और वह हाउस मे कह रहे है। हाउस की कमेटी बनायी जाये और वह हाउस के अन्दर एक महीने के अन्दर अन्दर रिपार्ट पे ा करें। अगर यह बात गलत होगी तो

मै इस्तीफा दे दूंगा असैम्बली को मैम्बरी छोड़ दूंगा हाउस छोड दूगां। एक महीने से ज्यादा का समय इन्कवायरी के लिए न दीजिए। इस इन्कवायरी मे श्री गुरनाम सिंह जी को भी न लगायें। इंसपैक्टर जनरल फोरेस्ट का लगाया जाये या किसी औरप स्टेट के चीफ कन्जवैटर का लगाया जाये। जिस स्टेट का चीफ कन्जर्वैटर हरियाणा की सरकार को पसंद हो वही इन्वेस्टीगे ान के लिए लगाया जाये। यह स्कैन्डल नही है बल्कि हरियाणा का खजाना लूटा जा रहा है।

चेयरमैन साहब, पीने के पानी के प्रबन्ध के लिए 20 प्वायंट प्रोग्राम चलाया है। यह भी कम्पलीट नही हो रहा है। पीने के पानी की मु कल पर रही है। दूसरी और पैसा एक हाथ से लुटाया जा रहा है।। ये जो करोडो़ के दरख्त लगाये जा रहे हैं इनमे हरियाणा को लूटा जा रहा हे। ये बताये कि यह पैसा कहा गया। इसलिए चेयरमैन साहब, मै सरकार से हाथ जोड कर दरखास्त करूंगा कि वे रिटों से बचे, वरना महाराश्ट्र स्कैंडल से भी बुरा स्कैंडल बनने जा रहा है। रिटे दायर करने के लिए लोग तैयार बैठे है। कोर्ट मे जाने के लिए कोई दिक्कत नही है। एक नही बहुत सारे आदमी तैयार बैठे हैं क्योंकि सभी लोगों को हरियाणा के हितो से प्यार हैं। दूसरी एक और इन्कवायरी करवाये। फारेस्ट गार्ड केवल 500–600 रूपये तन्खाह लेता है। लेकिन ये दर्जनों नही, सैकड़ों की तादाद मे मोटर साइकिल लिए फिरते है। जब उनसे पूछा जाता है कि आप लोग तो बोर्ड के

मुलाजिम बन गए , आपको तो पैन् ान भी नही मिलेगी। वे कहते है कि हमे पेन् ान नही चाहिए, पैन् ान का क्या करना है। ऐसी बहार तो हमारी पले कभी नही आई। इसलिए इस बारे मे इतनी चीख पुकार है जिसकी कोई हद नही। ट्रेजरी बैंच्जि के सब आदमीयों की जुरूरत होती हैं कि सच को सच कह दे। इसलिए चेयरमैन साहब, टी.टी. कृश्णामचारी का केस मौजूद है। उस केस को मद्देनजर रखते हुए इस केस की थारेा इन्वेसटीगे ान की जायें। दूसरी बात मै एस.वाई.एल. की करना चाहूंगा। मेरी ओपीनियन है कि इस विधान सभा की टर्म मे यह नहर बनने वाली नही है। चेयरमैन साहब, मै दरखास्त करूंगा कि कालका कन्सटीच्यूऐंसी मे जगह जगह बांध बनाये जाये। वे थोड़े से पैसे मे बन जायेगें। इनसे इरीगे ान का मामला हल हो सकता है। अम्बाला जिले के मोरनी हिल्ज के ऐरिया मे टीचर्ज नही है औरप न ही वहां कोई जाना पसंद करता है इसलिए लोकल टीचर्ज रखे जाने चाहिए। इसके अलावा यहा के स्कूलो का अपग्रेड भी नही किया जा रहा है।। चीकन गांव के स्कूल को अपग्रेड किया गया था। लेकिन जब डी.ई.औ. को यह इतलाह मिल गई कि लछमन सिंह के साथ जरा सी गड़बड़ हुई है तो उस स्कूल को डाउन ग्रेड कर दिया गया । इस प्रकार की बातों से मुझे कोई फर्क पढने वाला नही है। इन्होने मेरे हल्के के 20 आदमीयों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हुए है और वे सब कांग्रेसी आदमी है। बड़ी खु ाी की बात है। पार्लियामैंट का चुनाव नजदीक आ रहा है। जब कभी वे उस ऐरिया मे जायेगें तो लोग कांग्रेस के खिलाु

दीवारो की तरह खड़े मिलेंगे। मुझे फर्क नही पड़ता। ये खुद ही अपना नुकसान करेगे। काग्रेस पार्टी की जड़े खोदी जा रही है। हिदायत है कि हरेक आदमी ईमानदारी से काम करे। एम.एल.ए. भी करे और मिनिस्टर भी करे। जहां पर आज तरह तरेह की चर्चा चलती हो तो गलत बात है। पूछताछ इसलिए नही हो रही है क्योंकि यह हमारे से डाईसैट तो करते ही रहेगें। मैरे जैसे आदमी को जब ज्यादा तंग किया जाता है तो वह और ज्यादा टाइसैंट करता हैं। हम दोस्ट तो है लेकिन अगर केाई नुकसान हो जाये। हमने कभी परवाह नही की (ाोर) . . . . . चेयरमैन साहब, अभी मै पांच मिन्ट और लूंगा। मै तो काम की बात कह रहा हूं। बाकिया ने तता गीत ही गाने हैं। (ाोर) ये कहते है कि हरियाणा के अन्दर भय का वातावरण नही है।(ाोर)

चेयरमैन साहब, मै यह अर्ज कर रहा हूं कि हरियाणा के अन्दर . . . . . .(व्यवधान) वह कहते है कि भय का वातावरण नही है लेकिन मै इस बात को मानने के लिए तैयार नही हूं।

प ा पालन राज्यमंत्री (चौधरी लाल सिंह): चेयरमैन साहब, बाकियो ने गीत गाने है, उन्होने यह कहा है कि हम किसी के नौकर नही है जो हमने गीत गाने है।(व्यवधान) आप मैरी बात तो सुनिये। हम यहा पर किसी के गुलाम नही हैं। हम जीत कर आये है। हर किसी को अपनी बात कहने का यहां पर हक है।

बाकी सब ने तो गीत गाने है, इसका क्या मतलब है? वे लफज कार्यवाही से काट दिये जाये।

श्री सभापतिः लाल सिंह जी, आप बैठिये इनको बोलने दीजिए।

श्री लछमन सिंहः चेयरमैन साहब, इनका तो किस्सा ही नही है। मै चेयरमैन साहब, यह कह रहा था कि आज प्रदे ा के अनदर सिर्फ एक कम्यूनिटी मे भय का वातावरण को दूर किया जाये। इस दे ा मे हम सब लोग रहते हैं और यह दे ा सब का सांझा है। अगर आज पंजाब के अन्दर वातावरण खराब हैं तो वह बहुत ही बुरी बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, और बहिन भाान्ति देवी जी के ऊपर जा हमला हुआ है, यह बड़ा ही अफसोसनाक हैं। मै जानना चाहता हूं कि ये दोनो ही बड़े भारीफ इन्सान है। बहिन जी के बारे मे मै तो बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ। वे बहुत ही भारीफ औरत है। इनके ऊपर जो हमला हुआ है, यह कंडेमबेल है लेकिन इस बात को लेकर किसी एक कम्यूनिटी के लोगों को गिरफ्तार किया जाए तो उचित नही है। दूसरी कोमों मे भी एक्सट्रिमिस्ट्स हो सकते है। यह बात नही है कि एक ही कम्यूनिटी के अन्दर ऐसे लोग मौजूद हैं। आज हर कौम, हर बिरादरी और प्रदे ा के अन्दर ऐसे लोग मौजूद हो सकते है। मै यह कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार को इम्पा ोली काम करना चाहिये। चेयरमैन साहब, मै लाखन माजरे की पंचायत का भाुक्रिया आद करना चाहता हूं। एक आम बात कही जाती है कि पंजाब का

असर हुआ है। यह भाहरों मे ही क्यो हुआ हे। देहातेा मे क्यों नही हुआ? मै इस बात से भी ज्यादा मुसतफिक हूं कि सिर्फ 3–4 भाहरों मे ऐसी बात हुई हैं। गुरूद्वारा लाखन माजरा एक बड़ा ही हिस्टौरीकल गुरूद्वारा है। वहा की पंचायत ने पुलिस को भगा दिया और यह कहास कि हम खुद पहरा देगें। हम खुद निगरानी करेगे और आज तक वहां के जाअ लोग पहरा दे रहे है। मै उनका भाुक्रिया अदा करता हूं और स्टेट गवर्नमैट से यह कहूंगा कि उस पंचायत को मान पत्र दिया जाये। पंचायता को सम्मानित किया जावें क्योंकि उसने बहुत बड़ा पुन्न काम किया है। इन भाब्दों के साथ मै आपका भाुक्रिया अदा करता हूं।

श्री मंगल सैंन(रोहतक): चेयरमैन साहब, आपका धन्यवाद आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए मौका दिया। कटार सिंह जी ने जो बजट 20 तारिख का पे ा किया था, उस पर आज भी चर्चा चल रही है। यह बजट सै ान इसीलिये होता है। ताकि सरकार के कामकाज का लेखा जोखा, हिसाब–किताब साल भर का किया जाये। आगे पीछें ता हमे मौका मिलता ही नही है। भजन लाल जी जब से यहा पर मुख्य मंत्री आये है, जब से ही सै ान का कम से कम करते है ताकि लोग अपनी बात कह न सके। यह जो बजट पे ा किया गया हैं। कोई कह रहा था कि टैक्सलैस है, फेसलैस और कलरलैस बजट है। यह हरेक चीज से लैस बजट है, यह आबजैक्ट लैस और थौथा बजट है। यह तो प्योर तथा सिंम्पल इलैक ान बजट है।

श्री सभापतिः कान्ट्रावर्सी–लैस भी तो है।

श्री मंगल सैनः यह तो आपकी राय हो सकती है। जब आपको मौका मिलेगा तो आप बोल लेना।

श्री सभापतिः मैं तो इस बारे मे आपकी राय पूछ रहा था।

श्री मंगल सैनः तो मै यह निवेदन करना चाहता हूं कि बजट मे जो घाटा बाताया गया है जब इन से पूछा गया कि यह कैसे पूरा करेगें तो कहने लगे कि स्माल सेविग्ज कर लेगें। कटार सिंह जी, स्माल सेविंग्ज सर्टीफिकेट्स के बारे मे मार्च के महीने मे कैसे धाधली मचती हैं। यह तो भाायद आपको पता ही होगा आपका टैक्से ान महकमा आपको बताता ही होगा कि 31 मार्च का पैसे जमा करवा दिये और एक अप्रैल का निकाल लिये। वास्तव मे सरकार को जो प्लानिंग है, सरकार का जो फक ानिंग का सिस्टम हैं, वह बड़ा बेतुका है। इसलिए यह घाटा और ज्यादा होगा। चेयरमैन साहब, इन्होने घाटा थोड़ा दिखाया है। वास्तव मे यह घाटा बहुत ज्यादा हैं। इस घाटे मे बोर्ड और कार्पोरे ान के जो घाटे है, वह भाामिल नही है। आप को मालेम है कि बोर्डज की फक ानिंग का क्या हाल है। कानकास्ट के बारे मे सुरजेवाला साहब आज सुबह ही कह रह थे कि उनसे बिजली के पैसे लेने है। हरियाणा मे मार्किटिंग बोर्ड का भी ठीक हाल नही है। मार्किटिंग बोर्ड मे तिरपालों के बारे मे बहुत हेरा–फेरी हुई थी।

बोर्ड के कई सैक्रेटरी सस्पैंड कर रखे है और एग्रो इंडस्ट्री कार्पोरे ान मे हुई गडबड़ के बारे मे तो यहां पर रेज ही भुगल होता रहा हैं। हमारे साबका मैम्बर उसके चेयरमैन साहब, थे। उनको टिकट भी नही मिला। वहां क अकाडन्ट्स आफिसर, जिनके खिलाफ लाखो रूपये के गबन का मामला चल रहा था, उनको कल ही री–इन्सटैट किया है। लोगों ने एतराज भी किया लेकिन उनकी एक नही सुनी गयी। कटार सिहं जी दूसरी तरफ एक बात यह भी कहते हैं कि अगर कोई कुरप ान का मामला हो तो हमोर नोटिस मे लाईये। आपकी ही पार्टी के मैम्बर श्री लछमन सिंह जी ने कराड़ेा रूपये के इल्जाम लगाये है और यह कहा है कि इस हाउस की एक कमेटी बना दे जा छानबीन करे। जो बात उन्होने कही है, अगर वह गलत हो तो वे इस्तीफा दे देगें। भ्रश्टाचार की कहानी एक हो तो मै कहू, चौधरी भजन लाल जी को तो सब कुछ पता ही है। मै नाम नही लूंगा एक फूड इंसपैक्टर का इन्होने रगें हाथो पकड़ लिया लेकिन आप देखना चेयरमैन साहब, वह भी थोडे दिनों मे री–इन्सटैट होगा। अव्वल मे तो वह अब तक हो चुका होगा। आज आप जाकर फुड इंसपैक्टर की कोठियों देखे। माननीय सभापति जी, आप देखिये, आजकल कर्मचारियों का हाल है। आप कोई भी महकमा ले लिजिये, सब मे यही हाल मिलेगा। कटार सिंह जी, मार्च–अप्रैल मे ट्रान्सफर्ज का मौसम आ रहा हैं। चौधरी भजन लाल जी, अगर आप सचमुच की क्लीन एडमिन्स्ट्रे ान का दाबा करते हो तो यह बातइये कि ताबादलों के लिये कौन आते हैं। नीचले लेवल पर जिलों मे जो कलर्कस हैं,

उकना क्या हाल हैं, इसका आप विजिलैंस से मुआइना कराइये कि उनकी आमदनी कितनी है और उनके असैटस और खर्च कितने हैं। आपको सब कुद पता चल जायेगा। इस बात की तरफ इसलिये ध्यान ने देना कि यह बात अपोजी ान वालों ने कही है, ठीक नही हैं। आप सिक्योरिटी वालो से पता करवा लें, सारी असलीयत का पता लगा जायेगा कि जो बात हम कहते हैं, वह सही है या गलत है। भ्रश्टाचार सारे मुलाजिमो और अफसरेा मे है। मैने पहले भी कहा था कि जो बातें मै कह चुका हूं। मै उनको दोहराना नही चाहता। इनके एक बड़े ही गहरे दोस्त भगवान को प्यारे हो गयें, लाला हरि राम जी। उन्होने इनका बाताया होगा कि वे किस तरह से समगलिंग करते थे। किस तरह से वे फूड एण्ड स्प्लाईज के महकमे से मिलकर टैक्सों की चोरी करते थें क्योकि वे समगलिंग मे बड़े ही काबिल आदमी थे। वे इनके दोस्त थें। हमारे साथ भी जेल मे रहे क्योकि उस वक्त के हुक्मरानो ने उनको कुद ऐसे वेसे गलत मामलो के इल्जाम मे बन्द कर रखा था। मै यह कहना चाहता हूं कि आज हमारे प्रदे ा की सारी इकौनामी भौटर हो गयी हे। कैसे यहां पर जिन्दा रहे। श्री लछमन सिंह जी ने ठीक ही कहा है। उन्होने तो उस दिन बड़ा अफसोस जाहिर किया था और कुद औपर ही कहा था। मुझे खु ाी है कि उन्होने अपनी राय बदल ली है। पहले तो वह यह थें कि चंडीगढ पंजाब को दे दों और उसके बदलक मे पैसे ले लो, लेकिन अब उनकी राय यह है कि चंडीगढ़ पजांब हरियाणा और हिमाचल को मिलाकर फिर से इकट्ठा दिया जाये। मुससे वे कहने लगे कि इस बारे मे

आपकी क्या राय है। मेरा कहना यह है कि श्रीमति इंदिरा गांधी अपोजी ान की कोई बात नही सुनती । भजन लाल जी कहते हैं आप इस बारे मे कोई प्रस्ताव दो। हम आपको क्या प्रस्ताव दे। आप हमारी बात को मानते ही नही हों। हमने कहा था कि भााह कमी ान ने जो फैसला दिया उसका लागू करवा लो। लेकिन वह भी नही माना और चंडीगढ पंजाक को दे दिा गया । हरियाणा के नोजवानो को गोलियो से भुन दिया। आप संसार की नेता कहते हो और इस दे ा की भी नेता है, उसने दो अवार्ड दिये। क्यों नही आपकी काग्रेस सरकार आज तक उनको लागू करवा सकी? अगर इस के बावजूद भी हमे यह कहते हो कि अपोजी ान वाल कुछ सलाही नही देते तो यह व्यर्थ की बात हैं। आप अपनी झेंप उतारने के लिए ऐसा कहते हो। इस झेप की आपके भाब्दो मे झलक रहती है। आपके मन मे तो बात है लेकिन कहने से मजबूर है। आखिरकार नौकरी का सवाल हैं। मै आपसे प्रार्थना करता हू कि आप सैन्ट्रल गवर्नमैंट को कहिए कि वह इस दि ाा मे कुछ एक्ट करे। उनको माहोल ठीक करने के लिए कुछ करना चाहिए। जो लेाग आज बेगुनाहो को कत्ल कर रहे हे, उनको सजा मिलनी चाहिए। जो लेाग राश्ट्र द्रोह की बात करते हैं, उनके लिए इस दे ा मे कोई स्थान नही है। आज समाज मे बर्गवाद की कोई भी बात सहन नही की जाएगी। यह बात बिल्कूल घटिया है कि हिन्दू और सिख अलग अलग हैं। मै कहना चाहता हूं कि हिन्दू और सिंख एक ही है। हां मुसलमान नही है। बन्दा बैरागी ने गुरू पुत्रो के लिए अपना बलिदान दिया। हिन्दु और सिंखो ने मिलकर इस

दे ा की लडा़ई लड़ी है। मेरा कहना है कि जब तक पंजाब मै अमन स्थापित नही होगा, स्थिती नही सुधरगी तब तक हरियाणा मे भी चैन नही होगा। यहा भी डर बना रहेगा। सदन मे लाखन माजरा की बात कही गई लछमन सिंह जी हम हरियाणावासी, किसी भी धार्मिक स्थान पर आंच नही आने देगे। इनहोने कहा कि एक वर्ग के लोगों का पकड़ कर हैरास किया जा रहा है। मै यह तो नही कहूंगा कि सरदार लछमन सिंह की उग्रवादियो को पकड़ने या सजा देने की म ंा नही हैं, परन्तु यह कहना है कि एक ही वर्ग के लोगो का पकड़कर हैरास किया हैं, कुछ जंचती नही हैं। मै तो यहा तक कहना चाहूंगा कि उग्रवादी चाहे किसी भी वर्ग से सम्बन्ध रखता हो, उनका लिहात नही करना चाहिए। सच्चाई का ढूंढने के लिए कानून का इस्तेमाल करने का जो भी तरीका है, वह इस्तेमाल करना चाहिए।

श्री लछमन सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मेरा कहने का मतलब यह था कि किसी एक ही वर्ग के लोगो का न पकड़ा जाए बल्कि जो भी उग्रवादी है, चाहे वे किसी भी वर्ग से ताल्लूक रखते है, उनको सजा दी जाए।

श्री मंगल सैनः मैने आपकी बात ठीक केटैक्ट मे समझी है। उग्रवादी हरिजन भी हो सकता है, किसी और जाति का आदमी भी उग्रवादी हो सकता है। उग्रवादी को पकड़ने मे कोई लिहाज नही करना चाहिए। जो लोग बेगुनाहो का मौत के घाट उतार रहे है, उनका सजा देनी चाहिए। उनका कोई लिहाज नही

करना चाहिए। सभापति जी, भाक के वातावरण मे, भय के वातावरण मे सारे प्रदे ा की इकौनोमी भौटर हो रही है। व्यापारप मन्दा होता जा रहा है और बसेो की सवारियां कम हो गई है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): डा. साहब पंजाब की तरफ से लोग कम आते है।

श्री मंगल सैनः ठीक है। यहा से वहां नही जाते और वहां से यहां नही आते। हमारी सरकार को अपने गुड औफिसिज का इस्तेमाल करना चाहिए, वरना दे ा का क्या होगा इसका अन्दाजा नही लगाया जा सकता। इसलिए आप हालात को ठीक करे। मै एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि अब धर्म के नाम पर और जिन्हो के रास्ते पर चलकर जो लोग दे ा के बंटवारे का ख्वाब देख रहे है, वे ख्वाब उनके पूरे नही होगें। इस दे ा की जनता इस बात को अब कतई सहन नही करेगी, इस चीज के लिए चाहे कितना ही बड़ा बलिदान करना पड़े लेकिन बंटवारे को यह दे ा अब कभी भी बर्दा त नही करेगा।

सभापति जी, मै बिजली बोर्ड के बारे मे कुछ कहना चाहता हूं। अगर हम बिजली बोर्ड के ऊपर डिस्क ान की मांग करते है तो आपका सैक्रेटरीएट डिस्क ान नही करने देता काल अटैन्ा ान मौ ान के जरिए इतना ज्यादा डिस्क ान हो नही सकता और सारी बाते जनता के सामने नही आ सकती। हमारे मुख्य मंत्री जी, को फुरसत ही नही है कि उनके पास उन्नीस

महक्में है। सभापति जी, उन्होने उन्नीस महकमो का बोझ अपने ऊपर लाद रखा है। भाम ोर सिह जी आप बिजली मे मंत्री है आपने तो वश्य 1980–81 की एडमिनिस्ट्रेटिव रिर्पाट पढी होगी। आपको तो पढने की फुरसत है। सभापति जी, बिजली बोर्ड की 1980–81 की एडमिनिस्ट्रैटिव रिपार्ट के सफा 27 पर लिखा हैं:– .. ..“the net loss after meeting the interst charges is Rs. 31,20,49,286.....” सभापति महोदय, इस रीजन का बहुत अच्छा अखबार जिसका नाम ट्रिब्यून हैं, उसके स्पै ाल स्टाफ कोरसपौडैंट ने दो राई–अप दिये हैं। उसने कहा है कि बिजली बोर्ड के पास डे–टूडे की एक्टीविटिज के लिए पेसा नही है। रेलवे स्टे ान पर डेढ करोड़ रूपए का माल पड़ा है लेकिन बिजली बोर्ड पैसे के बिना उसको छूडा़ नही सकता। रेलवे अथारिटीज कहती है कि हम नीलाम कर देगें। वोर्ड ने सरकार को 613 करोड़ 84 लाख रूपया देना है और बीस करोड रूपया हुडडा को देना है। पता नही हुड्डा को यह पैसा वाबिस कब मिलेगा। हमारे मुख्य मंत्री जी, कहते है कि बिजली बोर्ड सो ाल आर्गेनाइजै ान हैं। यह ता जनाता की सेवा करता है। सभापति जी, यह जनता की सेवा नही करता बल्कि बड़े पूंजीपतियों और उधोगपतियों को मालामाल करने के लिए बना हुआ है। इसका सिस्टम बहुत डिफैक्टिव है। जितनी इलैक्ट्रिसीटी कैरी होनी चाहिए, जितनी जनरेअ होनी चाहिए वह नही हो रही हे। सभापति जी, पिछले दिना इन्होने ट्रासंफर की पोलिसीबनाई जिससे बौर्ड की सारी फं ानिंग फ्रस्ट्रैटिड हो गई। सभापति जी, गवर्नमैंट आफ इन्डिया की एक

सैन्ट्रल इलैक्ट्रिसिंटी अथोरिटी हैं। उसने कहा कि जिन टैकनीकल हैण्डज को थर्मल प्लांटस मे लगाना है, उनको पहले अठारह महीने ट्रैनिंग दो, उसके बाद थर्मल प्लांट मे लगाया जाए, लेकिन इन्होने उस एडवाईज का भी इग्नोर कर दिया यह कह कर, कि " It is an internal matter of an autonomous body." सभापति जी हरियाणा के किसान, मजदू और आम आदमी को गाढे पसीने की कमाई फिजूल खर्च की जा रही है। इसलिए क्या सरकार इस एच.एस.इ. बी. को डिस्बैंड करेगी? हमे मालूम हैं कि काम किस लेवल पर ठीक होता है और कहां पर आपके एम्पलाईज करप्ट है। अगरन बिजली बोर्ड पर डिस्के ान किया जाए तो हम हाउस मे इन सारी चीजों को नंगा कर सकते है। चेयरमैन साहब, हरियाणा के अवाम की जिन्दगी पानी और बिजली पर निर्भर करती हैं। सरदार लछमन सिंह ने अभी अपनी स्पीच मे एस.वाई.एल. के बारे मे कहा कि यह नहर इस विधान सभा की लाईफ मे नही बन सकेगी।(ाोर) नापथा झांकड़ी के बारे में मुख्य मंत्री जी, तथा सिंचाई मंत्री ने कहा है कि अभी उसकी फाईनैि ायल ऐप्रूवल भारत सरकार से नही मिली है ओर मुझे भाक है कि भारत सरकार इसको मन्जूरी नही देगी। मैने इस बारे मे एक नोट तैयार किया है, यानी होम वर्क किया है। काफी लम्बा नोट है। मैं यहां उसको नही पढ सकता और न कोई पर्सनल बात कहूंगा। सरकार को बिजली बोर्ड के बारे मे हाई कोर्ट के जज से इंक्वायरी करवानी चाहिए और इसको डिस्बैंड करवाए।

श्री सभापतिः डा. साहब आप के पांच मिनट बाकी हैं। आप वाईंड–अप कीजिए।

13.00 बजें

श्री मंगल सैनः सभापति जी, मुझे आप सात आठ मिनट दे दिजिए। तभी मै पूरी बात कह सकूंगा। सभापति जी, सरकार ने गुड़गांव के पडौस मे जमीन ऐक्वायर की हैं। खांडसा गांव मे मेरे एक लायक दोस्त श्री एस.डी.भार्मा। उन्होने मुझे बताया है कि दस लाख की आबादी के लिए सरकार यह जमीन ऐक्वायर कर रही है। इस सरकार ने गुड़गांव के आस पास के लोगों को बेजमीन बनाने की योजना बनाई है। सभापति जी, अच्छा होता अगर दिल्ली के नजदीक फरूखाबाद, धारूहेड़ा आदि मे इस सारे प्लान को स्कैटर्ड कर देते और आबादी को एक जगह अढाई लाख से ज्यादा न बढने देते। दिल्ली को दूध सब्जी आदि चीजो की जरूरत हैं वह सप्लाई करते। अगर इस तरह की योजना बनाते तो अच्छा होता। इस तरह से एक ही जगह के किसानों की जमीन ऐक्वायरप होने से बच जाती। इतने सस्ते भाव पर जमीन लेकर के आगे किस भाव पर जमीने बेच रहे है? चेयरमैन साहब, मैने एक कामल अटैन्ा ान मो ान दी है जो कोआपरेटिव सोसायटीज को जमीन देने के सम्बन्ध में है। मैने चीफ मिनिस्टर साहब को कहा कि आप इसके लिए सैक्रेटरी मुकरर्र कर दिजिएगा ओर मेरी याय मान लिजिए। कोआपरेटिव सोसायटीज की रजिस्टर्ड हुई है, उनकी एक फेडरे ान बनी हुई है मै जानता हूं कि अ ापने दो सैक्रेटरीज

की कमेटी बनायी हैं, उस कमेटी मे आप इन रजिस्टर्ड कोआपरेटिव सोसायटीज के नुमाइन्दे भी भामिल कर लिजिएगा और जमीनो के रीजनेबल रेटस मुकरर्र कीजिएगा। परन्तु यह उचित नही है कि 75 हजार रूपये एकड़ के हिसाब से जमीन लेकर के आप आगें 12 लाख एकड़ के हिसाब से बेचे सरकार इस बारे मे अपनी स्थिती स्पश्ट करे।

इससे आगे चेयरमैन साहब, मै आपको यह बताना चाहता हूं कि जो दवाईया है, उनक पर 8 परसैन्ट सेल्ज टैक्स लगा रखा है हालाकिं पडौ़सी राज्यों मे 5 से 7 परसैन्ट तक टैक्स हैं। कटार सिंह जी, आप इसको रे ानेलाईज कीजिएगा। जो बड़ी बड़ी कम्पनियां दवाईया बनाती हैं, उनके आफिस यहां पर नही होते और उनको सेल्ज टैक्स देना नही पड़ता लेकिन जो कंज्यूमर है, उसकों दो प्रकार को सेल्ज टैक्स देना पड़ता हैं। एक स्टेट सेल्ज टैक्स दूसरा सैन्ट्रल सेल्ज टैक्स लगता हे। इस तरह से लोगो के ऊपर आपने डबल बोझ लाद रखा है, उसको समाप्त किया जाए। ताकि लोग सुख की सांस ले सके।

चेयरमैन साहब, एक फारमर्ज की कौसिंल बनी हुई है, उसकी आज तक एक भी मिटिंग नही हुई है। चुने हए लोगों की कभी मीटिंग न हो, ऐसा कभी नही सुना था आप अपने स्वास्थ्य विभाग को लाईन पर लाए और चुने हुए लोगों को मौका दें। मुझे पता नही चेयरमैन साहब, चौधरी भजन लाल जी चुनाव से क्यो संकोच करते है ओर डरते हैं? चेयरमैन साहब, इन्होने म्यूनिस्पिल

कमेटियो के चुनाव क्यो नही करवाए? (ाोर) पता नही कब चुनाव करवाऐगे और पता नही कौन भगवान को प्यार हो जाए।(हंसी)

चौधरी भजन लालः डाक्टर साहब, राम लाल वधवा के पास यह विभाग हुआ करता था। (ाोर)

श्री मंगल सैनः चेयरमैन साहब, आप भी इस बात की तसदीक करेंगे कि इन्होने जान बूझ कर यह चुनाव नही करवाए है। हम तो याहते है कि लोगो की समस्याओं को सुलझाया जाए, समूचे हरियाणा का विकास हो लेकिन इनको इस बात का कोई फिकर नही। कही ऐसा न हो आगे ता सेब कुद बन जाए और पीछे सारा का सारा चौपअ हो जाए। चेयरमैन साहब, चौधरी कटार सिंह कह रहे है कि चुंगी हटा रहे है। मै उनसे पूछना चाहता हूं कि कब यह चुगी हटायी जा रही है।(ाोर) लेकिन हाउस टैक्स तो बढा दिया, चुंगी पता नही कब खत्म करते है? चेयरमैन साहब, हो सकता है इन बातो की अनाउंसमैंट बाद मे करे।

वित्त मंत्री (चौधरी कटार सिंह छोकर): डाक्टर साहब, बाद मे अनाउन्समैंट करेगे।

श्री मंगल सैनः ठीक है, चेयरमैन साहब, इनको तो हर काम पीसमील, कि तो मे करना आता हे। इनकी तो यह आदत बन गयी हे। हाउस टैक्स अनाप– ानाप लगा रखा हे।

इसके बाद चेयरमैन साहब, मै अपने भाहर की भी चर्चा करना चाहता हूं रोहतक के साथ बड़ा अन्याय हो रहा हे। जिस

भाहर मे कोई यूनिवर्सिटी बनती हे वहा पर नया नगर सा बनाया जाता है जिससे भाहर का नक ाा ही बदल जाता है लेकिन चहा पर इन्होने एक ऐसा बी.सी. भेजा है जो कि मैडीकल कालेज से बाहर निकलने का नाम ही नही लेता। पता नही उसका वहां क्या वि ोश रूझाान है?

चौधरी भजन लालः डाक्टर साहब, यह आपके वक्त का ही लगाया हुआ है।

श्री मंगल सैनः भजन लाल जी, मैने उस वक्त कैबीनैट मे रहते हुए भी इस बात को अपोज किया था। अगर मैने गलती कर दी ाी त ो आप ने महा गलती हैं और अब भी कर रहे हैं। भजन लालव जी आप आते जाते दिल्ली के रास्ते मे देखते होगें कि नहर के बाई तरफ हजारों एकड़ भूमि पिछले 10 सालो से फिजूल पड़भ है। आपको पता है वहा कया हो रहा हे। ऐसी ही जमीन म्यूनिसिपल कमेटी के सामने कर्मि ायल कम्पलेक्स बनाने के लिये थी परन्तु आपने कहा था कि वहां पर पार्क बनायेगें, लेकिन आजकल वहां पर दुकाने बन रही है। हमे बड़े दुख के साथ यह कहना पड़ता हैं कि पता नही आगे आगे हमारे भाहर के साथ क्या होगा? वहां पर पीने के पानी की बड़ी भारी सम्सया है। केवल दो वाटर वर्कस है जो लोगो को पूरा पानी देने मे अस्मर्थ है। बरसात का पानी भी हमारे भाहर मे खड़ा हो जाता हैं और आपने पिछली बार देखा होगा कि वह बरसाती पानी फलड की भाक्ल ले लेता है। जिससे भाहर की बरबादी होती हैं। उसको

निकालने के लिये सरकार की और से कोई खास प्रबन्ध नही किये गये हे। चेयरमैन साहब, आपने भिवानी से दिल्ली आते जाते यह तबाही देखी होगी।

चेयरमैन साहब, एक दो बाते कहकर मै अपना स्थान लूंगा। आपने फरीदाबाद मे सरदार अवतार सिंह का ना सुना होगा। कल परसों भी अखबार मे उसका नाम आया था। भजन लाल जी वही भद्र पुरूश तो नही है जिनका नाम इंडिया टुडे मे छपा ाि और जिनका पोसवाल साहब के कांड के साथ कोई सम्बन्ध था।(ाोर)

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप क्यों म्यूच्वल ऐक्सचेजिज इनवाईट कर रहे है? आप अपनी स्पीच कन्टीन्यू करें।

श्री मंगल सैनः चेयरमैन साहब, 1983 में इन पर एक मुकदमा बना था क्योकि इन्होने नफे सिंह एस.आई. पर कातलाना हमला किया था। अब इस बारे मे डी.सी. पर दबाव डालना चाहते है कि वह मुकदमा वापिस ले ले। दफा 306, 506 ताजीराते हिन्द के बारे मे तो भाायद सुरजेवाला साहब ज्यादा जानते होगे परन्तु मै इतना अव य कहूंगा कि इसके खिलाफ 307, 506, 148, 147 और 149 के मुकदमे 24.04.1983 को बने लेकिन उनपर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई हैं। वह लठ लिये फिरता है। (घण्टी) अन्त मे मै चेयरमैन साहब, एक और बात कहना चाहता हूं कि एक फौजी जो भाामनगर तहसील केासली का रहने वाला है, वह

मुआवते के लिए तहसीलदार के पास गया। उसको यह कहा गया कि आप अपनी डयूटी पर वासि चले जाईये, आप किसी किस्म की चिन्ता न करिये, आपकी घरवाली को पैसे मिल जाएंगें। चेयरमैन साहब, मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि वह बेचारा चार साल से दे ा की सरहदों पर अपनी जान की बाजी लगाकर अपने दे ा कीर सेवा कर रहा है, लेकिन डयूटी पर जाने के बाद उसके पेसों के सम्बन्ध मे सरकार की तरफ से कोई पग नही उठाया गया । यह एक निन्दनीय बात हैं। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। इसी प्रकार जनरल दरियाओ सिंह के इलाज के बारे मे एक काल अटैन ान मौ ान भी दिया हैं।(विघ्न)

चौधरी भजन लालः डाक्टर साहब, वह फाईल मैने आपके कहने के अनुसार ही मंगवा ली है।

श्री मंगल सैनः बहुत अच्छा जी, बस मै इन अलुाज के साथ इस बजट का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी कुलबीर सिह मलिक (जुलाना): चेयरमैन साहब, आपका बहुत धन्यावाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। चेयरमैन साहब, सबसे पहले एक भोयर कह कर भाुरू करूंगाः–

म ारिक के खुदावन्द सफीदाने फिरंगी,

मगरिब के खुदावन्द दर खा ान्दाह कजलात,

यह इल्म यह हिसमत यह तदबीर, यह हकूमत,

पीते है लहूं देते है ताली मे मसाबत,

–तु काचिरे आदिल है मेरे जहां मे,

है तल्ख बहुत बन्दार, मजदूर के औकात

कब डूबेगा सरमायापरस्ती का सफीना?

दुनिया है तेरी मन्तजर रोजे मकानात।

मतलब यह है कि आज जो राजनेतिक इस गरीब जनता का खुन चूस रहे हैं, उनको कब सबर होगा? कब हस सरकार का सफाया होगा? चेयरमैन साहब, 20 तारीख को वित्त मंत्री ने जो बजट पे ा किया, मै समझता हूं कि वह एक इलैक ान बजट है। यह बजट बड़ा ही खु ाक , नीरस, लंगडा व खोखला हे और लोगो को गुमराह करने वाला बजट है। लोगा को दु:ख देने वाला बजट इस सरकार ने पे ा किया है। चेयरमैन साहब, एक बात मै सदन का बताना चाहता हूं। इस बजट मे किसी तरह के कोई टैक्स नही लगाये गये, यह बजट बिल्कूल इलैक ान बजट है इलैक ान के बाद आप देखना कि किस तरह से दो गुने, तीन गुने टैक्स जनता पर जबरदस्ती थोप दिये जाएगें। हरियाणा मे 80 परसैनअ जतना खेती पर निर्भर करती हे। लेकिन इस बजट मे खेती के लिए केवल 13.81 परसैन्ट रूपया रखा गया हे। बहुत थोड़ा पैसा रखा गया है। पापुले ान के अनूसार 80 परसैन्ट पैसा खेती के लिय रखा जाना चाहिये था तभी किसानो के साथ इन्साफ हातेा। यह तो किसान विरोधी बजट है। किसानो को

मारने वाला बजट है। इन्होने पिछली बार यही कहा था कि प्राईसिज इसलिये बढी है क्योकि एग्रीकल्चर कोमाडिटिड की प्राईसिंज मे बढौतरी हुई है। बढौतनी के बारे मे, मै आपको बाताना चाहता हूं। इन्होने गेंहू का भाव एक पैसा प्रति किला बढाया हैं। यह किसान के साथ बजाक नही, खिलवाउ नही तो और कया हैं? क्या प्राईस इंडैक्स के हिसाब से किसानो को भाव नही दिया जा सकता है? इसके साथ–साथ क्रोप इं योरैंस स्कीम का जिक्र किया गया हैं। एग्रीकल्चर की जा क्रोपस होती है।, उन पर इं योरैंस की स्कीम अभी तक लागे नही की गई। इसके अलावा कितने ही लोग व्हीट थ्रै ि ंग मे अपने अंग कटवा बैठते है। थ्रै ि ंग सीजन मे आप हस्पतालों का रिकार्ड देखें वहां पर हजारों लोग दाखिल होते है लेकिन सरकार का उनकी तरफ कोई ध्यान नही है। सरकार इस बारे मे कोइ ऐसा इन्तजाम करे जिससे उनको मुआवजा मिल सके। इसी तरह से किसान की फसले जो नैचुरल क्लेमिटीज की वजह से, जैसे ओला वृश्टि है, फलड है, खराब हो जाती हे। उनका तो मुआवजा मिल जाता है लेकिन जिनकी फसले सूखे की वजह से या ज्यादा सर्दी की वजह से नश्ट हो जाती है। उनका मुआवजा नही मिलता। इस बार चने और सरसों की फसल को बहुत नुकसान हुआ है लेकिन मुआवजा नही दिया गया। मै चाहता हूं कि ऐसे नुकसान के लिए भी नुकसान हुआ है लेकिन मुआवजा नही दिया गया। मै चाहता हू कि ऐसे नुकसान के लिये काफी सहायता दी गई। यह सहायता केवल कागजों मे ही दिखाई गई है, वास्तव मे कोई सहायता नही दी

जाती। जो भी सहायता चण्डीगढ से भेजी जाती है, उसे रास्ते मे कोई सहायता नही दी जाती। जो भी सहायता चण्डीगढ से भेजी जाती हे, उसे रास्ते मे डिपर्टमैंट के अफसर हजम कर जाते है। जींद के अन्दर 22.12.1983 को डिप्टी डायरैक्टर एग्रीकल्चर ने जब एक स्टौर पर रेड किया तो वहां पर 151 किलाग्राम विर्डीसाईड कम पाई गई। जब इसका कारण पूछा गया तो उन्होने बड़े बड़े आई.पीज. की फार्मो का नाम ले दिया कि यह वहां पर यूज की गई हे। इनमे से एक ता नरवाना के पास किसी आई.जी. का फार्म है। इसी तरह से जीन्द मे एन.एफ.सी. सर्विस मे भी लाखों रूपये का घपला हुआ है जिसमे डी.डी.ए. और इंचार्ज का हाथ है। इन्होने खाद के 400 कट्टों का बोगस परमिट देकर सबसीडी हजम की है। इसी तरह से युरिया के भी एक हजार कट्टे का बोगस परमिट देकर सबसिडी हजम की है। इसी तरह से युरिया के भी एक हजार कट्टे बेचे गए। इस तरह से लाखों रूपये का घपला हुआ हैं। मै चाहता हूं कि इसकी जांच करवाई जाए गोबर गैंस प्लांट का घपला हुआ है। मै चाहता हूं कि इसकी जांच करवाई जाए। गोबर गैंस प्लाट का भी इस बजट मे जिक्र किया गया है। पिछले पांच सात सालों मे गोबर गैस प्लांट के लिए तीन चार हजार रूपया कर्जा दिया जाता है और कुछ लोगो ने सबसिडी के लालच मे आकर कर्जा ले लिया। कर्जा वापिस न करने की वजह से आज उन लोगो के खिलाफ आदालतो मे केस चल रहे है। उनको जा ड्रम थे, वे दो दो सौ रूपये मे बेचे जा रहे है। इसकके बाद बजट मे यह भी कहा गया है कि जो व्यक्ति इन्टर

कास्ट भाादी करेगा उसके लिए पांच हजार रूपये देने का प्रबन्ध किया गया हैं। मै समझता हूं कि पांच हजार रूपये कास्ट भाादी करे उसे नोकरी दी जाए ताकि पता लगे कि उसका मन कितना साफ हैं। इससे कर्मचारियों मे भी छुआ छुत की बीमार हमे ाा के लिए खत्म हो जाएगी। एक और स्कीम आई है कि पढे लिखे बेरोजगारो को 25 हजार रूपया कर्जा दिया जाएगा। इ सकी अगर इन्कवायरी करवाई जाए तो मालूम होगा कि यह सारा कर्जा कांग्रसे के वर्करो को और युथ कांग्रेस के वर्करों को ही दिया जा रहा है। आज एक आम आदमी अगर पांच हजार रूपया भी कर्जा लेता हैं तो उसकी उसमे से पांच सात सौ रूपये रि वत के देने पडते है। सरकार पैसा देते हुए भी खाती है और लेते हुए भी खाती है। हरियाणा को आज लूट खसूट की मंडी बना रखा है। आज हर विभाग मे प्राइस इंडैक्ट से भी ज्यादा भ्रश्टाचार बढ़ रहा हे। हरियाणा का नाम भ्रश्टाचार मे दुनिया मे म ाहूर है क्योकि इस सकरार का बेस ही भ्रश्टाचार है। एक अखबार मे इस बारे मे एडिटोरियल आया था और बी.बी.सी. रेडियों से भी हरियाणा का नाम कोट हुआ था।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): चेयरमैन साहब, यह कहना कि सरकार का बेस ही भ्रश्टाचार है। यह बड़ा वाईल्ड एलीगें ान है इसलिए ये भाब्द एक्सपंज होने चाहिए।

श्री सभापतिः कुलबीर सिंह जी, आपको बात कहने का अधिकार है लेकिन अगर आप सभ्य भाब्दो मे कहोगे तो अच्छा रहेगा।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः ठीक है जी।

श्री राम बिलास भार्माः सभापति महोदय, सरदार लछमन सिह जी ने भी खुद कहा था कि क्रप ान हैं। (ाोर)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः चेयरमैन साहब, भ्रश्टाचार के बारे मे एक छोटी सी मिसाल देना चाहता हूं। एक बच्चे ने रूपया निगल लिया था। उसक के माता पिता को बड़ी चिन्ता लगी। उस बच्चे की मां कहने लिगी कि डाक्टरप को बुलाओ, लकिन पिता कहने लगा कि नही, मंत्री को बुलाओ। बच्चे की मां ने कहा कि मंत्री क्या करेगा? तो उसका पिता कहने लगा कि मंत्री लोग ऐसे होते है जो पाताल से भी पैसा निकाल लाते है। यह तो बच्चे के पेट की बात है।(हंसीं)

श्री लछमन सिंहः चेयरमैन साहब, अभी राम बिलास भार्मा जी ने कहा कि लछमन सिंह ने भी भ्रश्टाचार के बारे मे कहा था मैने ऐसी कोई बात नही कही। (ाोर)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः चेयरमैन साहब, वित्त मंत्री जी ने कहा था कि हम फिजूलखर्चे बन्द करेगे। मै इन के नाटिस मे लाना चाहता हूं कि सेल्ज टैक्स की रिकवरी के बहुत ज्यादा केस पैंडिंग पड़े है। वह रिकवरी क्यो नही करतें? वर्श

1983 मे सेल्ज टैक्स के 686 केसिज पैंडिंग थे जिनसे रिकवरी होनी थी और 613 सेल्ज टैक्स आन गुड्ज के पैंडिंग थे। 31.03. 1983 तक सेल्ज टैक्स की कलैक न 12 करोड़ 13 लाख 90 हजार रूपए और पांच सालों से ज्यादा का एरियर 4 करोड़ 13 लाख 8 हजार रूपए है। इ सी तरह से एक्साईज टैक्स के 2 करोड़ 46 लाख 79 हजार रूपए है और पांच सालों से ज्यादा एरियर 6 लाख 91 हजार रूपए हैं। 1982–83 मे अंडर असैसमैंट आफ सेल्ज टैक्स 1 करोड़ 88 लाख 29 हजार रूपए था और एकसाईज टैक्स की जो रिकवरी नही की है वह 1 करोड़ 83 लाख 3 हजार रूपए की है। इसी तरह से जो बोर्ड और कार्पोरे ान बनाए गए है। मै समझता हूं कि ये वाइट एलीफैटस है। सब से ज्यादा पैसा यही हज्म कर जाते है। इसके अलावा मार्किट कमेटियां मे थैप्ट और अम्बैजलमैंट के बड़े केस हुंए हैं। 50 केस आज भी 1978–79 से पैंडिग पड़े है। एक आफिसर के खिलाफ 35 केसिज है और उसको सस्पैंड या डिसमिस करने की बजाए एक्सीयन से एस.ई. प्रमोट कर दिया गया है। यानि क्रप्ट आदमी को घर भेजने किी बजाए परमो ान दी जा रही हे। इसी तरह से दूसरे आदमी के खिलाफ 38 केस पैंडिंग है और वह आज भी काम कर रहा है। चेयरमैन साहब, 1983–83 मे हिसार की मार्किट कमेटी ने 1,51,00,392 रूपए की, थानेसर मै 71 लाख रूपये की और कैथल मे 83 लाख रूपये की तरपोलीन खरीदी गई थी। इस खरीद मे बडा़ घोटाला हुआ था इसके लिए इन कमेटियों के

सैक्रेटरीज को सस्पैंड किया गया था लेकिन अब उनका फिर री–इंस्टेट कर दिया गया हैं।

श्री सभापतिः जो आफिसर का नाम लिया गया है, वह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः इसी तरह से चेयरमैन साहब, जो एग्रीकल्चर मार्किटिंग कमेटी बोर्ड की बिल्डिंग है, वह हरियाणा प्रदे ा के बीच मे बनानी चाहिए लेकिन वह पंचकूला मे बनाई जा रही हे। इसी तरह से लगभग दो करोड़ रूपये के क्वाटर्ज पंचकूला मे बनाए जा रहे हैं। मर्किटिंग बोर्ड के पास 90 के करीब व्हीक ल्ज है उन मे से उन मे भी बहुत फिजुलखर्ची कीप जा रही है। उन की मैंटीनैंस पर एक साल मे 15–15 और 20–20 हजार रूपए खर्च किए गए है।। इसी तरह से चेयरमैन साहब, हरियाणा एग्रो–इण्डस्ट्रीज कार्पोरे ान घाटे मे चल रही है। (घण्टी) चेयरमैन साहब, अभी दो मिन्ट मे वाइंड अप कर रहा हूं इस से ज्यादा समय न लूंगा। मैने बहुत जरूरी बाते कहनी है। एग्रो–इण्डस्ट्रीज कार्पोरे ान मे 1979–80 मे 80 लाख 6 हजार रूपए का घाटा है और हरियाणा कन्कास्ट हिसार को 1982 तक 3 करोड़ 20 लाख 4 हजार 100 रूपए का घाटा है। इसी तरह हरियाणा टेलीविजन लिमिटिड मे 91 लाख 81 हजार रूपए हरियाणा डिटरजैंट मे 1 करोड़ 96 लाख 41 हजार 800 रूपए, मिल्क प्लांट मे 5 करोड़ और हरियाणा टेनरीज मे 1980–81 मे 1 करोड़ 2 लाख 13 हजार रूपए का घाटा रहा है। चेयरमैन साहब,

मेरे कहने का मतलब यह है कि हरियाणा के सारे बोर्ड और कार्पोरे ान घाटे मे चल रहे हे। इसके अलावा मै यह कहना चाहता हूं कि लोकदल का ऐसा कोई भी वर्कर नही है। जिसके खिलाफ चौधरी भजन लाल जी ने केस न बनवाया हों। मेरे खिलाफ भी केस चल रहा हैं लेकिन वे जितने भी केस है वे सारे गलत और बुबुनियाद है। इन भाब्दो के साथ मे इस बजट का विरोध करता हुआ अपना स्थान लेता हू। धन्यावाद।

श्री निर्मल सिंह (नांगल): चेयरमैन साहब, वित मंत्री जी ने जो 1984–85 का बजट पे ा किया है मै उस का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरी आपसे प्रार्थना हैं कि आप सबसे पहले सदन का समय 10 मिनट के लिए बढा दे ताकि मै अपने विचार भलि भांति रख सकूं।

श्री सभापतिः हाउस का समय बढाने की आव यता नही हैं। आप अपनी स्पीच जारी रखिए।

श्री निर्मल सिंह (नांगल): चेयरमैन साहब, मुझे बजट पर बोलने के लिए पूरा मौका मिलना चाहिए। सदन के अन्दर बहुत से पुराने माननीय सदस्य है जोकि बोलने मे काफी महारथी है कोई भी बात हो वे उसको मोड़ तोड़ कर इस तरह से कहते है। जिसका कोई हिसाब नही है। जैसे हमारे माननीय सदस्य डा. मंगल सैन जी है। चाहे कोई भी बात हैं, छोटी सी बात को लम्बी और लम्बी बात को छोटी करके कह देते हैं। उनके लिए ऐसा

करना बहुत आसान है लकिन नए मैम्बर के लिए बात को ठीक ढंग से कहने मे और ब्रीफ करने मे बहुत मुि कल आती है। यह प्रक्टिस की बात है। यदि हम नए मैम्बर्ज को बोलने का मौका नही देगे तो हम उस लैवल तक नही पहुंचेगे जहां तक पुराने मैम्बर्ज पहुंचे हुए है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप नए मैम्बर्ज को बोलने का मौका जरूर दे। चेयरमैन साहब, मेरे से पहले बोलने वाले माननहीय सदस्य ने फैक्टस एक फिगर्ज के साथ बजट पर अपने विचार प्रकट किए है। (विघ्न) मै अपने अपोजी ान के भाईयों से प्रार्थना करूंगा कि जो सदस्य बोल रहा है। उसको बीच मे इन्ट्रप्ट न करें। अभी थोडी़ देर पहले चौधरी कुलबीर सिंह जी बजट पर बोलते हुए फिगर्ज बता रहे थे और अपने विचार प्रकट कर रहे थे। उस समय मै बीच मे बिल्कूल नही बोलां लेकिन जब भी आपकी पार्टी के बारे मे हमारी तरफ से कोई बात कही जाती है तो आप लोग फोरन खड़े होकर कह देते है कि आप बजट पर बोलें मेरे अपोजी ान के भाई इस बात की तरफ ध्यान नही देते। ये खुद बजट पर बोलते नही, कोई न कोई इररैलेवैंट बात कह देते है और सारे सदन का माहोल बदल देते है। चेयरमैन साहब, मै आपके द्वारा अपने अपोजी ान के भाईयो से कहना चाहता हूं कि वे बड़े जिम्मेदार सदस्य हैं, जनता के चुने हुए नुमायंदे हैं, इन्हे जनता के हित की बात कहनी चाहिए न कि इस किस्म की बाते करनी चाहिए जिसके कारण आप यह सोचे कि आपकी खबर अखबारो मे आ जाएगी। इस तरह की बातों की तरफ आपको ध्यान नही देना चाहिए कि आपकी खबर अखबारो मे आए।

अपोजी ान के बहुत से मैम्बर ऐसे है जो अपनी बात कह कर प्रैस गैलरी की तरफ देखते हे। प्रैस वालो की तरफ इसलिए देखते हे। ताकि वे जान सके कि उनकी बात का अखबार वालो से यह ि ाकाय त है कि जिस दिन वह बजट पर बोले थे और उनहोने बजट स्पीच की कापी फाड़ी थी, वह बात अखबार मे क्यों नही आई। इन्होने यह भी कहा कि आप लोग मेरी कोई भी बात अखबार मे नही छापते। इन्होने बजट स्पीच की कापी इसलिए फाड़ डाली ाी ताकि इनका नाम अखबार मे आए लेनिक नही आया, इनको अखबार वालो से बहुत ि ाकायत है। खैर, कोई बात नही इनका नाम अखबार मे आए या न आए। चेयरमैन साहब, मै मोटे तौर पर यह कहना चाहूंगा कि मेरे अपोजी ान के भाईयो को ऐसी कोई बात नही कहनी चाहिए जिससे हाउस का माहौल खराब हो और न ही नाम अखबारेा मे छापने की भावना से ऐसी बात कहनी चाहिए। इनको लोगों के हिज की ही बात कहनी चाहिए। विकास के कार्यो की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहिए। चेयरमैन साहब, जो 1978–79 मे बजट पे ा किया गया था, उसके अन्दर किसानों पर टैक्स लगाए गए थे और घाटा भी दिखाया गया था।

श्री हीरानन्द आर्य: चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य कह रहे है कि जो 1978–79 मे बजट पे ा किया गया था उसके अन्दर घाटा दिखाया गया था। मै

इनसे यह जानना चाहता हूं कि इस बजट मे घाटा नही दिखाया गया हैं?

श्री निर्मल सिंहः चेयरमैन साहब, घाटा तो इस बजट मे भी दिखाया गया हैं। जिस स्टेट मे डिवैल्पमैंट हो रही हो, उस मे घाटे का बजट जरूय आएगा। इसके इलावा, इस बजट मे हमारी सरकार ने किसानों पर कोई टैक्स नही लगाया हैं, बावजूद इस के, हमारी स्टेट के डिवैल्पमैंट के काम भी सरकार जारी रखेगी। हमार सरकार की यह बहुत बड़ी सफलता है कि घाअे का बजट होते हुए भी स्टेट मे डिवैल्पमैंट के काम जारी रख्ो जाऐग। यह सरकार की बहुत बडी़ उपलब्धि है। चेयरमैन साहब, जिस समय 1983–84 का बजट पे ा किया जा रहा था उस समय मेरे अपोजी ान के भाईयों ने हमारे वित मंत्री चौधरी कटार सिंह जी के बारे मे यह कहा था कि कटार सिंह जी कटार बन कर सदन मे छाए है। चेयरमैन साहब, हमारे वित मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है वह बड़ी सुझबुझ के साथ पे ा किया है। इस बजट के अन्दर किसानों की मजदूरो की हरिजनो कि भलाई के लिए, यानी आज आदमी की भलाई के लिए यह बजट पे ा किया है। इन्होने बड़ी सूझबुझ का सबूत दिया है कि आगे आने वाल साल मे इस घाटे को पूरा करेगे और डिवैल्पमैंट के काम भी किए जाएगें। घाटे का बजट होते हुए भी लोगो ने हितो का ध्यान रखा जाएगा और स्टेट मे डिवैल्पमैंट के कामों का भी ध्यान रखा जाएगा। यह सरकार की बहुत बड़ी सफलता औ उपलब्धि है चेयरमैन साहब,

1978–79 मे बहुत से मैम्बर साहेबान जो हमारे सामने बैठे है, ने किसानो के बारे मे तरह तरह की बाते कही थी ओर किसानो की बहूत स्पोर्ट की थी।

चौधरी रो ान लाल आर्यः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है माननीय सदस्य इसी साल के बजट पर बोल रहे है। या 5–6 साल पहले के बजट पर बोल रहे है?

श्री निमर्ल सिंह : चेयरमैन साहब, श्री रो ान लाल आर्य स्वयं कभी बजट पर तो बोलते नही, इधर उधर की बाते हांकते रहते है। मै यह बात 1978–79 के बजट की ही कर रहां हूं और वह इसलिए कह रहा हूं कि उस कमय इनकी सरकार ने किसानो को दो नारे दिए थें। एक नारा ता यही दिया थाः–

गन्ना बिक चार और पत्ते छः

बोलो चौधरी चरण सिंह की जय।

दूसरा नारा यह दिया थाः–

जाट ऊपर जाट, नर्मा बिके 208

चौधरी साहब सिंह सैनीः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य ने चौधरी चरण सिंह जी का नाम लिया है, यह रिकार्ड मे नही आना चाहिए। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्य * * * * * * * * * * * * * * (ाोर)

श्री सभापतिः जो आर्य साहब कह रपहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः चेयरमैन साहब, हमारे माननीय सदस्य चौधरी कुलबीर सिंह जी अभी बोल रहे थे, उस समय आपने कह दिया था कि जो आफिसर का नाम लिया गया है, वह रिकार्ड पर नही आएगा। इसी प्रकार जो बात श्री निर्मल सिंह जी ने कही है, वह भी रिकार्ड पर नही आनी चाहिए। आपने मेरी बात के लिए तो कह दिया कि यहा नारा रिकार्ड पर नही आएगा, लेकिन निर्मल सिंह जी ने जो नारे बाताए है आप व भी रिकार्ड पर न आने दे।(ाोर)

श्री सभापतिः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही हैं।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः चेयरमैन साहब, माननीय सदस्य ने चौधरी चरण सिंह जी का नाम लिय है, वह रिकार्ड नही होना चाहिए। चौधरी चरण सिंह जी ने जो अच्छे काम किए हैं, आप उनका भी जिक्र कर देते तो अच्छा होता। उन्होने खाद की कीमत कम की थी और गरीब लोगों के लिए काम के बदले अनाज देने की स्कीम चलाई थी।(ाोर)

श्री सभापतिः ग्रेवाल साहब, आप बैठिए। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डरप है। जिस समय चौधरी कुलबीर सिंह जी बोल रहे थे, उस समय आपने आफिसर का नाम रिकार्ड नही होने दिया था। अब

श्री निर्मल सिंह जी कोई न कोई नाम कोट कर रहे है और वे रिकार्ड हो रहे हैं। मै इस बारे मे आपकी रूलिग चाहूंग कि क्या रूलिंग पार्टी वाल किसी का भी नाम ले सकते है और हम किसी का नाम नही ले सकते? (ाोर)

श्री सभापतिः मैम्बर साहेबान, यदि किसी आफिसर पर कोई इल्जाम हो तो यहां पर उसका नाम लेकर कोई बात नही कहनी चाहिए।(ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः चेयरमैन साहब, मेरी बात भी रिकार्ड होनी चाहिए। (ाोर)

श्री सभपतिः कृपया आप बैठ जाएं।

श्री निर्मल सिंह : चेयरमैन साहब, हमे ऐसी बात कहनी चाहिए जिसका कोई न कोई आधार हो। निराधार बात कहने का कोई फायदा नही।

सभापति महोदय, यहां पर इनकी तरफ से ऐसी बाते कही गयी है कि कुछ आफिसर्ज ने बिल्डिगें खड़ी कर ली है। इन मे कोई फोरेस्ट विभाग को हैं, कोई ड्रेनज विभाग का है और कोई पी.डब्ल्यू.डी. का आफिसर है। यदि ऐसा है तो यह अपने आप मे एक बुराई है। बजट के आकड़े सब के सामने है। यहां पर बगैर मतलब कोई बात कही जाये तो ठीक नही हैं। मतलब के साथ कोई बात कही जाये ता अच्छी बात है। राजनीतिक लोगो के लिए जनता एक भाी ो की भाति हैं। जैसा हम करेगे वह सारी

जनता का पता चल जायेगा औरप जैसा हमार व्यक्तित्व होगा वह सबके सामने आ जाऐगा।

श्री सभापतिः अब आप बैठिए। आप सोमवार कन्टीन्यू करेगें। अब हाउस सोमवार बाद दोपहर 2.00 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता हैं।

13.00 बजे

(तत्प चात सदन सोमवार दिनांक 26.03.1984 को बाद दोपहर 2.00 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)